राष्ट्रीय संस्करण

# दैनिक जागरण

वर्ष 3 अंक 306

मूल्य ₹6.00, नई दिल्ली, सोमवार, 13 अप्रैल 2020

www.jagran.com

पृष्ठ 14

**कोरोना मीटर** (स्रोत: वर्ल्डोमीटर्स डॉट इंफो स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय)

| | विश्व | अमेरिका | स्पेन | भारत | 6 अप्रैल की स्थिति | वृद्धि दर (%) | दिल्ली |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| कुल केस | 18,38,300 | 5,51,081 | 1,66,019 | 9,172 | 3,577 | 156 | 1154 |
| मौतें | 1,13,329 | 21,668 | 16,972 | 323 | 126 | 156 | 24 |
| स्वस्थ हुए | 4,21,764 | 31,369 | 62,391 | 996 | 274 | 263 | 27 |

**भारत के प्रमुख राज्य**

| राज्य | केस | मौतें |
|---|---|---|
| महाराष्ट्र | 1982 | 127 |
| उत्तर प्रदेश | 488 | 5 |
| तमिलनाडु | 1075 | 10 |
| मध्य प्रदेश | 579 | 36 |
| तेलंगाना | 531 | 9 |
| राजस्थान | 804 | 3 |
| हरियाणा | 193 | 5 |
| गुजरात | 516 | 22 |
| अन्य | 3004 | 106 |

रात 1:00 बजे तक

**अन्य प्रमुख देश**

| देश | इटली | फ्रांस | जर्मनी |
|---|---|---|---|
| केस | 1,56,363 | 1,32,591 | 1,27,007 |
| मौतें | 19,899 | 14,393 | 2,961 |

नोट: कोरोना से प्रभावित लोगों के संदर्भ में आंकड़े उल्लिखित दो सोतों के अतिरिक्त जागरण न्यूज नेटवर्क के रूप में अन्य माध्यमों से भी लिए गए हैं। अतः तालिका तथा दैनिक जागरण के इस अंक में प्रकाशित सामग्री में आंकड़ों का अंतर संभव है।

# लॉकडाउन के बीच उद्योगों के पहिए चलाने की तैयारी

## बड़ा कदम ▶ सरकार कुछ शर्तों के साथ 15 प्रकार के उद्योगों को दे सकती है कामकाज शुरू करने की मंजूरी

### उद्योग सचिव ने आर्थिक गतिविधियां आरंभ करने के लिए लिखा पत्र

जेएनएन, नई दिल्ली

मुख्यमंत्रियों से वीडियो कांफ्रेंसिंग में 'जान भी, जीन भी' के नए मंत्र के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को जो संकेत दिया था, सरकार उस दिशा में कदम बढ़ाती नजर आ रही है। 14 अप्रैल तक के लिए घोषित देशव्यापी लॉकडाउन के खत्म होने से पहले ही सरकार उद्योगों के पहिए चलाने को जरूरी मंजूरी देने की दिशा में बढ़ रही है। कोरोना के खतरे के बीच जहां पूरे देश में आम राय है कि लॉकडाउन बढ़ना चाहिए, वहीं अर्थव्यवस्था पर इसके असर को देखते हुए जाम पड़े औद्योगिक पहिए को धीरे-धीरे चलाने का मत भी बन रहा है। एक दिन पहले कुछ मुख्यमंत्रियों ने शर्तों के साथ चुनिंदा उद्योगों को लॉकडाउन से बाहर लाने की बात कही थी।

केंद्रीय मंत्रियों की ओर से भी प्रधानमंत्री को सुझाव दिया गया है कि उद्योगों को आंशिक रूप से लॉकडाउन में छूट मिलनी चाहिए। इन सभी विचारों को देखते हुए और संबंधित विभागों की राय पर 15 तरह के उद्योगों को न्यूनतम कर्मचारियों के साथ एक शिफ्ट में काम शुरू करने की अनुमति दे सकती है।

**जरूरी है आर्थिक गतिविधियां :** समाचार एजेंसी आइएएनएस के मुताबिक उद्योग सचिव गुरुप्रसाद मोहपात्रा ने गृह सचिव अजय भल्ला को पत्र लिखकर कहा कि आर्थिक गतिविधियों का संचालन जरूरी है क्योंकि इससे लोगों के हाथ में नकदी पहुंचेगी। राज्यों की आर्थिक हालत के लिहाज से भी यह कदम जरूरी है। सरकार पर भी दबाव कम होगा। मौजूदा दौर में बन रही बेरोजगारी की स्थिति से निपटने के लिए इस दिशा में आगे बढ़ना होगा। उद्योग मंत्रालय ने गृह मंत्रालय को 15 ऐसे उद्योगों की सूची सौंपी है, जिन्हें काम की अनुमति देनी चाहिए।

ज्ञात हो, एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग में 'जान भी और जहान भी' का नया मंत्र दिया है। यह इसलिए खास है क्योंकि इससे पहले जब उन्होंने लॉकडाउन की घोषणा की थी तो कहा था कि 'जान है तो जहान है।' उनके नए मंत्र का आशय कारोबारी गतिविधियां शुरू करने से ही है।

इस सिलसिले में कैबिनेट मंत्रियों की ओर से सुझाव आया कि सड़क निर्माण, जरूरी वस्तुओं के निर्माण से जुड़े उद्योगों को पहले चरण में उत्पादन शुरू करने की इजाजत दी जा सकती है। अगर कोई उद्योग कोरोना प्रसार से बचते हुए औद्योगिक गतिविधि शुरू करने का ब्लू प्रिंट देता है तो उसे भी मंजूरी दी जा सकती है, लेकिन उसे बताना होगा कि बीमारी से बचाव बचने और इलाज के लिए क्या प्रबंध है। मसलन उसके पास संक्रमण रोकने के लिए डिसइंफेक्टेंट हो, पास में अस्पताल हो, कम से कम लोगों की मौजूदगी में कार्य हो सके। बताया जाता है कि छोटे और मध्यम दर्जे के उद्योगों को थोड़ी छूट देने की पैरवी की गई है ताकि उनमें पलायन करने वाले मजदूरों को भी काम पर लगाया जा सके, जिससे उनकी समस्या का समाधान हो सके।

**प्रस्ताव की प्रमुख बातें**

- न्यूनतम कर्मचारियों के साथ एक शिफ्ट में काम करें कई अहम उद्योग
- सीमेंट उद्योग में सुरक्षा के साथ तीनों शिफ्ट में काम की अनुमति मिले
- निर्माण स्थल पर ही मजदूरों के रहने की व्यवस्था के साथ कंस्ट्रक्शन हो
- गलियों में फेरी (ठेले) लगाने वालों को अनुमति मिले ताकि घर-घर फल-सब्जी की आपूर्ति हो
- फ्रिज, टीवी, एसी रिपेयर करने वाले भी सुरक्षा के प्रबंध करते हुए कर सकते हैं अपना काम
- जरूरत को देखते हुए धोबी, बढ़ई और इलेक्ट्रीशियन के काम पर न हो किसी प्रकार की रोक

**मंत्रालयों का विचार**

- कोरोना पर लगाम के लिए लॉकडाउन जरूरी, पर अर्थव्यवस्था को संभालना भी महत्वपूर्ण
- संक्रमण से सुरक्षित क्षेत्रों की पहचान कर वहां कुछ कारोबारी गतिविधियों को मिले मंजूरी
- सड़क निर्माण और आवश्यक वस्तुओं से जुड़े उद्योगों को पहले चरण में इजाजत मिले
- संक्रमण से बचाव का ब्लू प्रिंट देने वाले उद्योगों को भी शर्तों के साथ अनुमति दी जाए
- फिजिकल डिस्टेंसिंग से समझौता किए बिना न्यूनतम कर्मचारियों के साथ ही हो काम

ज्यादातर मंत्रालयों की राय भी कुछ उद्योगों को राहत देने के पक्ष में

**इन उद्योगों को मिल सकती है अनुमति**

ऑप्टिक फाइबर केबल, कंप्रेसर एंड कंडेंसर इकाइयां, इस्पात और फेरस एलॉय मिल, पावरलूम, पल्प और कागज इकाइयां, उर्वरक, पेंट, प्लास्टिक, वाहन इकाइयां, रत्न एवं आभूषण तथा सेज एवं निर्यात से जुड़ी कंपनियों को अनुमति मिल सकती है। ट्रांसफॉर्मर एवं सर्किट व्हीकल, टेलीकॉम इक्विपमेंट और खाद्य एवं पेय पदार्थों से जुड़े उद्योग भी काम कर सकेंगे।

**'लॉकडाउन' से निकलेगी उप्र सरकार, 15 से कामकाज करेंगे मंत्री-अफसर**

लखनऊ : उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार अब प्रदेश को पटरी पर लाने के लिए 15 अप्रैल से लॉकडाउन से बाहर आने वाली है। मंत्री-अफसर शारीरिक दूरी का पालन करते हुए कामकाज संभालेंगे। इसके लिए छह कमेटियां बनाई गई हैं। (पेज-6)

**नितिन गडकरी ने की सड़क निर्माण शुरू करने की पैरवी**

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने सड़क निर्माण के कार्य शुरू करने की विशेष तौर पर पैरवी की। अधिकारियों के साथ बैठक के बाद उन्होंने कहा, वायरस से सुरक्षित रखने के तमाम उपाय करते हुए सड़कों का निर्माण कार्य शुरू किया जा सकता है। सभी को कड़े नियमों का पालन करना होगा। इस बारे में राज्यों के सचिवों से बात हो रही है कि जहां-जहां अनुमति मिले वहां काम शुरू हो सके। इसमें एक समस्या कामगारों को लेकर होगी। सड़क निर्माण में ज्यादातर श्रमिक दूर दराज के राज्यों से आए होते हैं और उनमें से काफी गांव लौट चुके हैं, कुछ विभिन्न कैंपों में रह रहे हैं। डीएम से बात कर इनकी उपलब्धता सुनिश्चित कराई जा सकती है।

**हेल्पलाइन नंबर**

कोरोना से जुड़ी सही जानकारी देने के लिए भारत सरकार और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वाट्सएप हेल्पलाइन नंबर जारी किए हैं। इन नंबरों को मोबाइल में सुरक्षित करके कोई भी प्रामाणिक सूचना पाई जा सकती है। कृपया नंबर दर्ज करके वाट्सएप पर सिर्फ नमस्कार का संदेश भेजें। तुरंत एक मेन्यू आएगा, जिसके अनुसार वांछित जानकारी ली जा सकती है।

who:+41 798931892

mygov: +919013151515

**कोरोना को हराना है**

जांच में तेजी लाने के लिए महाराष्ट्र अपनाएगा 'पूल टेस्टिंग' • पेज 5

शिशुओं को कोरोना से बचाएगा मां का दूध • पेज 6

आइसीएमआर ने प्लाज्मा थेरेपी के ट्रायल के लिए बुलाया • पेज 7

**सरोकार**

**कोरोना से जंग लड़ने को ट्रांसजेंडर भी मैदान में उतरे**

कोलकाता : कोरोना के खिलाफ लड़ने को ट्रांसजेंडर भी मैदान में उतर पड़े हैं। कोलकाता आनंदम फॉर इक्विलिटी एंड जस्टिस के बैनर तले ट्रांसजेंडरों का समूह जरूरतमंदों को खाद्य सामग्रियां मुहैया करा रहा है। (पेज-13)

**जागरण विशेष**

**'हमारी गली-हमारे जिम्मे' मुहिम को सबका साथ**

हिसार : कोरोना से जंग में दैनिक जागरण के अभियानों से हरियाणा की गली-गली हो गई जागरूक। प्रशासन संग आम लोगों व संस्थाओं ने उठाया कमजोरों का जिम्मा। कर रहे सफाईकर्मियों का सम्मान। (पेज-13)

# पंजाब में कर्फ्यू पास मांगने पर निहंगों ने किया बवाल, एएसआइ का हाथ काटा

▶ थाना इंचार्ज समेत पांच लोग घायल, गुरुद्वारे में छिपे 11 निहंग गिरफ्तार

▶ सात घंटे चले ऑपरेशन के बाद पीजीआइ में जोड़ा गया कटा हाथ

पंजाब के पटियाला जिले में पुलिस टीम पर हमला करने के बाद भागते निहंग। वीडियो ग्रैब

जागरण संवाददाता, पटियाला

कोरोना वायरस का संक्रमण रोकने के लिए लागू कर्फ्यू के दौरान रविवार सुबह छह बजे घूम रहे पांच निहंगों ने पास दिखाने के लिए कहने पर पुलिस दल पर हमला बोल दिया। तलवारों से लैस निहंगों में से एक ने एएसआइ हरजीत सिंह का हाथ कलाई से काटकर अलग कर दिया। चंडीगढ़ पीजीआइ में सात घंटे के आपरेशन के बाद उनका हाथ जोड़ दिया गया है।

पटियाला रेंज के पुलिस महानिरीक्षक जतिंदर औलख ने बताया कि वारदात के बाद आरोपित निहंग नजदीक के कस्बे बलबेहड़ा में स्थित गुरुद्वारा खिचड़ी साहिब परिसर में बने क्वार्टरों (निहंग डेरा) में छिप गए। इन्हें पकड़ने के लिए पुलिस को 45 विशेष कमांडो बुलाने पड़े। एक निहंग ने कमांडो पर भी तलवार से हमला किया, लेकिन कमांडो ने टांग पर गोली मारकर उसे पकड़ लिया। पांच घंटे चले ऑपरेशन के बाद एक महिला समेत 11 लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने डेरे से दो पिस्तौल, दो पेट्रोल बम, केमिकल की 38 बोतलें, तीर कमान समेत अन्य हथियार व सामान के साथ 39 लाख रुपये की नकदी बरामद किए हैं।

जानकारी के अनुसार, रविवार सुबह करीब छह बजे पांच निहंग एक गाड़ी में सनौर रोड की सब्जी मंडी पहुंचे। पुलिस ने पास दिखाने को कहा तो गाली गलौच करते हुए जबरन मंडी में घुस गए। मौके पर पहुंचे इंस्पेक्टर बिक्कर सिंह ने निकास गेट पर नाका लगा दिया। निहंग मंडी से निकले तो गाड़ी से टक्कर मारकर गेट को तोड़ दिया। इसके बाद तलवार से हमला कर एएसआइ हरजीत सिंह, इंस्पेक्टर बिक्कर सिंह, एएसआइ राज सिंह, रघुवीर सिंह व मंडी बोर्ड के कर्मी यादविंदर सिंह घायल हो गए। जख्मी हरजीत सिंह को उनके साथी स्कूटी पर अस्पताल लेकर भागे। इस दौरान वह कटे हुए हाथ को अपने दूसरे हाथ से पकड़े रहे। करीब दस किमी का सफर कर वह राजिंदरा अस्पताल पहुंचे और कटे हाथ को सुरक्षित करने के बाद उन्हें पीजीआइ रवाना किया गया।

इनको किया गिरफ्तार पेज>>12

# 20 लाख सुरक्षा स्टोर से मिलेगा जरूरत का सामान

नई दिल्ली, प्रेट्र : कोरोना संकट के बीच रोजमर्रा का सामान खरीदते वक्त लोगों के मन में यह शंका रहती है कि वहां सुरक्षा के कितने इंतजाम हैं। इस चिंता को दूर करने के लिए सरकार ने 'सुरक्षा स्टोर' खोलने की तैयारी की है। अगले 45 दिन में देशभर में ऐसे 20 लाख सुरक्षा स्टोर संचालन में आ जाने की उम्मीद है। इसके लिए सरकार बड़ी एफएमसीजी कंपनियों संग मिलकर आसपास के रिटेल स्टोर को ही सुरक्षा स्टोर में बदलने की व्यवस्था कर रही है। उपभोक्ता मामलों के सचिव पवन कुमार अग्रवाल के साथ शीर्ष एफएमसीजी कंपनियां एक दौर की बैठक कर चुकी हैं। यह सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) के साथ लागू की जाने वाली महत्वाकांक्षी योजना है। प्रत्येक एफएमसीजी कंपनी को इस योजना को अमली जामा पहनाने के लिए एक या दो राज्यों की जिम्मेदारी दी जा सकती है। अग्रवाल ने सुरक्षा स्टोर की दिशा में काम करने की जानकारी तो दी, पर विस्तार से कुछ नहीं बताया। एक प्रमुख एफएमसीजी कंपनी के शीर्ष अधिकारी ने बताया कि 50 से ज्यादा बड़ी एफएमसीजी कंपनियों से संपर्क किया गया है। सभी सरकार का साथ देने को तैयार हैं।

**बड़ी तैयारी**

▶ एफएमसीजी कंपनियों के साथ मिलकर आसपास के रिटेल स्टोर को ही बनाया जाएगा सुरक्षा स्टोर

▶ सफाई, सैनिटाइजेशन और फिजिकल डिस्टेंसिंग जैसे सभी प्रावधानों का सख्ती से होगा पालन

▶ किराना ही नहीं कपड़ों की दुकान और सैलून को भी योजना में शामिल करने की बन रही योजना

प्रतीकात्मक फोटो

**'सुरक्षा स्टोर' में होंगी ये व्यवस्थाएं**

सूत्रों को कहना है कि इन्फ्रास्ट्रक्चर से जुड़ी कुछ शर्तों को पूरा करने वाला कोई भी किराना स्टोर 'सुरक्षा स्टोर' बनने के लिए आवेदन कर सकेगा। यह सुनिश्चित किया जाएगा कि पूरी आपूर्ति चेन में कहीं भी सुरक्षा मानकों से समझौता नहीं हो। सुरक्षा स्टोर में सिर्फ किराना दुकानों को ही नहीं बल्कि टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद की दुकानों, कपड़ों व सैलून को भी शामिल करने की योजना है। इन दुकानों पर साफ-सफाई और एक-दूसरे से दूरी बनाए रखने से जुड़ी हर तरह की एहतियात बरती जाएगी। दुकानों को डिसइंफैक्टेंट भी किया जाएगा।

ग्राहकों के दुकान में घुसने से पहले हैंड सैनिटाइजर या हाथ धोने, सभी स्टाफ के लिए मास्क और ज्यादा छूने में आने वाले स्थानों को दिन में दो बार डिसइंफैक्टेंट करने की व्यवस्था करनी होगी। इस योजना में निजी कंपनियों को शामिल किया जाएगा, जो हर प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करेंगी। साथ ही अनिवार्य वस्तुओं के विनिर्माता के यहां से सामान लेकर खुदरा दुकानों तक उनकी सुरक्षित पहुंच भी सुनिश्चित करेंगी।

# प्रवासी मजदूरों का खयाल रखें राज्य : केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसियां : केंद्र सरकार ने सभी राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों को प्रवासी श्रमिकों व अन्य लोगों को राहत शिविरों में आश्रय के साथ ही भोजन, दवाएं, मोबाइल व निशुल्क वीडियो कॉल सुविधा मुहैया करना को कहा है। सभी जरूरी वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति के लिए गृह मंत्रालय ने देश के सभी गोदामों व वेयरहाउसों को लॉकडाउन से मुक्त करते हुए सभी प्रकार की वस्तुएं रखने की अनुमति दे दी है। साथ ही सभी राज्यों को निर्देशित किया है कि जरूरी वस्तुओं की निर्माण इकाइयों से जुड़े कर्मियों की आवाजाही में बाधा न आने दें।

कोरोना संक्रमण के चलते गृह मंत्रालय ने देश भर के राहत शिविरों में रह रहे प्रवासी मजदूरों को सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों के अनुसार हरेक जरूरी सुविधा मुहैया कराने को कहा है। इसके लिए मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को पत्र लिखा है। ध्यान रहे कि सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में कहा था कि देश भर में फंसे प्रवासी मजदूरों और अन्य लोगों को राहत शिविरों में रखा जाए और उन्हें वहां भोजन, स्वच्छ पेयजल और साफ-सुथरा माहौल दिया जाए। इन शिविरों में अपने घरों से दूर घबराए प्रवासी श्रमिकों को पर्याप्त चिकित्सकीय सुविधाओं के साथ उन्हें चिंता और भय से मुक्त करने के लिए धर्मगुरुओं और सामुदायिक नेताओं से उनकी काउंसिलिंग कराई जाए।

पुलिस और सामाजिक कार्यकर्ताओं की मदद ली जाए पेज>>4

# पाक ने तोड़ा संघर्ष विराम, भारत ने मारे चार सैनिक और कई आतंकी

▶ उड़ी से केरन तक पाक ने की भारी गोलाबारी, तीन नागरिकों की मौत

▶ पाक के ब्रिगेड एसएसजी यूनिट मुख्यालय, दो लांचिंग पैड समेत आठ इमारतों को भी पहुंचाया नुकसान

पुंछ जिले में रविवार को एलओसी पर गश्त करते भारतीय सेना के जवान। भारत ने पाकिस्तान की ओर से फायरिंग का मुंहतोड़ जवाब दिया। प्रेट्र

राज्य ब्यूरो, श्रीनगर

पाकिस्तानी सेना ने रविवार को उत्तरी कश्मीर के उड़ी से केरन तक भारतीय सैन्य ठिकानों और रिहायशी क्षेत्रों में भारी गोलाबारी की। इसमें आठ वर्षीय बच्चे सहित तीन लोगों की मौत हो गई और सात घायल हो गए। वहीं, पांच मकानों को भी क्षति पहुंची है। इसके बाद भारतीय सेना की जवाबी कार्रवाई में सरहद पार केल इलाके में स्थित पाक सेना के ब्रिगेड मुख्यालय, स्पेशल सिक्योरिटी ग्रुप यूनिट मुख्यालय और आतंकियों के दो लांचिंग पैड समेत आठ इमारतों को भारी नुकसान पहुंचा है। पाक सेना के एक अधिकारी समेत चार सैन्यकर्मी और कुछ आतंकियों के मारे जाने के साथ ही कई लोगों के घायल होने की सूचना भी है। अलबत्ता, सरहद पार हुए नुकसान की अधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। वहीं, पुंछ के चार सेक्टरों में पाक ने रविवार रात को फिर गोलाबारी की। इसमें भी एक व्यक्ति के घायल होने की सूचना है।

दोपहर को शुरू हुई गोलाबारी देर रात तक जारी थी। दोनों तरफ से एक-दूसरे के ठिकानों पर तोपखाने और मोर्टार से गोले दागे जा रहे थे। पूरे उत्तरी कश्मीर में सेना के सभी फील्ड कमांडरों को सचेत कर दिया गया था। इसके बाद ही सेना ने प्रशासन की मदद से अग्रिम बस्तियों में रहने वालों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया। इनमें अधिकांश ने सामुदायिक सुरक्षा बंकरों में शरण ली है। कइयों को स्कूलों और पंचायतघरों में ठहराया गया है।

**सेना ने पहले से थी तैयार :** पाक सेना ने दोपहर को कुपवाड़ा में एलओसी से सटे चौकीबल, केरन-करनाह सेक्टर में भारतीय ठिकानों पर गोलाबारी करने से पहले जिला बारामुला के अंतर्गत उड़ी सेक्टर में भी संघर्ष विराम का उल्लंघन किया। उड़ी में पाक सैनिकों ने दोपहर पौने एक बजे हथलंगा व चुरुंडा पर गोले बरसाए। भारतीय सेना ने 15 मिनट तक जवाब नहीं दिया, लेकिन जब गोलाबारी बढ़ने लगी तो भारत की ओर से जवाब दिया जाने लगा। हाजीपीर दर्रे के ऊपरी हिस्से में पाक सेना की लोन हट और लारी कलसी चौकियों को उड़ा दिया। उसके बाद उड़ी सेक्टर में पाक बंदूकें शांत हो गईं। लेकिन कुछ ही देर बाद पाक सेना ने कुपवाड़ा सेक्टर में चौकीबल, केरन और टंगडार में भारतीय ठिकानों पर गोलाबारी शुरू कर दी।

पाक को पहुंचा भारी नुकसान पेज>>12

**न्यूज गैलरी**

राज-नीति ▶ पृष्ठ 3

**मिड-डे मील पहुंचाने के लिए झोंकी ताकत**

नई दिल्ली: कोरोना के खतरे को देखते हुए देश भर के स्कूल भले ही बंद हैं, लेकिन इनमें पढ़ने वाले करीब 12 करोड़ बच्चों को मिड-डे मील मिलता रहेगा। केंद्र ने सभी राज्यों को कहा है कि तैयार खाना बच्चों तक पहुंचाया जाए।

बिजनेस ▶ पृष्ठ 10

**भारत की विकास दर में भारी गिरावट के आसार : वर्ल्ड बैंक**

वाशिंगटन : विश्व बैंक ने कहा है कि भारत की इकोनॉमी वर्ष 1991 के आर्थिक उदारीकरण के बाद की सबसे कम दर से विकास के कगार पर खड़ी है। चालू वित्त वर्ष में उसकी विकास दर बहुत अच्छी अवस्था में भी 2.8 फीसद से ऊपर नहीं जाएगी।

# योग और ध्यान से कोरोना मिटाने की तैयारी

**बड़ा कदम**

सरकार ने वैज्ञानिकों एवं योग विशेषज्ञों से मांगा प्रस्ताव, विज्ञान की कसौटी पर खरे पाए गए प्रस्तावों पर आगे होगा विचार

नई दिल्ली, प्रेट्र : कोरोना और इस तरह के अन्य वायरस से निपटने के लिए सरकार योग और ध्यान की शक्तियों को भी परखने की तैयारी कर रही है। इसके लिए वैज्ञानिकों, चिकित्सकों और योग व ध्यान के क्षेत्र में ख्याति प्राप्त अनुभवी लोगों से प्रस्ताव मांगा गया है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय के साइंस एंड टेक्नोलॉजी ऑफ योग एंड मेडिटेशन (सत्यम) प्रोग्राम के तहत यह प्रस्ताव आमंत्रित किया गया है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग की वेबसाइट पर इस संबंध में 'कॉल फॉर प्रपोजल' अपलोड किया गया है। इसके अनुसार, प्रस्ताव में योग व ध्यान की जिस प्रक्रिया का जिक्र होगा उसके लक्ष्य व उद्देश्य, उस पर उपलब्ध पुस्तकीय प्रमाण, उसकी प्रक्रिया, अनुमानित नतीजा, जरूरी बजट और उसे संचालित करने वाले संस्थान की जानकारी के साथ-साथ वहां के मुख्य प्रशिक्षक का बायोडाटा देना होगा। साथ ही उस संबंध में किसी विज्ञान पत्रिका में प्रकाशित शोध की जानकारी भी संलग्न करनी होगी। इसमें कहा गया है कि प्रस्ताव में इम्युनिटी बढ़ाने, श्वसन तंत्र को बेहतर करने और सांस से जुड़ी समस्याओं को ठीक करने में सक्षम प्रोजेक्ट की जानकारी होनी चाहिए। साथ ही आइसोलेशन, अनिश्चितता और सामान्य जीवनचर्या में आए बदलाव के कारण उपजी तनाव, अवसाद व व्यग्रता जैसी समस्याओं को दूर करने की दिशा में प्रभावी प्रक्रियाओं के लिए भी प्रस्ताव मांगा गया है।

इसमें कहा गया, 'इस पहल का लक्ष्य मौजूदा जटिल परिस्थिति में समाज की सहायता करना है। यह तत्काल जरूरत के लिए मांगा गया प्रस्ताव है, इसलिए प्रस्ताव छह से 12 महीने में पूरा हो जाना चाहिए।' विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के सचिव आशुतोष शर्मा ने बताया कि सत्यम एक कॉग्निटिव साइंस प्रोग्राम है। उन्होंने कहा, 'कोरोना के तीन पहलू हैं। ये हैं तनाव (चिंता एवं घर में बैठे होने के कारण), श्वसन तंत्र और इम्यून सिस्टम पर प्रभाव। प्रस्ताव में यह आवश्यक है कि योग या ध्यान की जिस प्रक्रिया के बारे में बताया जाए, उस पर वैज्ञानिक अध्ययन हुआ हो। कई बार हम जो करते हैं उससे कुछ नतीजे दिखाई देते हैं, लेकिन हमें वैज्ञानिक आधार पर उन्हें समझना होगा।' उन्होंने कहा कि चिकित्सकों, वैज्ञानिकों और प्रशिक्षणकर्ताओं को चाहिए कि साथ मिलकर लाइफ साइंस और बायो साइंस के मौजूदा माध्यमों के प्रयोग से यह समझने की दिशा में काम करें कि कोई प्रक्रिया प्रभावी है या नहीं। अगर प्रभावी है तो कितनी प्रभावी है और किन परिस्थितियों में इसका प्रभाव है।

▶ तनाव और अवसाद को दूर करने के लिए भी होगा योग का प्रयोग

प्रतीकात्मक फोटो

**आयुर्वेद से इलाज खोजने को टास्क फोर्स गठित**

श्रीपद येस्सो नाइक फाइल फोटो

आयुष राज्य मंत्री श्रीपद येस्सो नाइक ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना के इलाज की दिशा में आयुर्वेद और पारंपरिक दवाओं के प्रभाव के वैज्ञानिक अध्ययन के लिए टास्क फोर्स का गठन किया है। इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आइसीएमआर) जैसे संस्थानों के माध्यम से इन दवाओं की प्रामाणिकता परखी जाएगी। सरकार को ऐसे 2,000 प्रस्ताव मिले हैं, जिनमें से ज्यादातर को आइसीएमआर और अन्य शोध संस्थानों के पास परीक्षण के लिए भेजा गया है।

**37.2** डिग्री सेल्सियस अधिकतम तापमान रविवार को रहा राजधानी का। न्यूनतम तापमान 20.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। आज आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे, लेकिन बारिश होने की संभावना नहीं है।

www.jagran.com राष्ट्रीय संस्करण
दैनिक जागरण
सोमवार 13 अप्रैल 2020

## कोरोना मीटर

दिल्ली-एनसीआर

| | ताजा मामले | एक दिन पूर्व के नए मामले | कुल मामलों की स्थिति: कुल मामले | मौतें | स्वस्थ हुए | एक सप्ताह पहले की स्थिति: कुल मामले | मौतें | स्वस्थ हुए | साप्ताहिक वृद्धि दर (% में): कुल मामले | मौतें | स्वस्थ हुए |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| गाजियाबाद | 01 | 03 | 31 | 0 | 03 | 24 | 0 | 03 | 29.16 | 0 | 0 |
| गौतमबुद्ध नगर | 0 | 0 | 64 | 0 | 13 | 58 | 0 | 10 | 10.34 | 0 | 30 |
| दिल्ली | 85 | 166 | 1154 | 24 | 27 | 503 | 07 | 18 | 129.42 | 70.83 | 50 |
| फरीदाबाद | 0 | 0 | 31 | 00 | 03 | 14 | 0 | 01 | 110 | 0 | 10 |
| गुरुग्राम | 0 | 02 | 38 | 01 | 17 | 22 | 01 | 17 | 129 | 01 | 17 |

## बिना मास्क लगाए बाहर निकलीं उरुग्वे दूतावास की अधिकारी

**जासं, नई दिल्ली :** राजधानी में बिना मास्क लगाए बाहर निकलने पर मनाही है। इसके बावजूद कानून-कायदे को ताक पर रखते हुए शनिवार शाम उरुग्वे दूतावास में तैनात महिला अधिकारी बिना मास्क पहने ही सड़क निकल पड़ीं। जब पुलिस ने उन्हें रोका तो उल्टे ही वह बहस पर उतारू हो गईं। इस दौरान स्थानीय आरडब्ल्यूए के लोगों ने उनका वीडियो बना लिया, जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। काफी देर बाद पुलिस ने उन्हें वापस भेजा।

# रेड-ऑरेंज जोन में सैनिटाइजेशन अभियान आज से

**तैयारी** ▶ मुख्यमंत्री केजरीवाल बोले, कुछ और एरिया को एक-दो दिन में कंटेनमेंट जोन घोषित किया जाएगा

### 10 हाईटेक जापानी मशीन समेत कुल 60 मशीनों का इस्तेमाल होगा

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली**

राजधानी दिल्ली से कोरोना वायरस के सफाए के लिए केजरीवाल सरकार पूरी ताकत के साथ उतरने जा रही है। सोमवार से राजधानी में बड़े स्तर पर सैनिटाइजेशन का अभियान चलाया जाएगा।

डिजिटल प्रेसवार्ता में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली में घोषित किए गए सभी कंटेनमेंट जोन (रेड जोन) एरिया को सैनिटाइज किया जाएगा। साथ ही चिह्नित हाईरिस्क जोन (ऑरेंज जोन) को भी सैनिटाइज किया जाएगा। हाईरिस्क वैसे क्षेत्र हैं जहां कोरोना संक्रमण का ज्यादा खतरा है। खासकर हॉटस्पॉट के आसपास के इलाके। इसमें 10 हाईटेक जापानी मशीन समेत कुल 60 मशीनों का इस्तेमाल होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली में कोरोना मरीजों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर कुछ और एरिया को एक-दो दिन में कंटेनमेंट जोन घोषित करने जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सैनिटाइजेशन के लिए पीआइ इंडस्ट्रीज ने दिल्ली सरकार को 10 हाईटेक जापानी मशीनें दी हैं। एक मशीन 20 हजार वर्ग मीटर प्रति घंटे के हिसाब से सैनिटाइज करती है। उन्होंने कहा कि पीआइ इंडस्ट्रीज का नाम लेना इसलिए आवश्यक है, क्योंकि इस कंपनी ने सरकार को मुफ्त में मशीनें दी हैं। हम इनका शुक्रिया अदा करना चाहते हैं। इसके अलावा हम दिल्ली जल बोर्ड की 50 मशीनों का भी सैनिटाइजेशन में इस्तेमाल करेंगे। इस तरह हम सोमवार से 60 मशीनों के जरिये दिल्ली के रेड जोन और हाई रिस्क जोन के अंदर सैनिटाइजेशन अभियान का वृहद कार्यक्रम शुरू करेंगे।

**बगैर राशन कार्ड 23 लाख लोगों को मुफ्त राशन दिया जाएगा :** गरीबों के समस्या को देखते हुए 23 लाख लोगों को राशन दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम किसी को भूखा नही सोने देंगे। कोरोना के बढ़ते मामलों को लेकर सरकार बेहद चिंतित है और इसे काबू में करने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं। हमने दिल्ली में कोविड-19 के और कई कंटेनमेंट जोन की पहचान की है। उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों में दिल्ली में कोरोना संक्रमण के मामले काफी तेजी से बढ़े हैं। इन्हें नियंत्रित करने के लिए सभी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं।

**कंटेनमेंट जोन की संख्या बढ़ाई जाएगी :** मुख्यमंत्री ने कहा कि 2-3 दिनों में कंटेनमेंट जोन की संख्या बढ़ाई जाएगी। इसके अलावा, हम रेड जोन या कंटेनमेंट जोन में एक बड़े पैमाने पर सैनिटाइजेशन करने जा रहे हैं। दिलशाद गार्डन में सफल हो चुका ऑपरेशन शील्ड अभियान भी सभी हॉट स्पॉट में चलाया जाएगा।

**नहीं चाहते अमेरिका जैसे हो दिल्ली के हालात:** केजरीवाल ने कहा, हम नहीं चाहते कि दिल्ली का अमेरिका जैसा हाल हो। उन्होंने कहा कि जिस इलाके से एक भी कोरोना का मरीज मिलता है उसे सील करने का काम किया जा रहा है। हर हाल कोरोना को हराकर यह जंग दिल्लावासियों के साथ मिलकर जीतनी है।

डिजिटल पत्रकार वार्ता करते मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल। सौ : दिल्ली सरकार

### हॉटस्पॉट इलाकों में सभी की हो रही स्क्रीनिंग : सत्येंद्र जैन

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली :** कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन ने रविवार को कहा कि हॉटस्पॉट इलाकों में सभी की स्क्रीनिंग की जा रही है। यदि कोई व्यक्ति थोड़ा सा भी बीमार है तो उसकी जांच की जा रही है। दिल्ली के हेल्थ बुलेटिन में मरकज श्रेणी में मिलने वाले कोरोना के मामलों को बदलकर अंडर एक्सप्रेशन ऑपरेशन श्रेणी में शामिल करने संबंधी एक सवाल के जवाब में जैन ने कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह कोई एक मरकज से जुड़ा मामला नहीं था, बल्कि कई जगह के अन्य मामले भी इसमें आ रहे थे इसलिए ऐसा किया गया।

### सील की गई कॉलोनियों को सैनिटाइज करें : मुख्य सचिव

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली :** मुख्य सचिव विजय देव ने कोरोना को लेकर सील की गई कॉलोनियों में बड़े स्तर पर सैनिटाइजेशन का कार्य शुरू करने का आदेश दिया है। उन्होंने आदेश में तीनों नगर निगम, नई दिल्ली नगरपालिका परिषद, छावनी बोर्ड को कहा है कि इन सभी कॉलोनियों में सैनिटाइजेशन का कार्य शुरू किया जाए। इन कॉलोनियों की आरडब्ल्यूए से जानकारी जुटाकर ब्लॉक, सेक्टर में हर गली को चिह्नित कर प्रभावी ढंग से सैनिटाइजेशन किया जाए। मुख्य सचिव ने सभी जिला अधिकारियों को भी सील की गई कॉलोनियों पर पूरी तरह से नजर रखने के लिए कहा है। साथ ही इन कॉलोनीवासियों को शांत रहने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि ये सभी नियम कोरोना के फैलाव को नियंत्रित करने के लिए किए जा रहे हैं। साथ ही मुख्य सचिव ने खाद्य विभाग के अधिकारियों से इन कॉलोनियों में सभी आवश्यक सामान मुहैया कराने कहा है। सामान की आपूर्ति प्रशासन की देखरेख में की जाएगी।

## संक्रमण से सहमीं गुलजार रहने वाली गलियां

**नेमिष हेमंत, नई दिल्ली**

वैश्विक महामारी कोरोना जिस तरह से दिल्ली में पैर पसार रही है, उससे पुरानी दिल्ली की गुलजार रहने वाली गलियां भी अब सहमी हुई दिख रही हैं। दूसरी तरफ 29 इलाके सील होने से इन क्षेत्रों में लोगों को दवा और अन्य जरूरी सामान की चिंता भी सताने लगी है।

दरअसल, निजामुद्दीन स्थित तब्लीगी मरकज में आए कई जमाती इन क्षेत्रों में छिप गए थे। इसकी वजह से तुर्कमान गेट से लेकर सदर बाजार तक लोग कोरोना वायरस के खतरे से आशंकित दिख रहे हैं। सैकड़ों वर्ष पुरानी बसावट वाली पुरानी दिल्ली को तंग गलियों और घनी आबादी के लिए जाना जाता है। ऐसे में करीब साठ संक्रमित इस क्षेत्र में मिलने के बाद लोगों में तेजी से संक्रमण होने का खतरा है। हालांकि, प्रशासन ने एहतियात के तहत आवाजाही पर प्रतिबंध लगाकर संक्रमितों की पहचान करना शुरू कर दिया है।

इस क्षेत्र के बुद्धिजीवियों का कहना है कि अभी भी बहुत सारे लोग खासकर कम पढ़े-लिखे युवा मामले की गंभीरता को नहीं समझ रहे हैं और घरों से बाहर निकल रहे हैं। उनके मुताबिक पुलिस के आने पर वे घरों में चले जाते हैं फिर थोड़ी देर में निकल आते हैं। यह स्थिति चिंताजनक है। चिंता की स्थिति देशबंधु गुप्ता रोड, सदर बाजार, लाल कुआं, सराय रोहिल्ला, ईदगाह, नबी करीम व चांदनी महल जैसे इलाकों में है। यहीं से कोरोना के मरीज निकले हैं।

**इलाके सील, बढ़ी लोगों की मुश्किलें :** चांदनी महल देशबंधु गुप्ता रोड समेत कई इलाकों की कई गलियां कोरोना के मरीज मिलने के कारण सील कर दी गई हैं। हालांकि इससे यहां रहने वाले लोगों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। पटौदी हाउस निवासी सुमेर ने कहा कि उनकी मां को दवाइयों की जरूरत है पर पुलिस उन्हें बाहर नहीं जाने दे रही है। उन तक दवाइयां कैसे आएंगी। इस बारे में भी कोई कुछ नहीं बता रहा है। इसी तरह सबीना ने कहा कि हेल्पलाइन नंबर और घरों तक आवश्यक चीजें पहुंचाने की बात थी, लेकिन यह कहीं नजर नहीं आता।

**सील में कैसे गुजरेंगे रमजान :** पुरानी दिल्ली के लोगों की बड़ी चिंता यह भी है कि कुछ दिनों बाद रमजान का महीना शुरू हो रहा है। अचानक पुरानी दिल्ली में कोरोना के मामलों में उछाल आया है। इसके चलते गलियों को सील करने की कार्यवाही हो रही है। उसमें लोग इस बात से चिंतित हैं कि वे कैसे रमजान में रोजा रख पाएंगे। रमजान का महीना 23 अप्रैल से शुरू हो रहा है।

## न्यूज गैलरी

### हिंदूराव में प्रवेश से पहले ही होगा सैनिटाइजेशन

**नई दिल्ली :** कोरोना का संक्रमण रोकने के लिए उत्तरी दिल्ली नगर निगम ने अपने सबसे बड़े अस्पताल हिंदूराव में सैनिटाइज करने का गेट बनाया है। इसके जरिये न केवल अस्पताल में जाने वाला व्यक्ति सैनिटाइज हो जाएगा, बल्कि जो वाहन निकलेगा वह भी सैनिटाइज हो जाएगा। इस गेट का उद्घाटन उत्तरी दिल्ली के महापौर अवतार सिंह व स्थायी समिति के अध्यक्ष जय प्रकाश ने किया। महापौर ने बताया कि फिलहाल अस्पताल का यही एक गेट खुला रहेगा, ताकि सभी लोग इधर से गुजरें और उन पर बारीक संक्रमणरोधी दवा का छिड़काव हो सके। इस महामारी की स्थिति में उत्तरी दिल्ली नगर निगम के लिए गेट सबसे बड़ी उपलब्धि है। कहा कि इस मार्ग से जाने वाले हर व्यक्ति और वाहन को संक्रमण मुक्त किया जाएगा। स्थायी समिति के अध्यक्ष जय प्रकाश ने कहा कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम कोरोना को रोकने के लिए सभी उपाय कर रहा है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस जैसी वैश्विक स्वास्थ्य आपदा से निपटने के लिए हम सभी को धैर्य रखना होगा। (जासं)

### कोरोना संदिग्ध ने सातवीं मंजिल से कूदकर दी जान

**ग्रेटर नोएडा :** नॉलेज पार्क स्थित कॉलेज के हास्टल को जिला प्रशासन ने क्वारंटाइन सेंटर बनाया है। सेंटर में भर्ती एक व्यक्ति ने रविवार शाम को हास्टल की सातवीं मंजिल से छलांग लगा दी। तैनात कर्मचारियों ने घटना की सूचना पुलिस व प्रशासन को दी। घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई। प्रशासन ने कॉलेज के हास्टल को भी टेकओवर किया था। जिन लोगों में कोरोना वायरस के संक्रमण की आशंका होती है, उन्हें हास्टल के कमरे में रखा जाता है। हास्टल में क्वारंटाइन किए गए संदिग्ध का नमूना जांच के लिए भेजा गया था। सूत्रों की मानें तो अभी रिपोर्ट नहीं आई थी। रविवार शाम को संदिग्ध काफी परेशान था। शाम को लगभग साढ़े सात बजे उसने सातवीं मंजिल से छलांग लगा दी। (जासं)

## चरक पालिका अस्पताल में शुरू हुआ राजधानी का पहला फ्लू कॉर्नर

- इसमें बैठने वाले स्टाफ को नहीं होगी पीपीई किट की जरूरत
- बिना मरीज के संपर्क में आए स्वास्थ्यकर्मी ले सकेंगे सैंपल

चरक पालिका अस्पताल में कोराना के मरीजों के सैंपल लेने के लिए तैयार किया गया फ्लू कॉर्नर। सौ. एनडीएमसी

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

नई दिल्ली नगर पालिका परिषद ने अपने मोती बाग स्थित चरक पालिक अस्पताल में दिल्ली का पहला फ्लू कॉर्नर खोला है। इससे न केवल व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण (पीपीई) किट की बचत होगी, बल्कि अस्पताल का स्टाफ बिना मरीज के संपर्क में आए उसका सैंपल ले सकेगा।

एनडीएमसी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यह फ्लू कॉर्नर 24 घंटे सातों दिन कार्य करेगा। इसका डिजाइन इस तरह किया गया है कि मरीज बिना चिकित्सा स्टाफ के संपर्क में आए ही अपना सैंपल दे सकता है। इसमें ग्लास लगे हैं, जिससे मरीज और अंदर बैठा स्टाफ एक दूसरे को देख सकते हैं और माइक्रोफोन की सुविधा से दोनों बात भी कर सकते हैं। इसमें थर्मल स्कैनर भी उपलब्ध कराया है। इसमें डॉक्टर द्वारा सुझाए गए मरीज अपना सैंपल दे सकेंगे। इस फ्लू कॉर्नर पर एक सीसीटीवी कैमरा लगाया गया है जो स्मार्ट सिटी मिशन के तहत सेंट्रल कंट्रोल एंड कमांड सेंटर से भी जुड़ा है।

## शीशगंज गुरुद्वारे में एकत्रित होकर कर रहे थे कीर्तन, केस दर्ज

**जासं, नई दिल्ली :** कोरोना संक्रमण को देखते हुए देशभर में धार्मिक और अन्य सभी तरह के आयोजनों पर रोक लगा हुआ है। इसके बावजूद शनिवार देर रात चांदनी चौक स्थित शीशगंज साहिब गुरुद्वारे में नौवें गुरु तेग बहादुर के प्रकाश पर्व पर संगत सिख एकत्रित हुए व बिना मास्क लगाए कीर्तन कर रहे थे।

कोतवाली थाना पुलिस ने गुरुद्वारा प्रबंधन के खिलाफ सरकारी आदेश का पालन नहीं करने आदि में मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस ने इस मामले में मौके से आठ संगत को गिरफ्तार भी किया है, जिन्हें बाद में जमानत पर छोड़ भी दिया गया। पुलिस अधिकारी के मुताबिक कोतवाली थाने में तैनात एसआइ अंजनी कुछ पुलिसकर्मियों के साथ शनिवार देर रात 2.15 बजे चांदनी चौक इलाके में गश्त कर रहे थे। उन्होंने पाया कि गुरुद्वारा शीशगंज साहिब में बड़ी संख्या में संगत एकत्रित हैं। उन्होंने मास्क भी नहीं लगाया हुआ था।

## सब्जी और फल मंडियों की ड्रोन से हो रही निगरानी

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

सब्जी और फल मंडी में लोगों की बढ़ती संख्या को देखते हुए वहां शारीरिक दूरी के नियम का पालन कराने के लिए दिल्ली पुलिस ड्रोन से निगरानी कर रही है। पुलिसकर्मियों की ड्यूटी भी दो शिफ्ट में लगाई जा रही है। सभी लोगों के लिए मास्क अनिवार्य किया गया है। जिस परिवार से दो लोग मंडी में पहुंच रहे हैं, उनमें से सिर्फ एक को मंडी में जाने की अनुमति दी जा रही है। इसके अलावा लगातार अनाउंसमेंट करके लोगों को शारीरिक दूरी बनाए रखने की अपील भी की जा रही है। वहीं, थोक मंडी से छोटे दुकानदारों के सामान लेकर निकलने तक पुलिस तैनात रह रही है।

दिल्ली पुलिस के प्रवक्ता मंदीप सिंह रंधावा ने बताया कि आजादपुर, गाजीपुर, ओखला और महरौली की मंडी में ड्रोन से निगरानी का कार्य शुरू कर दिया गया है। मंडी प्रबंधन और दिल्ली सरकार के साथ मिलकर पुलिस वहां पर शारीरिक दूरी के नियम को भी कड़ाई से लागू करा रही है। जगह की कमी को देखते हुए महरौली की मंडी को बस स्टॉप के पास शिफ्ट किया गया है, जिससे लोग शारीरिक दूरी का पालन कर सकें और फल व सब्जी खरीदने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। एक मंडी में 12-12 पुलिसकर्मियों की ड्यूटी दो शिफ्ट में लगाई जा रही है। दोपहर में 12 बजे से चार बजे तक, जिस समय मंडी में सबसे कम लोग होते हैं, उस समय भी पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लोगों की संख्या के हिसाब से लगाई जा रही है। आम लोगों के वाहनों को मंडी परिसर में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है। सिर्फ सब्जी व फल लेकर आने वाले बड़े वाहनों को ही मंडी में प्रवेश दिया जा रहा है। जिस परिवार के दो लोग मंडी में पहुंच रहे हैं, उनमें से भी सिर्फ एक को मंडी परिसर में जाने की अनुमति है।

## डॉक्टरों-नर्सों को विशेष भत्ता मिले : कांग्रेस

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली :** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अनिल चौधरी ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखकर दिल्ली में अपनी जान की परवाह न करते हुए कोरोना से लड़ाई लड़ रहे डॉक्टरों, नर्सों, पैरा मेडिकल स्टाफ और सफाई कर्मचारियों को विशेष (इमरजेंसी) भत्ता देने की मांग की है। साथ ही उन्होंने इस पत्र में कुछ अन्य सुझाव भी दिए हैं।

रविवार को लिखे गए इस पत्र के बारे में चौधरी ने बताया कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी की ओर से दो बार पहले भी मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व उपराज्यपाल अनिल बैजल को पत्र लिखा गया है, लेकिन कहीं से कोई जवाब नहीं मिला। इसलिए अब हमने केजरीवाल को पत्र लिखा है। चौधरी ने कहा कि दिल्ली में यदि कोरोना वायरस बड़े स्तर पर फैलता है तो दिल्ली संभाली नहीं जा सकेगी। दिल्ली सरकार की तैयारियां कितनी लचर हैं इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दिल्ली कैंसर हॉस्पिटल का 18 मेडिकल स्टाफ कोरोना पॉजिटिव पाया गया।

# पुलिस ने मदद में किया दिन-रात एक

- पुलिस ने रविवार को हेल्पलाइन पर फोन करने वाले 771 लोगों की मदद की
- करीब दो लाख 93 हजार लोगों को कराया गया 250 स्थानों पर भोजन

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली**

लॉकडाउन में दिल्ली पुलिस बेवजह बाहर निकलने वालों के खिलाफ सख्ती बरत रही है। वहीं, लॉकडाउन में कोई बिना भोजन खाली पेट न सोए, इसलिए उसने दिन-रात एक किया हुआ है और जरूरतमंदों को मदद पहुंचा रही है। पुलिस द्वारा रविवार को विभिन्न जिलों में करीब दो लाख 93 हजार से अधिक लोगों को 250 जगहों पर भोजन उपलब्ध कराया। इसके लिए 15 जिलों में 400 एनजीओ का सहयोग लिया जा रहा है।

रविवार को दिल्ली पुलिस की हेल्पलाइन पर 771 कॉल आईं। इनमें से पैसे और खाना न होने से संबंधित 25 कॉल आईं। इन परिवारों को एनजीओ की मदद से राशन उपलब्ध कराया गया है। चार कॉल स्वास्थ्य सेवा के संबंध में थीं और 555 कॉल मूवमेंट पास से संबंधित थीं। हेल्पलाइन में 60 कॉल दिल्ली से बाहर से आईं। इन्हें संबंधित राज्यों की हेल्पलाइन नंबरों पर डायवर्ट किया गया।

दिल्ली पुलिस के अतिरिक्त जन संपर्क अधिकारी एसीपी अनिल मित्तल के मुताबिक प्रत्येक थाना क्षेत्र में सड़क पर रहने वाले, रिक्शा चालक व बेघर लोगों के लिए खाने की व्यवस्था की जा रही है। इसके लिए दिल्ली पुलिस ने 15 जिलों में 250 केंद्र बनाए हैं, जहां दोपहर और रात का भोजन लोगों को बांटा जा रहा है। इस दौरान शारीरिक दूरी का विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके अलावा लोगों को कोरोना वायरस से बचने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है। राजधानी के 15 जिलों में रविवार को करीब दो लाख 93 हजार से अधिक लोगों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई। वहीं कुछ एनजीओ व कंपनियों की मदद से जरूरतमंद लोगों के घरों तक राशन पहुंचाने की व्यवस्था भी की जा रही है, जिससे लोग घरों में रहे और कोरोना वायरस के संक्रमण की चपेट में आने से बच सकें।

### लॉकडाउन के उल्लंघन पर 278 लोगों के खिलाफ केस

**जागरण संवाददाता, नई दिल्ली :** लॉकडाउन का उल्लंघन करने पर पुलिस ने रविवार को 278 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इसके अलावा घरों से बिना मास्क लगाए बाहर निकलने वाले 121 लोगों के खिलाफ भी सरकारी आदेश का पालन न करने की धारा में मुकदमा दर्ज किया गया है। उन्हें चेतावनी दी गई है कि वे दोबारा बिना मास्क पहने घरों से बाहर न निकलें।

## कोरोना वायरस से ये लोग कैसे बचेंगे...

कोरोना के संक्रमण से बचने के लिए लोगों से घरों में ही रहने, बार-बार हाथ धोने जैसी अपील के बीच एक वर्ग ऐसा भी है जिसके लिए राजधानी दिल्ली में यमुना नदी के ऊपर बना पुल ही छत है। चारों तरफ फैले कचरे और बदबू के बीच इन लोगों के लिए ऐसी अपीलों के न जाने क्या मायने हैं। प्रेट्र

# लॉकडाउन के अध्ययन से प्रदूषण नियंत्रण की निकलेगी राह

**तैयारी**

सीपीसीबी, डीपीसीसी और सीएसई सहित अनेक स्तरों पर हो रहा आकलन, इन्हीं रिपोर्ट के आधार पर भविष्य के लिए योजनाएं तैयार करेगा ईपीसीए

**संजीव गुप्ता, नई दिल्ली**

इन दिनों हवा एकदम साफ हो गई है, लॉकडाउन खुलने के बाद भी इस समय का अध्ययन भविष्य में प्रदूषण नियंत्रण की राह तैयार करेगा। करीब तीन सप्ताह से चल रहे लॉकडाउन से दिल्ली-एनसीआर के पर्यावरण में व्यापक स्तर पर बदलाव देखने को मिला है। पेट्रोल और डीजल चालित वाहन बंद होने से हवा की गुणवत्ता ही नहीं सुधरी, बल्कि औद्योगिक इकाइयां बंद होने से यमुना का पानी भी काफी साफ दिखाई दे रहा है। हर स्तर के आयोजन बंद होने और जनता के भी घरों में ही रहने के कारण ध्वनि प्रदूषण के स्तर तक में खासी गिरावट दर्ज की गई है। इस बदलाव पर तमाम अध्ययन भी किए जा रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित पर्यावरण प्रदूषण नियंत्रण एवं संरक्षण प्राधिकरण (ईपीसीए) ने दिल्ली-एनसीआर के लिए केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी), दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) और सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरमेंट (सीएसई) से लॉकडाउन की अवधि में हुए पर्यावरण सुधार पर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने को कहा है। ज्ञात हो कि यमुना मॉनिटरिंग समिति पहले ही यमुना को लेकर सीपीसीबी से अध्ययन रिपोर्ट तैयार करने को कह चुकी है। ईपीसीए स्वयं भी इन दिनों पर्यावरण संरक्षण के हर पहलू पर निगाह रखे हुए है। नीला आसमान, पक्षियों की चहचहाहट और वातावरण से धूल का आवरण हटना हर स्तर पर विचारणीय बना हुआ है। बताया जाता है कि भविष्य में दिल्ली-एनसीआर के पर्यावरण सुधार से जुड़ी सभी अध्ययन रिपोर्ट को आधार बना कर ही पर्यावरण संरक्षण की कार्ययोजनाएं तैयार की जाएंगी।

लॉकडाउन के दौरान यह स्पष्ट हो गया है कि निजी वाहनों की संख्या कम करने, सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा देने, औद्योगिक इकाइयों के प्रदूषण समेत विभिन्न स्तरों पर अंकुश लगाने से किस हद तक वायु, ध्वनि और जल प्रदूषण को कम किया जा सकता है। इसलिए भविष्य में इस दिशा में जो भी योजनाएं तैयार होंगी, उनमें लॉकडाउन के अनुभव का भी समावेश रहेगा। यह भी संभव है कि हालात सामान्य होने पर भी अनेक स्तरों पर नियम-कायदों के साथ थोड़ा अंकुश बरकरार रखा जाए।

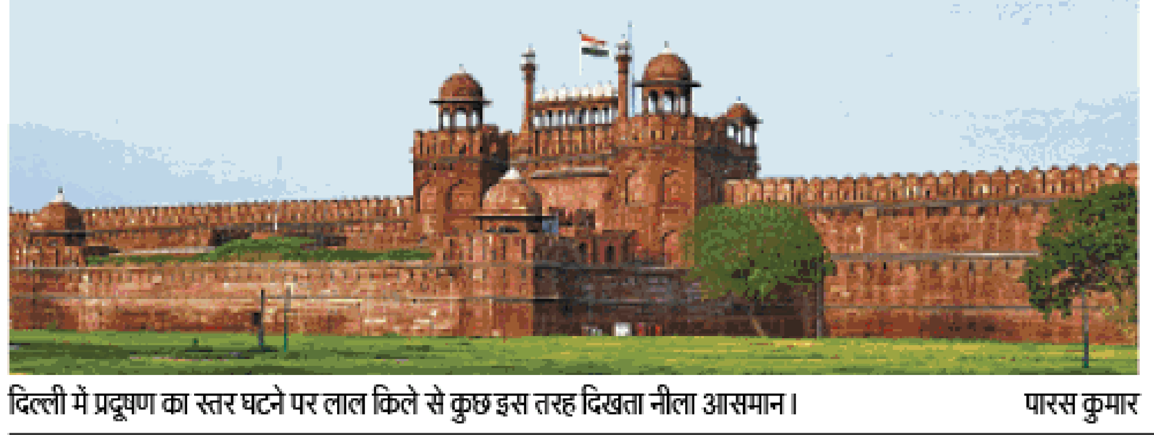

दिल्ली में प्रदूषण का स्तर घटने पर लाल किले से कुछ इस तरह दिखता नीला आसमान। पारस कुमार

> पर्यावरण की दृष्टि से लॉकडाउन के नतीजे उत्साहवर्धक रहे हैं, इसलिए हमने इस पर अध्ययन रिपोर्ट तैयार करने को कहा है। इन रिपोर्ट के आधार पर दिल्ली-एनसीआर के पूरे परिदृश्य पर नए सिरे से विचार ही नहीं होगा बल्कि यहां की स्थिति में सुधार के लिए कार्ययोजना भी तैयार की जाएगी।
> -भूरेलाल, अध्यक्ष, ईपीसीए

## दिल्ली-एनसीआर में महसूस किए गए भूकंप के झटके

- तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5, गहराई जमीन के भीतर आठ किमी मापी गई
- भूकंप के लिहाज से दिल्ली सिस्मिक जोन चार में आती है

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली :** कोरोना की दहशत के बीच रविवार शाम दिल्ली-एनसीआर में चंद सेकेंड के लिए भूकंप के झटके महसूस किए गए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के निदेशक (ऑपरेशन) जेएल गौतम के मुताबिक उत्तर-पूर्वी दिल्ली का वजीराबाद भूकंप का अधिकेंद्र था। इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.5, जबकि गहराई जमीन के भीतर आठ किलोमीटर मापी गई। यह झटके शाम 5 बजकर 45 मिनट के लगभग महसूस हुए। भूकंप के झटके दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा और फरीदाबाद में महसूस किए हुए। हालांकि इससे किसी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है।

भूकंप के झटकों से धरती कुछ सेकेंड तक कांपती रही। इससे लोग दहशत में आ गए। लॉकडाउन की वजह से घरों में बंद लोग भूकंप के झटकों से घबराकर बाहर निकलते दिखे। उल्लेखनीय है कि भूकंप के लिहाज से दिल्ली सिस्मिक जोन चार में आती है। दिल्ली में अधिकेंद्र वाले भूकंप इससे पूर्व 2004 और 2001 में भी आए थे। 2004 में जहां इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.8 थी। वहीं, 2001 में 3.4 रिकॉर्ड की गई थी। भूकंप के झटकों पर दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल और उप मुख्यमंत्री सिसोदिया ने ट्वीट भी किए। केजरीवाल ने कहा कि उम्मीद है कि सभी सुरक्षित हैं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि हर कोई सुरक्षित रहे। वहीं सिसोदिया ने ट्वीट किया- कोरोना कम था जो भूकंप भी मचा दिया.... क्या मन है देवा?

**26** अप्रैल को देशभर में एक साथ होने वाली सेना भर्ती की लिखित परीक्षा कोरोना के चलते स्थगित हो गई है। रक्षा मंत्रालय ने सभी जोनल भर्ती मुख्यालयों के एडीजी व अन्य सैन्य अधिकारियों की वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये आयोजित बैठक में लिखित परीक्षा 31 मई को कराने का आदेश दिया है।



# मिड–डे मील पहुंचाने को झोंकी ताकत

**निर्देश जारी** ▸ राज्यों को जरूरी व्यवस्था कर भोजन या खाद्यान्न मुहैया करना होगा

### बिहार, हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ जैसे 10 राज्यों ने वितरण की दी जानकारी

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

प्रतीकात्मक फोटो

कोरोना के खतरे को देखते हुए देश भर के स्कूल भले ही बंद हैं, लेकिन इनमें पढ़ने वाले करीब 12 करोड़ बच्चों को मिड-डे मील मिलता रहेगा। केंद्र ने सभी राज्यों को कहा है कि तैयार खाना बच्चों तक पहुंचाया जाए। लेकिन अगर समस्या है, तो वह उन्हें कुकिंग कॉस्ट के साथ खाद्यान्न या फिर पोषण भत्ता देने जैसे उपाय भी कर सकते हैं।

केंद्र ने राज्यों को यह निर्देश उस समय दिया है, जब कोरोना के इस संक्रमण काल में कई राज्यों से बच्चों तक मिड-डे मील नहीं पहुंचने की खबरें मिल रही थीं। इस पर केंद्र सरकार ने ऐसे सभी राज्यों से तुरंत जरूरी व्यवस्थाएं करने को कहा है। केंद्र की पड़ताल में जिन राज्यों ने बच्चों तक मिड-डे मील पहुंचाने की जानकारी दी है, उनमें हरियाणा, बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा, कर्नाटक और केरल जैसे राज्य शामिल हैं। हालांकि, इनमें से किसी भी राज्य ने बच्चों तक तैयार भोजन नहीं पहुंचाया है। इनमें से ज्यादातर राज्यों ने खाद्यान्न और कुकिंग कॉस्ट उन्हें दिया है। वहीं बिहार ने खाद्यान्न और कुकिंग कॉस्ट के लिए बच्चों तक सीधे कैश ट्रांसफर किया है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक वह राज्यों के साथ ही लगातार इसकी निगरानी कर रहे हैं। वैसे इसको लेकर सुप्रीम कोर्ट में भी एक याचिका लंबित है। इस पर मार्च के अंत में सुनवाई होनी थी, लेकिन लॉकडाउन के चलते वह नहीं हो पाई। ऐसे में लॉकडाउन खत्म होने के बाद सुप्रीम कोर्ट इस मामले को प्राथमिकता से सुन सकता है, जिसमें मिड-डे मील नहीं पहुंचा पाने वाले राज्यों को जबाव देना पड़ सकता है।

राज्यों की ओर से गर्मी की छुट्टियों के दौरान भी मिड-डे मील योजना को चालू रखने की मांग की जा रही है। हालांकि गर्मी की छुट्टियों में स्कूलों के बंद होने पर मिड-डे मील योजना भी बंद रहती है। इसे अभी सिर्फ सूखे जैसी स्थिति में चालू रखने का प्रावधान है।

## वायरस से मुकाबले में कारगर होगी 'युक्ति' : निशंक

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

▸ एक पोर्टल से मंत्रालय की सभी गतिविधियों की होगी निगरानी

रमेश पोखरियाल निशंक। फाइल

कोरोना वायरस से जिस तरह से पूरा देश एकजुट होकर मुकाबला कर रहा है, ठीक उसी तरह मानव संसाधन विकास मंत्रालय ने भी इस संकट की चुनौतियों से संगठित होकर मुकाबला करने की युक्ति (यंग इंडिया कॉमबैटिंग कोविड विथ नॉलेज, टेक्नोलॉजी एंड इनोवेशन) खोजी है। यानि मंत्रालय से जुड़ी सारी गतिविधियों का संचालन और निगरानी अब इसी युक्ति पोर्टल के जरिये ही की जाएगी।

मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने रविवार को इस पोर्टल को लांच किया और कहा कि यह पोर्टल कोरोना वायरस की वजह से शैक्षणिक क्षेत्र के सामने आ रही चुनौतियों को समग्र तरीके से सामने रखेगा। साथ ही मंत्रालय की ओर से इससे निपटने के लिए किए गए प्रयास शैक्षणिक संस्थानों और छात्रों के लिए कितने उपयोगी साबित हुए, इसकी भी पूरी जानकारी इस पर मिलेगी।

मंत्रालय के मुताबिक इस पोर्टल से सभी शैक्षणिक संस्थानों को जोड़ा जाएगा। साथ ही इसके जरिये वह सीधे अपने सुझाव भी दे सकेंगे। इसके साथ ही कोरोना वायरस महामारी के संकट काल में छात्र भी इस पर अपनी समस्याओं को रख सकेंगे। खासकर प्लेसमेंट जैसी समस्याओं पर मंत्रालय की ओर से पूरी मदद की जाएगी। इस पोर्टल के माध्यम से स्कूल-कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के पठन-पाठन पर भी नजर रखी जा सकेगी। कोरोना वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए मंत्रालय फिलहाल ऑनलाइन शिक्षा को बढ़ावा देने में जुटा हुआ है।

## राहुल ने कहा–भारतीय उद्योगों पर न हो विदेशी कब्जा

राहुल गांधी फाइल फोटो

नई दिल्ली, प्रेट्र : कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को कहा कि आर्थिक मंदी के कारण भारतीय उद्योग जगत कमजोर हो गया है। ऐसी स्थिति में सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि किसी कॉरपोरेट समूह पर विदेशी हितों का कब्जा न होने पाए। राहुल ने यह चिंता इन खबरों के संदर्भ में व्यक्त की जिनमें दावा किया गया है कि स्टॉक मार्केट में बदहाली के चलते भारतीय कंपनियों के शेयर विदेशी संस्थानों ने खरीदे हैं।

राहुल ने ट्विटर पर लिखा है कि आर्थिक गतिविधियां ठप हो जाने के कारण भारतीय उद्योग टेकओवर के लिए आसान शिकार में तब्दील हो गए हैं। ऐसे में सरकार को सुनिश्चित करना चाहिए कि संकट के इस दौर में विदेशी हित भारतीय उद्योगों में प्रभावी न होने पाएं।

**कांग्रेस ने पूछा सरकार विदेश में फंसे छात्रों की मदद क्यों नहीं कर रही :** कांग्रेस प्रवक्ता जयवीर शेरगिल ने रविवार को केंद्र से सवाल किया कि विदेश में फंसे भारतीय छात्रों को क्यों नहीं निकाला जा रहा है? शेरगिल ने कहा कि केंद्र सरकार को विदेश में फंसे सभी भारतीय छात्रों को वापस लाने की निश्चित समयसीमा बताए। सरकार विदेशी नागरिकों के लिए तो एक्टिव मोड में है, लेकिन भारतीय छात्रों के मामले में वह स्लीप मोड में दिख रही है। शेरगिल ने यह भी कहा कि विदेश मंत्रालय विदेश में फंसे भारतीय छात्रों के माता-पिता की चिंताओं को लेकर सही जवाब नहीं दे पा रहा है।

**चिदंबरम ने कहा, राज्यों को बहुत कम पैसा मिला :** पूर्व वित्त मंत्री चिदंबरम भी पीछे नहीं रहे। उन्होंने कहा कि राज्यों को कोरोना से लड़ने के लिए बहुत कम पैसा मिला है। इसके चलते राज्य रैपिड टेस्टिंग उपकरण नहीं खरीद पा रहे हैं। चिदंबरम ट्विटर पर दावा किया कि बैंक तो खुले हैं, लेकिन उन्होंने मध्य वर्ग को लोन देना बंद कर दिया है।

## कोरोना को लेकर कमल नाथ का केंद्र व शिवराज सरकार पर हमला

नईदुनिया, भोपाल

कोरोना के कारण मध्य प्रदेश में बड़ी संख्या में हो रही मौतों के बीच पूर्व मुख्यमंत्री और प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष कमल नाथ ने केंद्र व राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कांग्रेस की सरकार गिराने तक लॉकडाउन रोका गया था। शिवराज सिंह के मुख्यमंत्री की शपथ लेने के अगले दिन से ही लॉकडाउन शुरू हो गया। कोरोना से बचाव के लिए समय पर इंतजाम नहीं किए। केंद्र सरकार ने जांच किट खरीदने में लापरवाही बरती और चीन को काफी देरी से ऑर्डर दिए, जिससे आज शहरी क्षेत्रों में बहुत कम संख्या में जांच हो पा रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो बिल्कुल नहीं हो रही है।

कमल नाथ ने कहा कि मध्य प्रदेश विश्व में ऐसा अनोखा राज्य है, जहां बिना कैबिनेट वाली सरकार है। लेकिन यहां न स्वास्थ्य मंत्री है और न गृह मंत्री। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने 12 फरवरी को कोरोना वायरस संक्रमण को लेकर केंद्र सरकार को सतर्क कर दिया था, लेकिन उनकी बात पर ध्यान ही नहीं दिया गया। वहीं, 12 मार्च को जब डब्ल्यूएचओ ने इसे विश्वव्यापी महामारी घोषित किया तो प्रदेश में हमारी तत्कालीन सरकार ने स्कूल-कॉलेज और मॉल बंद करने का फैसला किया। प्रदेश में विधानसभा का बजट सत्र भी राज्यपाल के अभिभाषण के बाद 16 मार्च को 26 मार्च तक के लिए स्थगित कर दिया था, लेकिन तब तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष के फैसले का मजाक उड़ाया गया। भाजपा मध्य प्रदेश में सरकार गिराने और बनाने के प्रयास में थी, इसलिए उसने संसद की कार्यवाही को भी चलाया।

## उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों के लिए तीन महीने मुफ्त गैस रिफिल का एलान

नई दिल्ली, एएनआइ : केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के तहत प्रधानमंत्री उच्च्वला योजना के लाभार्थियों के लिए तीन महीने निशुल्क गैस रिफिल का एलान किया है। अप्रैल से जून, 2020 तक के लिए यह घोषणा की गई है।

आधिकारिक बयान के मुताबिक, अब तक तेल कंपनियों ने इस मद में उच्च्वला योजना के करीब 7.15 करोड़ लाभार्थियों के खाते में 5,606 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए हैं। इसमें बताया गया है, 'यह योजना पहली अप्रैल से 30 जून तक के लिए प्रभावी है। इसके तहत कंपनियां लाभार्थी के खाते में उसके पैकेज के हिसाब से 14.2 किलो या पांच किलो के सिलेंडर की कीमत के बराबर का एडवांस जमा करा रही हैं। ग्राहक इस पैसे से सिलेंडर रिफिल करा सकेंगे।' आइओसीएल, बीपीसीएल और एचपीसीएल जैसी कंपनियां पहले ही डिलीवरी बॉय समेत सप्लाई चेन के विभिन्ना चरणों में कार्यरत अपने कर्मचारियों के लिए पांच लाख रुपये की अनुग्रह राशि का एलान किया है।

## नई भूमिका में चिराग पासवान

लोजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और सांसद चिराग पासवान का एक वीडियो रविवार को ट्विटर पर चर्चा में रहा। दरअसल वह वीडियो में अपने पिता और केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान की दाढ़ी ट्रिम करते नजर आ रहे हैं। उन्होंने वीडियो ट्वीट करते हुए लिखा, मुश्किल समय है, लेकिन देखिए लॉकडाउन का एक अच्छा पहलू भी है। कभी नही पता था कि ये स्किल भी है। चलिए कोरोना वायरस से लड़ें और सुंदर लम्हे को संजोएं। ट्विटर

## 'अल्पसंख्यकों को लॉकडाउन की धज्जियां उड़ाने की छूट दे रही ममता सरकार'

राज्य ब्यूरो, कोलकाता

▸ भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा, बंगाल में लॉकडाउन का पूरी तरह से नहीं हो रहा पालन

▸ राज्यपाल धनखड़ ने भी कहा, राजनीति से ऊपर उठकर अपना कर्तव्य निभाएं सीएम

कैलाश विजयवर्गीय फाइल फोटो

भारतीय जनता पार्टी की बंगाल ईकाई के प्रभारी और राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की सरकार पर अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को लॉकडाउन के प्रावधानों की धच्जियां उड़ाने की छूट देने का आरोप लगाया है। रविवार को उन्होंने कहा कि कोलकाता समेत राज्यभर में जितने भी मुस्लिम बहुल इलाके हैं वहां लॉकडाउन के प्रावधानों में पूरी तरह से छूट दी गई है। इससे हालात भयावह हो गए हैं। बता दें, एक दिन पहले ही केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राज्य सरकार को सख्त चेतावनी दी है कि कोलकाता समेत राज्य के कई हिस्सों में मजहबी जलसों की छूट दी गई है और लॉकडाउन के प्रावधानों का भी पालन नहीं हो रहा है। ऐसा होने पर कार्रवाई का प्रावधान बनता है। इसके बाद रविवार को विजयवर्गीय ने मध्यप्रदेश के इंदौर स्थित अपने आवास से बंगाल के सांसदों व पदाधिकारियों के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की। राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने भी कहा यहां लॉकडाउन का पालन नहीं होना बहुत ही चिंताजनक है। यह समय राजनीति करने की नहीं है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को राजनीति से ऊपर उठकर अपना कर्तव्य निभाना चाहिए।

### चाय प्रबंधकों ने कम श्रमिकों से काम कराने पर जताई चिंता

जागरण संवाददाता, जलपाईगुड़ी : बंगाल में सरकारी निर्देश के बाद तराई–डुआर्स समेत विभिन्न बागानों में 25 प्रतिशत श्रमिकों के साथ रविवार से काम शुरू हो गया। लेकिन 25 प्रतिशत श्रमिक के साथ स्प्रे, स्किपिंग, फैक्ट्री चलाने समेत अन्य कार्य कराने को लेकर चाय प्रबंधकों को समस्याएं हो रही है। लॉकडाउन के कारण उत्तर बंगाल के चाय उद्योगों को बंद कर दिया गया था। इसमें सैकड़ों बड़े चाय बागान भी शामिल हैं। लेकिन प्रबंधकों की ओर से कहा गया था कि बागान बंद हो जाने पर अगर चायपत्ती नहीं तोड़ा जा सका तो छंटाई करनी होगी। यही कारण है कि बंगाल सरकार ने 15 प्रतिशत श्रमिकों से चाय बागान के देखरेख का काम शुरू करने का निर्देश दिया। फिर बाद में मालिकों के कहने पर इसे 25 फीसद कर दिया गया। परंतु अब 25 प्रतिशत श्रमिक से भी बड़े चाय बागानों में काम नहीं हो पा रहा है।

## राजनयिक ने किया साफ भारत को रूस से तय समय पर ही मिलेगा एस–400

मॉस्को, प्रेट्र : रूस में तैनात भारत के सर्वोच्च राजनयिक का कहना है कि भारत और रूस के बीच हुए रक्षा सौदों पर कोरोना वायरस के संक्रमण का कोई असर नहीं होगा। भारत को रूप से मिलने वाले एयर डिफेंस मिसाइल प्रणाली एस-400 समेत अन्य रक्षा सौदों की आपूर्ति तय समय पर ही होगी।

रूस में भारत के राजदूत बाला वेंकटेश वर्मा ने रविवार को बताया कि कोरोना के संक्रमण से चलते विश्व भर में हुए लॉकडाउन का रूस से हुए रक्षा सौदों पर कोई विपरीत प्रभाव नहीं पड़ेगा। हालांकि कामकाज में कुछ हफ्तों का असर जरूर हुआ है। लेकिन सभी प्रमुख रक्षा सौदे तय समय के मुताबिक ही पूरे होंगे। अक्टूबर, 2018 में भारत ने रूस से पांच एस-400 डिफेंस मिसाइल प्रणाली की खरीद की थी। यह सौदा पांच अरब डॉलर में हुआ था। भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति की धमकियों को नजरअंदाज कर इस मिसाइल प्रणाली के लिए रूस को करीब 60,94,12,00,000 रुपये की पहली किस्त चुकाई थी।

## अहमदाबाद में फेस मास्क नहीं पहनने पर होगा 3,000 रुपये का जुर्माना या तीन साल जेल

▸ सूरत व राजकोट नगर निकायों ने भी जारी किया आदेश

**अहमदाबाद, प्रेट्र :** गुजरात में कोरोना संक्रमितों की बढ़ती संख्या को देखते हुए अहमदाबाद, सूरत व राजकोट में सभी के लिए फेस मास्क पहनना या किसी कपड़े से चेहरे को ढकना अनिवार्य कर दिया गया है। नगर निकायों की तरफ से जारी आदेश सोमवार से प्रभावी होगा और इसका अनुपालन नहीं करने पर 3,000 रुपये तक जुर्माना या तीन साल जेल की सजा हो सकती है। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के सचिव अश्विनी कुमार ने बताया कि सरकार ने बिजली, महानगरपालिका टैक्स व अन्य बिलों को भरने के लिए 15 मई तक की छूट दी है। साथ ही कॉमर्शियल बिजली बिलों का फिक्स चार्ज इस बार माफ कर दिया गया है।

अहमदाबाद महानगरपालिका (एएमसी) के आयुक्त विजय नेहरा ने बताया कि यह आदेश कोरोना संक्रमण रोकने के लिए एपिडेमिक डिजीज एक्ट के तहत जारी किया गया है। उन्होंने कहा, 'सोमवार सुबह छह बजे से सार्वजिनक स्थानों पर जाने वाले सभी लोगों के लिए मास्क पहनना अनिवार्य कर दिया गया है। ऐसा नहीं करने वालों पर पहली बार में 1,000 रुपये व बाद में 3,000 रुपये का जुर्माना लगाया जाएगा।

### बंगाल में भी अनिवार्य हुआ मास्क लगाना

राज्य ब्यूरो, कोलकाता : बंगाल में भी घर से बाहर निकलने पर मुंह–नाक को ढकना अनिवार्य कर दिया गया है। रविवार को इस बाबत राज्य के मुख्य सचिव की ओर से एक आदेशपत्र जारी किया गया है। जिसमें लिखा गया है कि कोरोना वायरस से बचने और अन्य लोगों को बचाने के लिए मुंह–नाक को ढकना आवश्यक है। इसीलिए फेस मास्क. दुपट्टा, गमच्छा, रूमाल या फिर अन्य कपड़े से मुंह व नाक ढक कर ही लोग बाहर निकलें। जब बाजार, दुकान या फिर अन्य सार्वजनिक स्थानों पर जाएं तो इस आदेश पर अमल अनिवार्य है।

## वकील ने दिया सुझाव, संकट के दौरान कैसे चल सकती हैं अदालतें

▸ सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों को लिखा पत्र

▸ कहा, वीडियो कांफ्रेंसिंग अदालत को आइसीयू में ऑक्सीजन पर डालने जैसा

नई दिल्ली, प्रेट्र : सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता राकेश द्विवेदी ने देश के मुख्य न्यायाधीश और सुप्रीम कोर्ट के अन्य जजों को पत्र लिखकर कहा है कि कोरोना वायरस महामारी के कारण लंबे समय तक अदालतों को बंद करना एक आत्म विनाशकारी विचार है। पत्र में उन्होंने सुझाव दिया है कि लॉकडाउन के दौरान शारीरिक दूरी का पालन करते हुए अदालतें किस तरह चल सकती हैं। उन्होंने कहा है कि सभी अदालतें 25 मामलों के साथ बैठ सकती हैं और किसी पक्ष को अदालत में आने की अनुमति नहीं मिलनी चाहिए।

द्विवेदी ने अपने पत्र में लिखा है कि न्यायालय मौलिक अधिकारों के प्रहरी हैं। पुराने मामले पड़े हुए हैं। लोगों के महत्वपूर्ण हित जुड़े हुए हैं और मामले क्वारंटाइन में हैं। वीडियो कांफ्रेंसिंग अदालत को आइसीयू में ऑक्सीजन पर डालने जैसा है। इसलिए हम किस तरह थोड़े बेहतर ढंग से कामकाज को बहाल कर सकते हैं?

उन्होंने सुझाव दिया है कि न्यायाधीश और वकील मास्क के साथ-साथ दस्ताने पहन सकते हैं। जैसे ही न्यायाधीश डायस पर बैठते हैं, वे वकीलों से अच्छी दूरी तय कर लेते हैं। वे आपस में भी पांच फीट की दूरी पर बैठ सकते हैं। सभी अदालतें 25 मामलों के साथ बैठती हैं। वे पांच मामलों की सुनवाई और पांच मामलों का अंतिम निस्तारण कर सकती हैं। उन्होंने लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट को बंद या कांफ्रेंस मोड में लंबे समय तक रखना राष्ट्रीय हित में नहीं हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट फाइल

**लॉकडाउन के दौरान बाल उत्पीड़न पर स्वतः संज्ञान लें मुख्य न्यायाधीश :** देश के मुख्य न्यायाधीश एसए बोबड़े को एक पत्र लिखा गया है, जिसमें उनसे देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान बाल उत्पीड़न के मामलों में वृद्धि पर स्वतः संज्ञान लेने का अनुरोध किया गया है। दो वकीलों सुमीर सोढ़ी और आरजू अनेजा द्वारा लिखे गए पत्र में कहा गया है कि लॉकडाउन के दौरान हालांकि अपराध की कुल दर नीचे चली गई थी, लेकिन बच्चों के साथ दुर्व्यवहार और हिंसा की घटनाओं में तेजी आई है। वकीलों ने कहा कि उनके पत्र का आधार मीडिया में प्रकाशित लेख हैं, जिसमें यह बताया गया है कि हॉटलाइनें बाल शोषण के मामलों को प्रकाश में ला रही हैं। इंडिया हेल्पलाइन को 92,000 से अधिक कॉल प्राप्त हुई हैं, जिनमें लॉकडाउन के दौरान बच्चों को दुर्व्यवहार से सुरक्षा देने की मांग की गई है। आगे कहा गया है कि लॉकडाउन लागू होने के बाद से फोन के माध्यम से शिकायतें दर्ज कराने की संख्या में 50 फीसद की वृद्धि हुई है।

## पीएम केयर्स फंड के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई आज

▸ फंड पर दायर जनहित याचिका में प्रधानमंत्री समेत सभी ट्रस्टियों को बनाया पक्षकार

नई दिल्ली, प्रेट्र : कोरोना वायरस से निपटने के लिए स्थापित किए गए पीएम केयर्स फंड को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दाखिल एक जनहित याचिका पर सोमवार को सुनवाई होगी। ध्यान रहे कि पीएम नरेंद्र मोदी के एक आह्वान पर इस फंड में देश के आम और खास लोगों ने एक हफ्ते में 6500 करोड़ रुपये की धनराशि जमा करवा दी थी। जबकि प्रधानमंत्री कोष में दो सालों में भी इतना रकम जमा नहीं हो पाई थी।

मुख्य न्यायाधीश एसए बोबडे और जस्टिस एल नागेश्वर राव और एमएम शांतनगौदर की खंडपीठ वीडियो-कांफ्रेंसिंग के जरिये पीएम केयर फंड की स्थापना के खिलाफ वकील एमएल शर्मा की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करेगी। विगत 28 मार्च को केंद्र सरकार ने किसी भी तरह की आपातकालीन स्थिति से निपटने के लिए इस फंड की स्थापना की थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस फंड का एलान करते हुए जनता से अपील की थी कि कोविड-19 की वैश्विक महामारी से निपटने के लिए इस फंड के सरकारी बैंक एसबीआइ के खाते में यथाशक्ति दान दें। इसी के साथ उन्होंने बैंक खाता संख्या और उसका अन्य ब्योरा भी जारी किया था। याचिकाकर्ता ने अपनी जनहित याचिका में कहा है कि भारत सरकार की ओर से बिना किसी अध्यादेश या अधिसूचना के 28 मार्च को प्रेस विज्ञप्ति के जरिये पीएम केयर्स फंड के गठन की जानकारी दी गई। इस जनहित याचिका में सभी ट्रस्टियों के अलावा प्रधानमंत्री को भी पक्षकार बनाया गया है। ध्यान रहे कि प्रधानमंत्री निधि के पदेन अध्यक्ष होते हैं जबकि रक्षा, गृह और वित्त मंत्री इसके पदेन सदस्य होते हैं।

जनहित याचिका में यह भी मांग की गई है कि कोर्ट के निर्देशन में फंड की एसआइटी जांच हो। इसके अलावा इसमें जितना भी धन एकत्रित हुआ है सब भारत के समेकित निधि में हस्तांतरित की जाए। जनहित याचिका में याचिकाकर्ता और वकील एमएल शर्मा ने कहा है कि ट्रस्ट को संविधान के अनुच्छेद 267 और 266(2) के अनुसार बनाया जाना था, जो कि भारत की आकस्मिकता और समेकित निधि से संबंधित है। यह ट्रस्ट न तो इसे संसद में पारित किया गया है और न ही इसे भारत के राष्ट्रपति ने मंजूरी दी है।

**सियासत**

कांग्रेस से भाजपा में आए सिंधिया के समर्थक दिखाएंगे 'दस का दम', निर्दलीय और बसपा–सपा को भी मिल सकता है प्रतिनिधित्व

## मध्य प्रदेश में शिवराज कैबिनेट के गठन की सरगर्मी

नईदुनिया, भोपाल

मध्य प्रदेश में पिछले महीने सियासी उथल-पुथल के बाद चौथी बार मुख्यमंत्री बने शिवराज सिंह चौहान जल्दी ही अपनी कैबिनेट का गठन करेंगे। संभवतः इसी सप्ताह वह अपने मंत्रिमंडल को शपथ दिलवा सकते हैं। कोरोना संकट के चलते सरकार की प्राथमिकता संक्रमण के नियंत्रण पर लगी हुई है। तीन सप्ताह से अकेले शिवराज ही 'वन मैन आर्मी' की तर्ज पर कमान संभाले हुए हैं। कैबिनेट में पूर्व मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के 10 समर्थक पूर्व विधायकों के अलावा निर्दलीय और सपा-बसपा को भी प्रतिनिधित्व दिए जाने के संकेत हैं।

राज्य में सियासी भूचाल के बाद सिंधिया समर्थक 22 कांग्रेस विधायकों ने अपने इस्तीफे सौंपकर 15 महीने पुरानी कमल नाथ सरकार को अल्पमत में ला दिया था। संख्याबल के चलते प्रदेश में चौथी बार भाजपा सरकार के मुखिया के नाते 23 मार्च को शिवराज ने शपथ ग्रहण की थी। उसके बाद से कोरोना संक्रमण की विश्वव्यापी समस्या से लॉकडाउन चल रहा है। इसलिए मंत्रिमंडल गठन भी टलता रहा लेकिन शनिवार को मुख्यमंत्रियों से वीडियो कान्फ्रेंस में हुई चर्चा के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लॉकडाउन की अवधि दो सप्ताह और आगे बढ़ाने के संकेत दिए हैं।

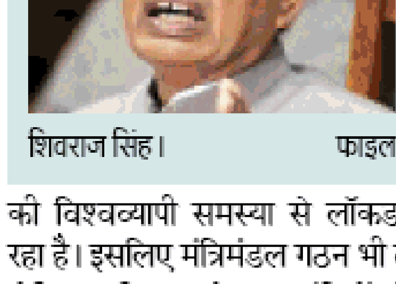

शिवराज सिंह। फाइल

### टीम गठन का बढ़ रहा दवाव

लॉकडाउन आगे बढ़ने की खबर से सबसे ज्यादा निराशा मंत्री बनने के दावेदारों को हुई है। मुख्यमंत्री पर भी अपनी टीम गठन का दबाव बढ़ रहा है, इसलिए भाजपा संगठन से जुड़े सूत्रों का कहना है कि 15–16 अप्रैल को बहुत सादगी और शारीरिक दूरी सहित कोरोना से बचाव के सभी जरूरी उपायों को अपनाते हुए नए मंत्रिमंडल का गठन हो सकता है।

**भाजपा में एक अनार सौ बीमार :** मंत्रिमंडल में अधिकतम मुख्यमंत्री सहित 35 सदस्य रह सकते हैं। शिवराज मंत्रिमंडल में सिंधिया समर्थक 10 लोगों को शपथ दिलाए जाने की संभावना है। इसके बाद 24 स्थानों के लिए भाजपा अपने विधायक दल में से दावेदारों को चुनेगा। दो दर्जन चेहरों का चुनाव ही सबसे बड़ी चुनौती है, क्योंकि मंत्रिपद को लेकर 'एक अनार सौ बीमार' वाली स्थिति बन रही है। कई पुराने चेहरे भी इस बार दावेदारों की कतार में हैं। उथल-पुथल के दौरान भारतीय जनता पार्टी को सत्ता के साकेत तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने वालों की भी पुख्ता दावेदारी है।

**आधा दर्जन पुराने चेहरे :** सिंधिया समर्थकों में छह तो वही चेहरे हैं जो कमल नाथ सरकार में मंत्री थे। इन सभी को संभवतः उसी महकमे के साथ शिवराज सरकार में भी वापसी कराने का आश्वासन दिया गया है। इनमें डॉ. प्रभुराम चौधरी, गोविंद सिंह राजपूत, तुलसी सिलावट, प्रद्युम्न सिंह तोमर, महेंद्र सिंह सिसोदिया और इमरती देवी शामिल है। इनके अलावा संभवतः बिसाहूलाल सिंह, हरदीप सिंह डंग, राज्यवर्धन सिंह दत्तीगांव और एदल सिंह कंषाना की भी नए मंत्रिमंडल में ताजपोशी हो सकती है। विधायकी और कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामने वाले बाकी अन्य 12 माननीयों को भी सम्मानजनक ढंग से पुनर्वास किए जाने की चर्चा है।

**इनका भी ख्याल :** प्रदेश की 24 सीटों पर होने वाले उपचुनाव के मद्देनजर मंत्रिमंडल के जल्दी ही गठन का दबाव बढ़ रहा है। मंत्रिमंडल में खासतौर पर उपचुनाव वाले क्षेत्रों का भी खयाल रखा जाएगा। सरकार के स्थायित्व की खातिर निर्दलीय के अलावा सपा-बसपा के सदस्यों को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है, क्योंकि कमल नाथ सरकार में भी इन विधायकों ने काफी दबाव बनाया था और ताजा उलटफेर में भी उन्होंने अपनी पार्टी लाइन के खिलाफ जाकर शिवराज सरकार को समर्थन देने का एलान भी किया है।

### कह के रहेंगे

माधव जोशी

# कोविड-19 से लड़ाई के लिए पूरी तरह तैयार भारत

**जीतेंगे हम** ▶ देशभर में एक लाख से ज्यादा मरीजों को भर्ती करने की व्यवस्था

## महज 20 फीसद संक्रमितों को ही ऑक्सीजन व वेंटीलेटर की जरूरत

जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली

कोरोना वायरस (कोविड-19) के खिलाफ जंग में भारत कई दूसरे देशों से ज्यादा सतर्क और तैयार नजर आ रहा है। एक तरफ जहां लॉकडाउन, कंटेनमेंट और शारीरिक दूरी जैसे उपायों से देश में कोरोना वायरस के प्रसार की गति को थामने की कोशिश की जा रही है, वहीं दूसरी ओर संक्रमितों की संख्या में संभावित वृद्धि की स्थिति से निपटने के लिए भी प्रबंध किए जा रहे हैं। कोरोना मरीजों के लिए देशभर में 601 अस्पतालों में एक लाख से ज्यादा बेड तैयार किए गए हैं।

स्वास्थ्य मंत्रालय के सयुंक्त सचिव लव अग्रवाल के अनुसार भारत में कोरोना के मरीजों की तुलना में उनके इलाज की कई गुना सुविधाओं का विस्तार अभी नहीं हुआ है, बल्कि यह स्थिति शुरू से ही बनी हुई है। उन्होंने बताया कि किस तरह 29 मार्च को देश में कोरोना के मरीजों की संख्या 979 थी और उनमें से 196 को विशेष इलाज की जरूरत थी। जबकि उस दिन भी देश में 163 अस्पताल में 41,974 बिस्तर ऐसे मरीजों के इलाज के लिए तैयार थे। लव अग्रवाल ने कहा कि यदि देश में कोरोना के मरीजों की संख्या गणितीय आंकलन के अनुसार भी बढ़ती है और 15 अप्रैल तक आठ लाख को पार कर जाती, तो भी हम सभी मरीजों के इलाज के लिए पूरी तरह तैयार होते। इसी तरह शुरू में पीपीई, एन-95 मास्क और वेंटीलेटर की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा था, लेकिन सरकार के लगातार प्रयासों से इन चिकित्सा उपकरणों की बड़े पैमाने पर सप्लाई शुरू हो गई है और राज्यों को जरूरत के मुताबिक इनकी सप्लाई की जा रही है।

**मरीजों को तीन श्रेणियों में रखा :** दरअसल, सरकार ने कोरोना के मरीजों को तीन भागों में बांटकर उनके इलाज के लिए अलग-अलग प्रबंध किए हैं। 80 फीसदी माइल्ड केस वाले मरीजों के लिए सभी राज्यों में कोविड केयर सेंटर खोले गए हैं, जहां डाक्टरों की निगरानी में उन्हें रखा जाता है और सामान्य दवाइयां दी जाती हैं। ये मरीज अपने-आप कुछ दिनों में ठीक हो जाते हैं। 15 फीसदी मध्यम प्रभाव वाले मरीजों को ऑक्सीजन सपोर्ट की जरूरत पड़ती है, जिन्हें विशेष कोविड हेल्थ केयर सेंटर में रखा जाता है। वहीं पांच फीसदी गंभीर मरीजों के लिए विशेष कोविड अस्पताल बनाए गए हैं।

### आपस में जुड़ी हैं कोविड हेल्थ सुविधाएं

लव अग्रवाल। फाइल फोटो

लव अग्रवाल ने कहा कि कोविड केयर और कोविड हेल्थ केयर सेंटर को कोविड अस्पतालों से विशेष एंबुलेंस सेवाओं से जोड़ा गया है ताकि जरूरत पड़ने पर किसी मरीज को तत्काल कोविड अस्पताल में भर्ती किया जा सके। उनके अनुसार इस तैयारी के साथ भारत कोरोना के किसी भी स्थिति से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई कि लॉकडाउन, कोरोना के हॉटस्पॉट इलाके के कंटेनमेंट और शारीरिक दूरी के सहारे हम कोरोना के फैलने से रोकने में काफी हद कामयाब होंगे।

### संक्रमण की जांच ने भी पकड़ी रफ्तार

धीरे-धीरे भारत में कोरोना की टेस्टिंग ने भी रफ्तार पकड़ ली है। 151 सरकारी और 68 निजी लैब में पिछले पांच दिनों से हर दिन औसतन 15,747 टेस्ट किए जा रहे हैं। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) के डॉक्टर रमन गंगाखेड़कर ने साफ किया कि देश में टेस्टिंग की सुविधाओं की कोई कमी है और जरूरत के हिसाब से टेस्ट करने के लिए देश पूरी तरह तैयार है। रविवार को दोपहर ढाई बजे तक देश में एक लाख 86 हजार 906 टेस्ट किये जा चुके थे। इसके अलावा आइसीएमआर ने हॉटस्पॉट वाले इलाकों में कोरोना वायरस के प्रसार को देखने के लिए रैपिड टेस्ट को भी हरी झंडी दे दी है। माना जा रहा है कि एक-दो दिनों में रैपिड टेस्ट शुरू भी हो जाएगा। खून में मौजूद एंटीबॉडी पर आधारित इस टेस्ट का रिजल्ट एक घंटे से भी कम समय में आ जाएगा।

# उप्र के बुलंदशहर में क्वारंटाइन स्थल से भागे 60 लोग

जागरण संवाददाता, बुलंदशहर

▶ दोबारा किया गया था क्वारंटाइन, तलाश जारी, अब दर्ज होगा मुकदमा

उप्र के बुलंदशहर स्थित दानपुर जनता इंटर कॉलेज में क्वारंटाइन किए गए 103 लोगों में से 60 लोग शनिवार देर रात कमरे की खिड़की तोड़कर भाग निकले। एक बार चौदह दिन की क्वारंटाइन अवधि पूरी होने के बाद इन सभी को दोबारा क्वारंटाइन किया गया था। एडीएम का कहना है कि सभी को वापस लाया जाएगा और मुकदमा दर्ज किया जाएगा। फिलहाल, सभी की तलाश जारी है।

किसी क्वारंटाइन स्थल से एक साथ साठ लोगों के भागने से यहां की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं। भागने वाले सभी आसपास के गांवों के ही हैं। दूसरे राज्यों से अपने गांव लौटे लोगों को 25 मार्च को व आसपास के चार गांवों के 70 लोगों को यहां क्वारंटाइन किया गया था। चौदह दिन की अवधि पूरी होने पर इन सभी को आठ अप्रैल को घर भेज दिया गया। हालांकि अगले ही दिन जिलाधिकारी के आदेश पर 10 अप्रैल को सभी को वापस सेंटर लाकर क्वारंटाइन कर दिया गया। इन्हीं में से 60 लोग शनिवार देर रात कमरों की खिड़की तोड़कर भाग निकले। वहीं जनता इंटर कालेज में बनाए गए क्वारंटाइन स्थल से शनिवार देर शाम एक महिला हंगामा कर अपने पति को जबरन घर ले गई। हालांकि रविवार सुबह घटना की जानकारी होने पर पुलिस दोबारा उसे क्वारंटाइन सेंटर ले आई। पुलिस ने लोगों से अपील की है कि जो लोग क्वारंटाइन सेंटरों से भाग गए हैं, उन्हें अपने घरों में शरण न दें।

> क्वारंटाइन स्थल से जो लोग भागे हैं, उन सभी पर मुकदमा दर्ज कर उन्हें वापस लाया जाएगा। सभी की तलाश चल रही है। गांव में पुलिस तैनात की गई है। क्वारंटाइन स्थल की भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। खाने की गुणवत्ता की भी जांच कराई जाएगी।
> – रवींद्र कुमार, एडीएम प्रशासन

## न्यूज गैलरी

### अफसर-कर्मियों को नाश्ते-पानी को मिलेंगे 350 रुपये

**पटना :** कोरोना से बचाव के लिए लॉकडाउन की अवधि में देर रात तक सेवा देने वाले अफसरों और कर्मचारियों को सरकार भोजन और नाश्ते का नकद पैसा देगी। इसके लिए पूर्व से बने नियमों में ढील दी गई है। बिहार में वित्त विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिए हैं। राज्य सरकार के आदेश के मुताबिक विशेष परिस्थितियों में सरकारी महकमे में देर रात तक सेवा देने वाले अफसरों और कर्मचारियों को नाश्ता-पानी देने की व्यवस्था काफी पुरानी है। फिलहाल लॉकडाउन की वजह से देर रात तक रुक कर काम करने वाले अफसर-कर्मियों के लिए नाश्ते पानी के साथ ही भोजन का इंतजाम नहीं हो पा रहा है। (राब्यू)

### पुलिस ने भाजपा नेता को पीटा, आटा खरीदने निकले थे

**पटना :** कोरना वायरस के कारण देशव्यापी लॉकडाउन के दौरान रविवार को पटना में घर से राशन लेने निकले भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी राकेश सिंह की पुलिस ने पिटाई कर दी। पटना के आर ब्लॉक चौराहे के पास यह घटना हुई। राकेश सिंह के मुताबिक वह कहते रहे कि आटा लेने के लिए निकले हैं। इसके बावजूद पुलिस ने एक नहीं सुनी, लाठियां चटका दीं। राकेश के हाथ और पैर में चोटें आई हैं। पार्टी नेताओं ने एसएसपी और डीजीपी से दोषी पुलिस कर्मी पर कार्रवाई की मांग की है। (राज्य ब्यूरो)

# झारखंड में संक्रमित का शव दफनाने का विरोध, हंगामा

जागरण संवाददाता, रांची

▶ रांची के हिंदपीढ़ी निवासी बुजुर्ग की रिम्स में हुई थी मौत

▶ रिम्स के एंबुलेंस में रखा है शव, कहां दफनाएं इसे लेकर चल रही है माथापच्ची

रांची के हिंदपीढ़ी निवासी कोरोना संक्रमित 60 वर्षीय बुजुर्ग का शव दफनाने के विरोध में रविवार को खूब हंगामा हुआ। शव को पहले बरियातू फिर रातू रोड कब्रिस्तान दफनाए जाने के लिए ले जाया गया, लेकिन लोगों के उग्र विरोध के कारण पुलिस व प्रशासन की टीम को वापस लौटना पड़ा। शव को वापस राजेंद्र आयुर्विज्ञान संस्थान (रिम्स) ले जाया गया। शाम सात बजे तक प्रशासनिक अधिकारी इस बात को लेकर मंथन कर रहे थे कि कैसे और कहां शव को दफनाया जाए। विरोध कर रहे लोगों का कहना था कि शव को शहर से दूर बिना आबादी वाली जगह में दफनाएं यहां संक्रमण का खतरा है। जिस बुजुर्ग की मौत कोरोना से हुई है, उनकी पत्नी भी कोरोना संक्रमित हैं और रिम्स में वेंटिलेटर पर हैं। दंपती सहित उनका पूरा परिवार मलेशिया मूल की तब्लीगी महिला से संक्रमित हुआ था।

**आबादी से दूर या दाह संस्कार की मांग :** शव दफनाए जाने के लिए स्थानीय लोगों ने आबादी से दूर वाले इलाके में कब्रिस्तान चुनने या दाह संस्कार की मांग रखी। स्थानीय लोगों का कहना था कि अगर आबादी वाली जगह में शव दफनाया गया तो इससे संक्रमण हो सकता है। मांग की गई कि हिंदू हों या मुसलमान, जिनकी भी मौत कोरोना से हो उनका शव जलाया जाए न कि दफनाया जाए। इससे संक्रमण का खतरा नहीं रहेगा। ये काम भी शहर से 20 किमी दूर किया जाए।

### राज्य में कोरोना से दूसरी मौत, चिंता बढ़ी

रिम्स ट्रॉमा सेंटर में भर्ती हिंदपीढ़ी के 60 वर्षीय शख्स को चिकित्सक सारे प्रयास के बावजूद नहीं बचा सके। मृत व्यक्ति हिंदपीढ़ी का रहनेवाला था और संक्रमण की पुष्टि होने के बाद ट्रॉमा सेंटर में भर्ती था। उसकी पत्नी (हिंदपीढ़ी में संक्रमित मिली दूसरी महिला) सहित उसका पूरा परिवार मलेशिया मूल की तब्लीगी महिला से संक्रमित हुआ था। कोरोना से लगातार दो मौत होने के बाद राज्य सरकार की चिंता बढ़ गई है। संक्रमण से कम से कम जान-माल का नुकसान हो, इसे लेकर मंथन शुरू हो गया है। इधर, लगातार पॉजिटिव केस मिलना भी परेशानी का सबब बना है। झारखंड में कोरोना के अबतक 17 पॉजिटिव केस मिल चुके हैं। इनमें से दो की मौत हो चुकी है। अन्य 15 मरीजों का इलाज जारी है।

## संक्रमण दोबारा होने के मामले की जांच करेगा डब्ल्यूएचओ

**जेनेवा, आइएनएस :** विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) कुछ लोगों में कोविड-19 का संक्रमण दोबारा होने के मामले की जांच करेगा। दक्षिण कोरिया में लगभग 91 मरीज ऐसे थे, जिनके बारे में कहा जा रहा था कि वे कोविड-19 के संक्रमण से ठीक हो चुके हैं। लेकिन, फिर से जांच किए जाने पर उनकी रिपोर्ट पॉजिटिव आई। इससे पहले चीन सहित दुनिया के अन्य हिस्सों से इस तरह की रिपोर्टें आई थीं, जिसने एक नए सिद्धांत को जन्म दिया कि इस वायरस को फिर से सक्रिय किया जा सकता है। इसने संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी को इस मुद्दे पर गौर करने के लिए प्रेरित किया।

डब्ल्यूएचओ ने एक बयान में कहा कि हम इन रिपोर्टों से वाकिफ हैं, जिनमें कहा गया है कि पीसीआर (पोलीमरेज चेन रिएक्शन) परीक्षण का उपयोग करके कुछ लोगों की नकारात्मक रिपोर्ट आई। बाद में जांच करने पर उनकी रिपोर्ट सकारात्मक आई। हम अपने विशेषज्ञों के साथ इस मामले में निकटता से संपर्क कर रहे हैं। यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि जब कोरोना वायरस के संदिग्ध रोगियों से परीक्षण के लिए नमूने एकत्र किए जाते हैं, तो प्रक्रियाओं का सही तरीके से पालन किया जाता है या नहीं।

# पकड़ा गया संदिग्ध नेपाली युवक, पांच लोग फरार

जासं, कुशीनगर

▶ युवक का नेपाल के कुख्यात जालिम मुखिया से बताया जा रहा संबंध

▶ जालिम ने कोरोना पॉजिटिव लोगों को बिहार व उप्र में दाखिल कराने की बनाई है योजना

उप्र के कुशीनगर जिले के कसया थाना क्षेत्र की पुलिस ने रविवार को प्रेमवलिया गांव से गुजर रहे एक संदिग्ध नेपाली युवक को हिरासत में लिया है। उसकी पहचान खालिद (35) निवासी काठमांडू, नेपाल के रूप में हुई है। पूछताछ में उसने बताया कि दो दिन पूर्व उसने सोनौली सीमा को पार किया था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, उसके साथ पांच अन्य युवक भी थे, जो भाग गए। खालिद को नेपाल के कुख्यात जालिम मुखिया से जोड़कर देखा जा रहा है। वाइंट मजिस्ट्रेट अभिषेक पांडेय ने बताया कि नेपाली युवक को मेडिकल जांच के लिए भेजा गया है।

गौरतलब है कि भारत में कोरोना फैलाने की साजिश रची गई है। इस मंसूबे को अंजाम देने का जिम्मा नेपाल में बैठे अवैध हथियारों और मादक पदार्थों के तस्कर जालिम मुखिया को सौंपा गया है। उसने कुछ पाकिस्तानियों सहित दो सौ लोगों को एकत्रित किया है। ये सभी लोग नेपाल की एक मस्जिद में छिपे हैं। संभवतः ये लोग कोरोना वायरस संक्रमित हैं। उत्तर प्रदेश के अभिसूचना विभाग की ओर से नेपाल बॉर्डर से संबंधित जिलों के पुलिस कप्तानों को भेजे गए पत्र में यह इनपुट दिया गया है। साथ ही नेपाल सीमा पर चौकसी बढ़ाने के निर्देश दिए गए हैं। बिहार से लगी सीमाओं पर भी सख्ती बरती जा रही है।

### मस्जिद में रुके 21 भारतीयों में तीन कोरोना संक्रमित

**जासं, महराजगंज :** नेपाल के परसा जिले के वीरगंज स्थित मस्जिद में जमाती आए थे। इनमें 21 भारतीयों में से तीन कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। नेपाल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की है। चार मार्च को उक्त सभी भारतीय वीरगंज गए थे। लॉकडाउन की घोषणा के बाद वे मस्जिद में रुके रहे। नेपाल पुलिस ने सभी जमातियों को हिरासत में लेकर 33 लोगों की स्वास्थ्य जांच कराई। इनमें 21 भारतीय थे, जिनमें तीन कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। जिन लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है, उनमें से दो उत्तर प्रदेश और एक दिल्ली का निवासी बताया जा रहा है। वहीं कोरोना पॉजिटिव जमाती की दाढ़ी बनाने वाले नाई और उसके परिवार के चार सदस्यों को शनिवार रात जिला महिला अस्पताल में क्वारंटाइन किया गया।

## फिल्मी हस्तियों ने कोरोना से जंग लड़ रही मुंबई पुलिस को सराहा

**मुंबई, प्रेट्र :** अभिनेता सुनील शेट्टी, अभिषेक बच्चन समेत कई फिल्मी सितारों ने कोरोना वायरस से जंग लड़ रही मुंबई पुलिस की सराहना की है।

इसकी शुरुआत मुंबई पुलिस की तरफ से ट्विटर पर डाले गए एक वीडियो से हुई, जिसमें गलियों में तैनात जवानों से पूछा गया था कि आप क्या करेंगे अगर आपको लॉकडाउन के दौरान 21 दिनों तक घर में रहने का मौका मिले। इस पर सुनील शेट्टी ने ट्वीट किया, 'हीरोज, हम आपसे प्यार करते हैं।' मुंबई पुलिस ने लिखा, 'हमारे दिल की हर धड़कन इस शहर के लिए धड़कती है।' धड़कन सुनील शेट्टी की सुपरहिट फिल्म थी।

अभिषेक बच्चन ने लिखा, 'वे जो महान काम कर रहे हैं, उनके लिए हम सदैव कर्जदार रहेंगे।' मुंबई पुलिस ने अभिषेक की फिल्म धूम व उनके कैरेक्टर जय दीक्षित का जिक्र करते हुए रोचक जवाब दिया। शाहीद कपूर ने लिखा, 'हमारे सपनों को सुरक्षित रखने के लिए वे अपने सपनों को न्योछावर कर रहे हैं।' इस पर मुंबई पुलिस ने जवाब दिया, 'मुंबईकर घर में रहें, यह सबसे शानदार सहयोग होगा।' इनके अलावा जैकी श्रॉफ, टाइगर श्रॉफ, अर्जुन कपूर, रीचा चड्ढा, सई मांजरेकर व रवीना टंडन आदि ने भी मुंबई पुलिस को सराहा। बता दें कि इस समय महाराष्ट्र कोरना वायरस से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य है। इसलिए यहां लोगों को खास सतर्कता बरतने की जरूरत है।

# पुलिस और सामाजिक कार्यकर्ताओं की मदद ली जाए

प्रथम पृष्ठ से आगे

लिहाजा, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सभी राज्य सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि आगे भी इन प्रवासियों की सहायता के लिए पुलिस और सामाजिक कार्यकर्ताओं की मदद ली जाए और उनके साथ मानवीय संवेदनाओं के अनुसार बर्ताव किया जाए। गृह मंत्रालय ने स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय को भी कहा है कि वह इनकी मनोवैज्ञानिक परेशानियों का भी समाधान करें। स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि इन नई परिस्थितियों में प्रवासी मजदूरों की आर्थिक स्थिति के साथ ही सामाजिक और मनोवैज्ञानिक स्थिति भी बदहाल होती है। चूंकि वह अपने परिवारों से दूर रोजी-रोटी कमाने जाते हैं। कमाई के साधन बंद पड़ने पर नासिर्फ वह बदहाली के शिकार होते हैं, बल्कि सुदूर गांवों व कस्बों में उनके परिवार भी आर्थिक तंगी से जूझते हैं, जोकि उन पर पूरी तरह से आश्रित हैं।

**लॉकडाउन के चलते पहले सिर्फ आवश्यक वस्तुएं रखने की थी छूट :** केंद्रीय गृह सचिव अजय कुमार भल्ला ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को निर्देशित किया है कि अब से देश भर में गोदाम और कोल्ड स्टोरेज को लॉकडाउन की शर्तों से मुक्त किया जाता है। अब वह सिर्फ आवश्यक वस्तुएं ही नहीं, बल्कि सभी प्रकार के सामान रख सकेंगे। भल्ला ने सभी राज्यों के गृह सचिवों को एक प्रेस ब्रीफिंग में निर्देशित किया कि गोदामों और कोल्ड स्टोरेजों में अब सभी प्रकार के सामानों को रखा जा सकेगा। लॉकडाउन के चलते पहले उन्हें केवल आवश्यक वस्तुओं की रखने की छूट थी। लेकिन लॉकडाउन खुलने में अब कुछ ही हफ्ते बाकी रहने के चलते इन्हें सभी प्रकार के सामान रखने की फिर से इजाजत दे दी गई है।

**आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति नियंत्रण में :** केंद्रीय गृह मंत्रालय की संयुक्त सचिव पुण्य सलिला श्रीवास्तव ने एक प्रेस ब्रीफिंग में बताया कि लॉकडाउन के दौरान देश भर में आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति और उपलब्धता की स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। इस सिलसिले में नागरिक उड्डयन मंत्रालय, उपभोक्ता मामले और रेलवे राज्यों के साथ पूरे तालमेल से काम कर रहे हैं। गृह मंत्रालयों ने राज्यों को बताया कि राज्यों के अंदर और एक से दूसरे राज्य में माल ढुलाई के वाहनों की आवाजाही पर कोई रोक नहीं है। राज्य प्रशासनों को यह भी सुनिश्चित करना है कि निर्माण कंपनियों के कर्मचारियों पास मुहैया हों। इसके अलावा, मंत्रालय साइबर दोस्त ट्विटर हैंडल के जरिए लोगों को साइबर क्राइम के प्रति भी सचेत कर रहा है। ताकि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन सुरक्षित रहें।

## आवश्यक वस्तुओं के ट्रक पुलिस के रोकने पर केंद्र ने जताई आपत्ति

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** केंद्र सरकार ने रविवार को स्पष्ट किया कि देश के कुछ भागों में लॉकडाउन के दिशा-निर्देशों का संभवतः ठीक से पालन नहीं हो रहा है। चूंकि पुलिस ने कुछ स्थानों पर आवश्यक वस्तुओं और गैर आवश्यक वस्तुओं को ले जा रहे ट्रकों को रोक लिया है। इसीलिए कुछ स्थानों पर वस्तुओं की आपूर्ति में कमी आई है।

सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को भेजे गए पत्र में केंद्रीय गृह सचिव अजय भल्ला ने रविवार को कहा कि यह संज्ञान में आया है कि देश के कुछ हिस्सों में लॉकडाउन के दौरान आवश्यक वस्तुओं और गैर आवश्यक वस्तुओं के सामानों को ले जा रहे ट्रकों को पुलिस रोक ले रही है।

इससे साफ है कि 21 दिनों के लॉकडाउन के दौरान आवश्यक वस्तुओं की निर्बाध आपूर्ति को लेकर दिए गए दिशा-निर्देशों का सही तरीके से पालन नहीं हो रहा है। भल्ला ने कह कि खासतौर पर सामान ले जा रहे ट्रकों को रोका जा रहा है जो एकदम गलत है। आवश्यक वस्तुओं की निर्माण इकाइयों के कर्मचारियों को भी रोक लिया जा रहा है।

### पुलिस स्टेशन में तैयार हो रहे मास्क...

कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए पुलिस समाजसेवी के रूप में उभरी है। यह तस्वीर दिल्ली के ग्रेटर कैलाश (जीके-1) पुलिस स्टेशन में स्थित महिला शाखा की है। यह वक्त की दरकार है कि महिला पुलिसकर्मी शिद्दत से लोगों के लिए थाने में मास्क तैयार करने में जुटी हुई हैं। प्रेट्र

## भारतीयों की रिपोर्ट निगेटिव आने पर ही स्वदेश भेजेगा यूएई

**दुबई, प्रेट्र :** संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने कोरोना संकट को लेकर अपने यहां फंसे हुए भारतीयों और अन्य देशों के नागरिकों को वापस भेजने की पेशकश की है, बशर्ते उनकी कोविड-19 जांच रिपोर्ट निगेटिव आए। इस बीच, यूएई यहां फंसे हुए भारतीयों और अन्य देशों के नागरिकों की वापसी को लेकर उन देशों के खिलाफ कड़े प्रतिबंध लागू करने की योजना बना रहा है जो अपने नागरिकों की वापसी को लेकर अनिच्छुक हैं। यूएई में करीब 33 लाख भारतीय हैं। इनमें सबसे ज्यादा केरल, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश के लोग हैं।

इस संबंध में एक अधिकारी ने कहा कि इन कड़े प्रतिबंधों में संबंधित देशों के कर्मचारियों पर रोजगार प्रतिबंध लगाना भी शामिल है। साथ ही उन देशों के साथ हुए समझौतों को निलंबित करने का भी विकल्प शामिल है। अधिकारी ने स्पष्ट किया कि अपने नागरिकों की वापसी के लिए वे देश जिम्मेदार हैं जिनके नागरिक यहां फंसे हैं और जो स्वदेश जाना चाहते हैं। यूएई ने इस संबंध में उन की मदद के लिए अभियान भी चलाया है।

उधर भारत में संयुक्त अरब अमीरात के राजदूत रहमान अल बन्ना ने फोन पर गल्फ न्यूज से कहा कि उनका देश यहां फंसे भारतीयों तथा अन्य देशों के कर्मचारियों को वापस भेजने को तैयार है बशर्ते उनकी कोविड-19 जांच रिपोर्ट निगेटिव आए। यूएई के विदेश एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग मंत्रालय ने देश में मौजूद सभी दूतावासों को इस सिलसिले में पिछले हफ्ते पत्र भेजा है, जिनमें भारतीय दूतावास भी शामिल है और इस बात को लेकर सूचित कर दिया है। उन्होंने कहा कि यूएई ने स्वदेश लौटना चाह रहे लोगों को जांच कराने का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा, 'हम हर किसी को आश्वस्त कर रहे हैं कि हमारे पास सर्वश्रेष्ठ सुविधाएं हैं, जांच केंद्र हैं और हमने 5 लाख से अधिक लोगों की जांच की है।'

**वायरस की मार**

# इस बार पंजाब में नहीं दिख रही वैशाखी की धूम

शहर से लेकर गांव तक सड़कों पर पसरा सन्नाटा, घरों में सिमटे लोग, खेतों में पक कर तैयार है गेहूं, नहीं कहीं गिद्दा, न ही भंगड़ा

मनोज त्रिपाठी, जालंधर

खेतों में पक कर तैयार गेहूं की फसल तेज हवा के झोंकों के साथ वातावरण में अपना संगीत बिखेर रही थी। गांवों को जाने वाली ज्यादातर सड़कों पर सन्नाटा। सड़कों पर पक्षियों का राज। गांवों के प्रवेश मार्ग पर बाहरी लोगों के प्रवेश पर पाबंदी की सूचना वाले बोर्ड व पहरे पर बैठे युवक तथा पुलिस। कर्फ्यू को लेकर घरों में बंद किसान व ग्रामीण। गुरुद्वारों से थोड़ी-थोड़ी देर में हो रही उद्घोषणा 'यह कोरोना महामारी है, सभी से विनती की जाती है कि घर से कोई बाहर न निकले। जरूरी वस्तुएं सवेरे सात से नौ बजे तक सप्लाई की जाती है। कोरोना की मार झेल रहे पंजाब के लोगों के लिए वैशाखी नए साल के जश्न का मौका होती है, लेकिन वे समझ नहीं पा रहे कि अपनी रक्षा करें या फसल की।

13 अप्रैल सोमवार को वैशाखी है। पंजाब के लिए धार्मिक और किसानों के लिए आर्थिक रूप से इससे ज्यादा महत्वपूर्ण कोई दूसरा दिन नहीं है। 1669 में वैशाखी वाले दिन ही गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी। इसी दिन सूर्य मेष राशि में प्रवेश करता है, इसलिए हिंदुओं के लिए भी यह दिन महत्वपूर्ण है। सरकार ने भले की 15 अप्रैल से मंडियों में फसलों की खरीद की घोषणा कर दी है, लेकिन कर्फ्यू व खेतों में खड़ी फसल की कटाई घरों में बंद किसानों के लिए बड़ी मुसीबत है। खेतों में न तो गिद्दे की धूम दिखाई दे रही है और न गांवों की चौपालों पर भंगड़ा। ताश खेलते बुजुर्ग भी दिखाई नहीं दे रहे, सभी सुरक्षा के लिए घरों में हैं। जालंधर से नकोदर। नकोदर से नूरमहल के तमाम गावों की यही स्थिति है।

नूरमहल से 30 किलोमीटर दूर स्थित रुड़का कलां गांव, जहां के खेल मैदान में सैकड़ों फुटबॉलरों का जमावाड़ा रहता है। उनकी किक दुनिया को हिला देने की ट्रेनिंग लेती दिखाई देती थी। उन मैदानों में भी अब घास बड़ी हो गई है। यहां से 25 किलोमीटर दूर गोराया के विर्क गांव की तस्वीर जरूर अब बदल रही है। यही जिले का पहला गांव था, जहां कोराना के तीन पॉजिटिव केस आए थे। तीनों ने ही अब सही होकर लौटने के बाद गांव वालों का हौसला बढ़ाया है कि कोरोना को हराकर हम वैशाखी भी मनाएंगे और फसल भी काटेंगे। फिलहाल गांव में सन्नाटा पसरा है। गलियों में अगर कुछ दिखाई दे रहा है तो पुलिस और रेहड़ी व ठेलों पर सब्जियों की बिक्री करने वाले विक्रेता।

वैशाखी पर्व से पहले पंजाब के अमृतसर स्थित मानावाला गांव में पारंपरिक पहनावे में ग्रामीण सर्बजीत सिंह मान और उनकी पत्नी गुरविंदर कौर मान ने लोगों को घरों में रहने के लिए इस तरह प्रेरित किया। प्रेट्र

### जिंदगी में पहली बार देखी ऐसी वैशाखी

नकोदर निवासी सर्बजीत सिंह कहते हैं कि जिंदगी में पहली बार ऐसी वैशाखी देखी है। खेतों में गेहूं की फसल लहलहा रही है, लेकिन भंगड़ा व गिद्दे की धूम नहीं है।

### श्रमिकों की कमी, कंबाइन करेगी बेड़ा पार

पंजाब में फसलों की कटाई के लिए हर साल करीब चार लाख श्रमिक बिहार व उत्तर प्रदेश सहित तमाम राज्यों से आते हैं। इस बार ट्रेनों का परिचालन बंद होने से किसानों के सामने सबसे बड़ी समस्या फसलों की कटाई के लिए श्रमिकों की कमी की है। इस कमी को 7600 कंबाइनों व 39000 स्ट्रा रीपर के सहारे पूरा करने की कवायद की जा रही है।

## तीन प्रकार के कोरोना वायरस ने दुनिया में मचा रखी है तबाही

कैंब्रिज यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने दिसंबर से लेकर मार्च तक फैले बेहद संक्रामक कोरोना वायरस के आनुवंशिक इतिहास पर प्रकाश डाला है। इस अध्ययन से पता चला है कि दुनिया भर में तबाही मचाने वाले कोरोना वायरस के तीन प्रकार (स्ट्रेन) हैं, जो एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। चीन से शुरू हुई मौजूदा महामारी का कारण कोरोना का शुरुआती उत्परिवर्तित रूप है, जो जल्द ही ब्रिटेन में फैल गया और अमेरिका मूल भिन्नता वाले वायरस से बेजार है। जानते हैं, इस वायरस के प्रसार का स्वरूप।

### कहां किस टाइप के वायरस का प्रकोप

**टाइप ए:** चमगादड़ और पैंगोलिन में पाए गए वायरस से मिलता है। दो उप-समूह में एक वुहान और दूसरा अमेरिका तथा आस्ट्रेलिया में आम है।

**टाइप बी:** यह वायरस टाइप ए से निकला है। इसका सबसे ज्यादा प्रकोप चीन में ही देखा गया।

**टाइप सी:** यह वायरस टाइप बी की संतति है और सिंगापुर के जरिये से यूरोप तक पहुंचा है।

यही तीन प्रकार के घातक कोरोना वायरस पूरी दुनिया में फैले हुए हैं और अमेरिका चीन में पनपे वायरस के मूल स्ट्रेन से तबाही झेल रहा है।

### चमगादड़ से पहुंचा मानव में

स्ट्रेन के विश्लेषण से पता चलता है कि टाइप ए (मूल वायरस) पैंगोलिन के जरिए चमगादड़ से होते हुए मानव तक पहुंचा। लेकिन चीन में इसका ज्यादा असर नहीं देखा गया बल्कि टाइप बी ज्यादा सक्रिय रहा, जो क्रिसमस से भी पहले से प्रसार में था। निष्कर्ष बताते हैं कि टाइप ए का ज्यादा प्रकोप आस्ट्रेलिया और अमेरिका में रहा। दो-तिहाई अमेरिकी सैंपलों में टाइप ए पाया गया है लेकिन अधिकांश संक्रमित रोगी पश्चिमी तट से आए न कि न्यूयार्क से।

### ब्रिटेन में टाइप बी का प्रकोप

डॉ. पीटर फोर्स्टर और उनकी टीम ने पाया है कि ब्रिटेन में सबसे ज्यादा प्रकोप टाइप बी का है और तीन चौथाई मामलों में यह स्ट्रेन मिला है। स्विट्जरलैंड, जर्मनी, फ्रांस, बेल्जियम तथा नीदरलैंड्स में भी टाइप बी का प्रकोप अधिक रहा। जबकि टाइप बी से निकला टाइप सी - सिंगापुर के जरिए यूरोप तक फैला। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह वायरस विभिन्न आबादी में इम्यून सिस्टम के प्रतिरोध की काट को लेकर लगातार म्यूटेट (उत्परिवर्तित) हो रहा है।

### 40 में से 30 बी टाइप

स्ट्रेन ए और बी दोनों ही जनवरी में अस्तित्व में आए गए थे, जब अमेरिका पहला केस सामने आया। लेकिन इसका यह मतलब नहीं कि ये पहले ही किसी तरह आ गए थे और उसका पता नहीं चल पाया। हालांकि शोधकर्ताओं का कहना है कि चूंकि अध्ययन बहुत ही छोटे पैमाने पर हुआ है, इसलिए कोई ठोस निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है। वहीं, आंकड़े यह भी बताते हैं कि इंग्लैंड में जनवरी के अंत में सामने आए पहले दो केस - यॉर्क यूनिवर्सिटी के छात्र तथा उसकी मां में टाइप ए का संक्रमण था। यह इस बात की ओर इशारा करता है कि उन्हें यह संक्रमण चीन में हुआ। इंग्लैंड, स्कॉटलैंड या वेल्स के किसी अन्य सैंपल में टाइप ए नहीं था। चालीस में से करीब 30 वायरस को टाइप बी बताया गया।

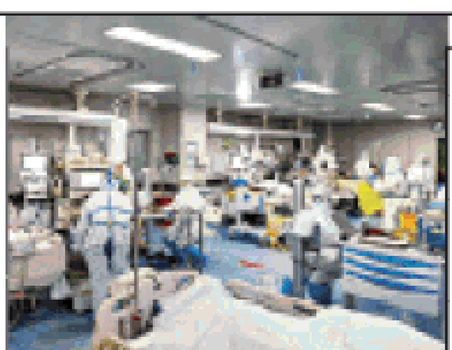

### ऐसे फैला संक्रमण

डॉ. फोर्स्टर बताते हैं कि संभवत: यूके में फैला संक्रमण इटली से जुड़ा हो सकता है लेकिन किसी निष्कर्ष पर पहुंचने के लिए डाटा छोटा है। ब्रिटेन के अन्य केसों में टाइप सी पाया गया है, जो पूर्वी एशिया से जुड़ा हो सकता है। यह भी माना जाता है कि ब्रिटेन में स्टीव बिजनेस कांफ्रेंस के लिए सिंगापुर गए थे और ससेक्स में उन्होंने ही बीसियों लोगों को संक्रमित कर दिया। डॉ. फोर्स्टर का कहना है कि मूल टाइप ए का टाइप बी में म्यूटेशन (उत्परिवर्तन) चीन में हुआ जबकि टाइप बी की संतति टाइप सी चीन के बाहर विकसित हुआ।

### इसका नहीं मिला है जवाब

डॉ. फोर्स्टर यह स्वीकार करते हैं कि वैज्ञानिक इस बात से बेखबर हैं कि टाइप बी कैसे अपने पूर्ववर्ती को पीछे छोड़ कर चीन में ज्यादा प्रसारित हो गया है। उन्हें भरोसा है कि एक दिन इसका भी जवाब मिलेगा। टाइप बी को वुहान के लोगों के इम्यून सिस्टम के लिए ज्यादा सहज पाया गया है और शायद इसी कारण अनुकूलन के लिए उत्परिवर्तन की आवश्यकता नहीं थी। लेकिन वुहान के बाहर तथा अन्य स्थानों के लोगों में भिन्नता बहुत तेजी से उत्परिवर्तित हुई। यह इस बात का संकेत है कि अन्य आबादी में प्रतिरोधी क्षमता से पार पाने के लिए अनुकूलन करता है।

(स्रोत : डेली मेल)

# देशभर में एक दिन में अब तक की सबसे ज्यादा 42 मौतें

**बढ़ती चिंता** ▸ मुंबई में 16 समेत महाराष्ट्र में चौबीस घंटे में 22 लोगों की गई जान, देश में अब तक 323 की मौत

### एक हजार से ज्यादा संक्रमितों वाला तीसरा राज्य बना तमिलनाडु

जेएनएन, नई दिल्ली

कोरोना महामारी से देश में हालात फिलहाल सुधरते नजर नहीं आ रहे हैं। रविवार को देशभर में 42 लोगों की मौत हो गई, जो एक दिन में मृतकों की सबसे बड़ी संख्या है। मृतकों की संख्या सवा तीन सौ से ज्यादा हो गई है। लगभग आठ सौ नए मामले भी सामने आए हैं और संक्रमितों का आंकड़ा नौ हजार को पार कर गया है। लगभग एक हजार लोग स्वस्थ भी हुए हैं। हालांकि, स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक पिछले चौबीस घंटे में देशभर में 909 नए मामले सामने आए हैं और संक्रमितों की संख्या 8,447 हो गई है। 273 लोगों की अब तक जान जा चुकी है जबकि, 765 लोग पूरी तरह स्वस्थ भी हुए हैं। पिछले चौबीस घंटे के दौरान ही 74 लोग स्वस्थ हुए हैं।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और राज्यों से मिले आंकड़ों में अंतर को लेकर अधिकारियों का कहना है कि राज्यों की संबंधित इकाइयों से केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को आंकड़े मिलने में देरी के कारण यह अंतर रहता है। जबकि, कई निजी एजेंसियां सीधे राज्यों से आंकड़े जुटाती हैं। राज्य सरकारों से प्राप्त आंकड़ों के मुताबिक 792 नए केस मिले हैं और संक्रमितों का आंकड़ा 9,144 पर पहुंच गया है। जबकि, उपचार के बाद 996 लोग इस महामारी से पूरी तरह ठीक भी हुए हैं। मृतकों की संख्या 326 हो गई है। रविवार को 45 लोगों की मौत हुई, जिसमें महाराष्ट्र में 22, दिल्ली में पांच, मध्य प्रदेश में चार, तेलंगाना, गुजरात और बंगाल में दो-दो और झारखंड, राजस्थान, पंजाब, आंध्र प्रदेश व तमिलनाडु में एक-एक मौत शामिल है। मुंबई में मरने वालों में छह लोग 60 साल से ज्यादा उम्र के हैं, जबकि 15 की उम्र 40 से 60 वर्ष के बीच थी। राज्य में अब तक 149 लोगों की मौत हो चुकी है।

अगर संक्रमितों के हिसाब से राज्यों की बात करें तो महाराष्ट्र हॉटस्पॉट बना हुआ है। रविवार को राज्य में 221 नए मामले मिले और संक्रमितों का आंकड़ा 1,982 हो गया है। नागपुर में भी 14 नए कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। ये सभी तबलीगी जमात वालों के संपर्क में आने से संक्रमित हुए हैं। महाराष्ट्र के बाद तमिलनाडु में सबसे ज्यादा 106 नए केस मिले हैं और राज्य संक्रमितों का आंकड़ा भी एक हजार को पार कर गया है। कुल संक्रमित 1,075 हो गए हैं।

**राजस्थान में 104 नए केस मिले :** राजस्थान में भी तेजी से मामले बढ़ रहे हैं। रविवार को भी यहां 104 नए मामले सामने आए हैं और संक्रमितों की संख्या 804 हो गई है। गुजरात में 48 नए केस मिले हैं और अभी तक कुल संख्या 516 हो गई है।

**दिल्ली में और 34 जमाती संक्रमित :** दिल्ली में रविवार को भी कोरोना के 85 नए केस सामने आए, जिसमें 34 जमाती हैं। दिल्ली में अब तक कुल 1,154 पाए गए हैं। मध्य प्रदेश में भी 22 नए मामले सामने आए हैं, जिनमें चार जमाती हैं और कुल 569 संक्रमित हो गए हैं।

**उत्तर प्रदेश में पांच सौ के करीब संक्रमित :** उत्तर प्रदेश में भी 34 नए मामले मिले हैं और संक्रमित 488 हो गए हैं। जबकि, 17 नए केस के साथ कर्नाटक में 232, दो नए मामलों के साथ केरल में 373 और 21 नए मामलों के साथ जम्मू-कश्मीर में अभी तक संक्रमितों की संख्या 245 हो गई है। हरियाणा में 16 नए केस पाए गए हैं और पीड़ितों की संख्या 181 पर पहुंच गई है। जबकि, 10 नए मामलों के साथ पंजाब में मरीजों की संख्या 171 हो गई है।

**तेलंगाना में आंकड़ा पांच सौ के पार :** आंध्र प्रदेश में 15 नए मामले मिले हैं और संख्या 420 हो गई है, 16 नए केस के साथ तेलंगाना में कुल संक्रमित 503 हो गए हैं और ओडिशा में भी 10 नए मामले पाए गए हैं और संक्रमितों की संख्या 54 पर पहुंच गई है।

अमृतसर में एक श्मसान को विसंक्रमित करते वाले कार्यकर्ता। संक्रमण के खतरे को देखते हुए कोरोना वायरस के शिकार मृतकों के अंतिम संस्कार में भी विशेष सावधानी बरती जा रही है। एएफपी

### एक दिन में सबसे ज्यादा नए मामलों वाले पांच राज्य

| राज्य | नए मामले | कुल मामले |
|---|---|---|
| महाराष्ट्र | 221 | 1,982 |
| तमिलनाडु | 106 | 1,075 |
| राजस्थान | 104 | 804 |
| दिल्ली | 85 (34 जमाती) | 1,154 |
| उत्तर प्रदेश | 48 | 516 |

### देश में कुल संक्रमित

| राज्य | संक्रमित | राज्य | संक्रमित |
|---|---|---|---|
| महाराष्ट्र | 1,982 | बिहार | 64 |
| दिल्ली | 1,154 | ओडिशा | 54 |
| तमिलनाडु | 1,075 | उत्तराखंड | 35 |
| राजस्थान | 804 | हिमाचल प्रदेश | 32 |
| मध्य प्रदेश | 569 | छत्तीसगढ़ | 31 |
| गुजरात | 516 | असम | 28 |
| तेलंगाना | 503 | चंडीगढ़ | 21 |
| उत्तर प्रदेश | 488 | झारखंड | 19 |
| आंध्र प्रदेश | 420 | लद्दाख | 15 |
| केरल | 375 | अंडमान-निकोबार | 11 |
| जम्मू-कश्मीर | 245 | पुडुचेरी | 8 |
| कर्नाटक | 232 | गोवा | 7 |
| हरियाणा | 181 | मणिपुर | 2 |
| पंजाब | 171 | त्रिपुरा | 2 |
| बंगाल | 122 | मिजोरम | 1 |

## 900 नागरिकों को वापस ले जाएगी ब्रिटिश एयरवेज

**अहमदाबाद, प्रेट्र :** कोरोना वायरस के प्रकोप को रोकने के लिए लागू देशव्यापी लॉकडाउन के कारण गुजरात में करीब 900 ब्रिटिश नागरिक फंस गए हैं। उन्हें ब्रिटेन वापस ले जाने के लिए ब्रिटिश एयरवेज अगले कुछ दिनों में तीन विशेष फ्लाइटों का संचालन करेगी।

अहमदाबाद एयरपोर्ट अथॉरिटी की तरफ से रविवार को जारी बयान के अनुसार, 'सरदार वल्लभभाई पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे ने ब्रिटिश एयरवेज को तीन राहत उड़ानों की अनुमति दी है। तीनों फ्लाइटें क्रमश: 13, 15 व 17 अप्रैल को अहमदाबाद से लंदन के लिए उड़ान भरेंगी। अनुमान है कि एक फ्लाइट में करीब 300 यात्री सवार होंगे। बयान में कहा गया है कि 13 व 15 अप्रैल को विमान लंदन के हिथ्रो हवाईअड्डे से यहां आएंगे और वापस वहीं के लिए रवाना होंगे, जबकि तीसरा विमान 17 अप्रैल को हैदराबाद से अहमदाबाद आएगा और यात्रियों को लेकर लंदन के लिए रवाना हो जाएगा।

एयरपोर्ट अथॉरिटी ने बयान में कहा है कि फ्लाइट में सभी मानकों का ध्यान रखा जाएगा। यात्रियों से सभी निर्देशों का अनुपालन करने का आग्रह किया गया है। हवाईअड्डा निदेशक मनोज गंगेल ब्रिटिश उच्चायोग के संपर्क में हैं।

## डॉक्टरों पर हमला करने वालों पर भड़के अजय देवगन

एंटरटेनमेंट ब्यूरो, मुंबई

कोरोना वायरस से लोहा ले रहे 'योद्धाओं' के सम्मान में बीते दिनों लोगों ने ताली, थाली व शंख बजाकर आभार व्यक्त किया था। वहीं कुछ लोग इस समय डॉक्टरों के साथ बदसुलूकी कर रहे हैं। ऐसे लोगों पर अभिनेता अजय देवगन भड़क गए हैं।

अजय ने रविवार को ट्वीट किया, 'पढ़े लिखे लोग निराधार अनुमानों के आधार पर अपने पड़ोसी डॉक्टर पर हमला कर रहे हैं। ऐसी खबरें पढ़कर निराश और क्रोधित हूं। ऐसे असंवेदनशील लोग सबसे बड़े अपराधी होते हैं।' इसके साथ ही उन्होंने गुस्से वाली इमोजी भी बनाई। उन्होंने हैशटैग करते हुए लिखा, 'घर पर सुरक्षित रहें। भारत कोरोना से लड़ रहा है।' उनके ट्वीट पर फॉलोअर्स ने भी सहमति जताई। एक यूजर ने लिखा, 'आप सही कह रहे हैं सर। इस तरह के लोग सौ प्रतिशत अपराधी हैं।'

एक अन्य ने लिखा, 'इन लोगों को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए।' दरअसल, दिल्ली में हाल ही में एक शख्स ने कोरोना वायरस फैलाने का आरोप लगाते हुए दो डॉक्टरों पर हमला किया था। आरोपित को 24 अप्रैल तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेजा जा चुका है।

हाल ही में अजय देवगन ने मुंबई पुलिस के ट्वीट को साझा करते हुए उसके कार्यों की सराहना की थी। इस पर मुंबई पुलिस ने हाजिरजवाबी का परिचय देते हुए लिखा था, 'प्रिय सिंघम, वंस अपॉन ए टाइम इन मुंबई को दोबारा वापस लाने के लिए हम वही कर रहे हैं जो खाकी को करना चाहिए।'

**फराह खान की बेटी ने बेसहारा पशुओं के लिए जुटाए 70 हजार रुपये :** सितारों के साथ उनके बच्चे भी जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आ रहे हैं। कोरियोग्राफर और फिल्म निर्देशक फराह खान ने रविवार को ट्वीट किया, 'मेरी 12 साल की बेटी आन्या ने पालतू पशुओं के लिए स्केच बनाए और उन्हें एक-एक हजार रुपये में बेचा। इस प्रकार उसने पिछले पांच दिनों में 70 हजार रुपये जुटाए हैं।

इन रुपये का इस्तेमाल बेसहारा पशुओं को खाना खिलाने में किया जा रहा है। उन सभी का शुक्रिया, जिन्होंने स्केच का ऑर्डर दिया और दान किया।'

## उत्तर प्रदेश में एक तिहाई संक्रमितों की संख्या आगरा और नोएडा में

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

कोरोना वायरस के सर्वाधिक कहर के शिकार आगरा में रविवार को मरीजों की संख्या सौ का आंकड़ा पार कर गई। यहां रविवार को 12 नए मरीज मिलने के साथ ही कुल मरीजों की संख्या 104 हो गई है।

> ▸ राज्य में 488 पहुंचा आंकड़ा, तब्लीगी जमात के 277 मिल चुके हैं पॉजिटिव

नोएडा के 64 मरीजों को जोड़ दिया जाए तो सिर्फ इन दोनों शहरों में ही कुल मरीजों की संख्या (168) एक तिहाई से अधिक है। प्रदेश में अब तक 488 मरीज पाए गए हैं।

कोरोना संक्रमित 34 और नए मरीज पाए गए, इसमें से 23 तब्लीगी जमात में शामिल होकर लौटे हैं। तब्लीगी जमात वालों की संख्या अब 277 हो गई है। 575 संदिग्ध मरीजों को विभिन्न अस्पतालों में भर्ती कराया गया व नोएडा में एक और मरीज स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से घर भेजा गया।

इस तरह अभी तक प्रदेश में 46 लोग स्वस्थ हो चुके हैं। कोरोना वायरस का संक्रमण अब तक 41 जिलों में फैल चुका है। जो 34 नए मरीज पाए गए उसमें तब्लीगी जमात के मेरठ में आठ, सहारनपुर में सात, फिरोजाबाद में चार, बागपत में दो और मथुरा व मुजफ्फरनगर में एक-एक मरीज शामिल है। सूबे में 11250 की रिपोर्ट निगेटिव आई है जबकि 122 की आना बाकी है।

**राजस्थान के कुशलगढ़ में सबसे ज्यादा कोरोना संक्रमित :** राजस्थान में कोरोना संक्रमित मरीजों की सर्वाधिक संख्या राजधानी जयपुर में है लेकिन एक छोटा सा कस्बा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की चिंता बढ़ा रहा है। करीब 15 हजार की आबादी वाले कुशलगढ़ कस्बे (बांसवाड़ा जिला) में अब तक 52 कोरोना संक्रमित मिल चुके हैं। इनमें 40 तो पिछले दो दिन में मिले हैं। इनमें से 50 एक ही कॉलोनी के हैं जबकि दो मरीज नजदीकी कॉलोनी के हैं। संक्रमित एक ही समुदाय (बोहरा समुदाय) के हैं। संक्रमितों में दो साल की बच्ची भी शामिल है।

बांसवाड़ा के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. हीरालाल ताबियार के मुताबिक, रविवार सुबह उदयपुर के आरएनटी मेडिकल कॉलेज से मिली रिपोर्ट में कुशलगढ़ में 15 नए संक्रमित मरीज पाए गए। इनमें दो साल के बच्चे से लेकर 84 साल के बुजुर्ग शामिल हैं।

### छग में कुल 31 संक्रमित, इनमें से 22 अकेले कटघोरा इलाके के

**नईदुनिया, कोरबा :** छत्तीसगढ़ के कोरबा जिले का कटघोरा कस्बा तब्लीगी जमात के कारण हॉट स्पॉट बन गया है। कटघोरा की जामा मस्जिद में आए तब्लीगी जमात के 16 लोगों में से एक के संक्रमित पाए जाने के बाद संक्रमण का दायरा लगातार बढ़ रहा है। आलम यह है कि राज्य में कुल संक्रमितों 31 में से 22 कोरोना पॉजिटिव केस कटघोरा में मिले हैं। ये सभी तब्लीगी जमात के संक्रमित युवक के संपर्क में आए थे।

## मुंबई के होटल ताज लैंड्स एंड के कई कर्मचारी आए चपेट में

राज्य ब्यूरो, मुंबई

> ▸ पांच सितारा होटल के करीब पांच सौ कर्मचारी क्वारंटाइन किए गए
>
> ▸ कोरोना से जंग में जुटे डॉक्टरों और नर्सों का आशियाना बना है होटल

कोरोना महामारी ने महानगर के पांच सितारा होटल ताज लैंड्स एंड समेत और दो प्रमुख अस्पतालों को भी अपनी चपेट में ले लिया है। होटल और अस्पताल के कई कर्मचारियों को संक्रमित पाए जाने के बाद अन्य कर्मचारियों को क्वारंटाइन कर दिया गया है।

बांद्रा स्थित होटल ताज लैंड्स एंड के छह कर्मचारी कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं। होटल चलाने वाली कंपनी इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड ने संक्रमित कर्मचारियों की संख्या तो नहीं बताई है, लेकिन यह कहा है कि 500 कर्मचारियों की जांच कराई थी, जिसमें कुछ संक्रमित पाए गए हैं और कुछ में इसके लक्षण नजर आए हैं। संक्रमित और लक्षण वाले कर्मचारियों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जबकि अन्य कर्मचारियों को बांबे अस्पताल में क्वारंटाइन किया गया है। होटल ताज लैंड्स समेत ताज समूह के कई और होटलों में इन दिनों कोरोना रोगियों की सेवा में लगे डॉक्टरों एवं नर्सों के ठहरने की व्यवस्था की गई है।

**जसलोक-भाटिया अस्पताल के कई कर्मचारी भी संक्रमित :** इसके अलावा शहर के जाने माने जसलोक अस्पताल के 11 एवं भाटिया अस्पताल के 14 कर्मचारी भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। इन लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जबकि इनके संपर्क में आए दोनों अस्पताल के अन्य कर्मचारियों को क्वारंटाइन किया गया।

### पुणे में नर्स कोरोना पॉजिटिव

पुणे स्थित निजी अस्पताल रूबी हाल क्लीनिक की 45 साल की एक नर्स को भी कोरोना से संक्रमित पाया गया है। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने अन्य 30 नर्सों को भी क्वारंटाइन कर दिया है। अब तक देशभर में करीब 90 डॉक्टर, नस और पैरामेडिक कर्मचारी कोरोना से संक्रमित पाए गए हैं।

**नया तरीका**

उद्धव सरकार ने पीएम को देशभर में यह जांच पद्धति अपनाने का दिया है सुझाव, ज्यादा केस वाले क्षेत्र रेड जोन में रखे गए, घर-घर की जाएगी जांच

## जांच में तेजी लाने के लिए महाराष्ट्र अपनाएगा 'पूल टेस्टिंग'

ओमप्रकाश तिवारी, मुंबई

कोविड-19 की टेस्टिंग में महाराष्ट्र पूरे देश में सबसे आगे है। पूरे महाराष्ट्र में करीब 40 हजार एवं सिर्फ मुंबई में 20 हजार से अधिक नमूने टेस्ट किए जा चुके हैं। कम खर्च में और अधिक टेस्ट करने के लिए महाराष्ट्र सरकार न सिर्फ स्वयं 'पूल टेस्टिंग' पद्धति अपनाना चाहती है, बल्कि उसने पूरे देश में यह पद्धति अपनाने का सुझाव प्रधानमंत्री को दिया है।

कोरोना प्रसार के शुरुआती दिनों में अधिक भयावह दिख रही पुणे एवं नागपुर जैसे महानगरों में अब स्थिति नियंत्रण में है। लेकिन मुंबई एवं इसके आसपास के क्षेत्रों में अभी भी कोविड-19 पॉजिटिव के अधिक मामले सामने आने के कारण स्थिति गंभीर दिखाई दे रही है। पूरे राज्य के 71 फीसद रोगी इसी क्षेत्र में हैं। मुंबई का झोपड़पट्टी क्षेत्र स्वास्थ्य विभाग के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। क्योंकि इन क्षेत्रों में न सिर्फ एक छोटे कमरे में कई-कई लोग रहते हैं, बल्कि वे सार्वजनिक शौचालयों का उपयोग करते हैं। इसलिए इन क्षेत्रों में कोरोना प्रसार की आशंका ज्यादा है। रविवार को भी एशिया की सबसे बड़ी एवं सघन झोपड़पट्टी धारावी में 15 नए कोविड-19 मामले पाए गए। इसके साथ ही अब धारावी से पाए गए कोविड-19 मामलों की संख्या 43 पर पहुंच गई है। यहां अब तक कोरोना से चार लोग की मौत हो चुकी है।

इन क्षेत्रों में सरकार ने घर-घर जांच करने का फैसला किया है। लेकिन सिर्फ सवा दो वर्ग किलोमीटर में रहने वाली 12 लाख से अधिक आबादी की घर-घर जांच करना आसान नहीं है। इसके लिए सरकार ने पूल टेस्टिंग की योजना तैयार की है। इस तरीके की खोज जर्मनी की प्रोफेसर एरहार्ड एवं प्रोफेसर सैंड्रा सिजेक ने की थी। इसमें कुछ घरों के नमूने एक साथ लेकर उन्हें एक ही टेस्ट ट्यूब में डालकर उनकी सामूहिक टेस्टिंग की जाती है। यदि यह नमूना पॉजिटिव निकला, तो इसमें शामिल सभी लोगों की फिर से अलग-अलग टेस्टिंग की जाती है।

अन्यथा उस पूरे समूह को निगेटिव मान लिया जाता है। इस तरह कम समय एवं कम खर्च में अधिक लोगों की टेस्टिंग की जा सकती है। मुंबई घनी आबादी वाला महानगर तो है। लेकिन सहकारी हाउसिंग संस्थाओं के कारण हर क्षेत्र का रिकॉर्ड सुव्यवस्थित होने के कारण यहां पूल टेस्टिंग करना एवं उनका रिकॉर्ड रखना आसान है। इसलिए राज्य सरकार ने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आइसीएमआर) से टेस्ट की यह पद्धति अपनाने की अनुमति मांगी है।

मुंबई में स्थित एशिया की सबसे बड़ी मलिन बस्ती धारावी में रविवार को स्वास्थ्यर्मियों ने थर्मल स्क्रीनिंग का अभियान चलाया। धारावी कोरोना वायरस का बड़ा हॉटस्पॉट बन गया है। यहां सक्रमितों की संख्या 43 हो गई है। एएनआइ

### प्रदेश के कई जिलों को रेड जोन में रखा गया है

**मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे :** पालघर एवं पुणे आदि क्षेत्रों में ही राज्य के 91 फीसद मामले पाए गए हैं। इनमें सभी जिलों में कोविड-19 के 15 से अधिक मामले पाए गए हैं। इन जिलों को रेड जोन में रखा गया है। रेड जोन वाले जनपदों में भी जिन क्षेत्रों में कोविड-19 के दो या तीन मामले मिल चुके हैं, उन्हें रेड जोन माना गया है। सरकार इन्ही क्षेत्रों में सबकी जांच पर विशेष जोर देना चाहती है। इन क्षेत्रों में भी अभी 70 फीसद मामले कोरोना के लक्षणों से रहित हैं। 25 फीसद मामले अत्यंत सामान्य लक्षणों वाले एवं सिर्फ 5 फीसद मामले अति गंभीर हैं। स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे के अनुसार महाराष्ट्र में कोरोना पॉजिटिव मामलों की बढ़त दर लगभग 13 फीसद है। जबकि मृत्युदर 5.5 फीसद। लेकिन मरनेवालों में भी 90 फीसद मामले पहले से गंभीर बीमारी वाले या वृद्धों के हैं। इसलिए राज्य सरकार मान रही है कि यदि अभी उसके द्वारा निर्धारित रेड जोन में पूल टेस्टिंग की अनुमति मिल जाए तो राज्य में कोविड-19 पर काबू पाया जा सकता है।

## पहली बार नरसंहार दिवस पर बंद रहेगा जलियांवाला बाग

जागरण संवाददाता, अमृतसर : ब्रिटिश सरकार द्वारा 13 अप्रैल 1919 को जलियांवाला बाग में किए गए नरसंहार को 101 साल हो गए हैं। ऐसा पहली बार है जब इस अवसर पर यहां कोई कार्यक्रम नहीं हो रहा है। कोरोना वायरस के कारण जलियांवाला बाग को 15 जून तक पूरी तरह से बंद कर दिया गया है।

बाग के अंदर चल रहे निर्माण कार्य के कारण इसे 15 फरवरी से बंद किया गया था और 13 अप्रैल सोमवार को खोला जाना था, लेकिन कोरोना के कारण उठाए गए एहतियाती कदमों के तहत इस दिन कोई कार्यक्रम नहीं होगा। मालूम हो कि जलियांवाला बाग में 13 अप्रैल 1919 को वैशाखी वाले दिन ब्रिटिश फोर्स ने सभा कर रहे निहत्थे लोगों पर अंधाधुंध गोलियां बरसा दी थीं, जिसमें सैकड़ो लोग शहीद हुए थे। अमृतसर के डिप्टी कमिश्नर कार्यालय में 484 शहीदों की सूची है, जबकि जलियांवाला बाग में कुल 388 शहीदों की सूची है। ब्रिटिश राज के अभिलेख इस घटना में 200 लोगों के घायल होने और 379 लोगों के शहीद होने की बात स्वीकार करते हैं।

देश में जारी लॉकडाउन के बीच हिमाचल प्रदेश के पांवटा साहिब में जरूरतमंदों के लिए राशन पैक करते आरएसएस कार्यकर्ता। स्वयंसेवक क्वारंटाइन सेंटरों में भोजन मुहैया करा रहे हैं। जागरण

## मानवता की सेवा में जुटा है संघ

- क्वारंटाइन सेंटरों में सेवाएं देने के साथ पहुंचा रहे भोजन व राशन
- सेवा भारती के माध्यम से राज्य में हो रहा काम

जेएनएन, नई दिल्ली

आज जब देश कोरोना संकट से जूझ रहा है तो संघ के स्वयंसेवक मानवता की सेवा के लिए मैदान में उतर आए हैं। हिमाचल में 1500 स्वयंसेवक सेवा भारती संस्था और लघु उद्योग भारती के माध्यम सें लोगों की मदद कर रहे हैं। वहीं, उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में भी एक लाख परिवारों की मदद को लक्ष्य बनाकर काम किया जा रहा है।

हिमाचल के क्वारंटाइन सेंटरों में भोजन वितरण व अन्य राज्य के छात्रों की मदद के लिए स्वयंसेवकों ने हाथ बढ़ाया है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रांत प्रचार प्रमुख महीधर प्रसाद ने बताया कि सरकार और प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए 1500 से अधिक कार्यकर्ता सेवा में लगे हैं। इस दौरान शारीरिक दूरी का पूरा ध्यान रखा जा रहा है। क्वारंटाइन केंद्रों में लोगों को भोजन परोसने से लेकर कामगारों को राशन दिया जा रहा है।

**बाहरी छात्रों का भी उठाया जिम्मा :** सोलन जिला के बद्दी में अरुणाचल प्रदेश से पढ़ाई करने के लिए आए 10 विद्यार्थियों का जिम्मा संघ ने उठाया है। इन्हें भोजन, मास्क और सैनिटाइजर उपलब्ध करवाए हैं। नालागढ़, बद्दी, बरोटीवाला व स्वारघाट तक ग्रामीण लोगों और प्रवासी मजदूरों को भोजन और राशन किट उपलब्ध करवाई जा रही हैं।

**1000 को पिलाई चाय और 500 को खिला रहे खाना :** संघ से जुड़ा मेनन परिवार भी मानव सेवा में जुटा है। इस परिवार के दिनेश मेनन बाइक पर मैहतपुर से गगरेट तक एक हजार कप चाय और 200 कप दूध हर आने-जाने वाले को बांटते हैं। सुबह पांच बजे से दोपहर तक यह काम करने के बाद 500 लोगों को भोजन करवाते हैं। जिला ऊना में ही स्वयंसेवक रोजाना 100 से अधिक राशन किट कामगारों व जरूरतमंदों में बांटते हैं। इसके अलावा पतलीकूहल से मनाली तक 1400 राशन किट भी बांटी गई हैं।

**मदद को दिन-रात काम कर रहे स्वयंसेवक :** संघ ने रणनीति तैयार की है और एक लाख परिवारों की मदद का लक्ष्य बनाया। संकल्प को पूरा करने के लिए संघ के अनुषांगिक संगठन सेवा भारती ने महानगर को दो जोन और 19 क्षेत्रों में बांटा है। इसके दायरे में मदद के लिए 73 सेवा बस्तियां चिह्नित की हैं। मदद के कार्य को आशानुरूप अंजाम तक पहुंचाने के लिए सरस्वती शिशु मंदिर पक्कीबाग को आपदा राहत केंद्र बनाया गया है। जहां 40 कार्यकर्ता दिन-रात काम कर राहत सामग्री के पैकेट तैयार कर रहे हैं। हर पैकेट में पांच लोगों के लिए चार दिन की भोजन सामग्री रखी जा रही है। पहले चरण में अब तक 40 हजार राहत पैकेट का वितरण किया जा चुका है।

**हेल्पलाइन भी की जारी :** सेवा भारती की ओर से आमजन के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी की गई है। हेल्पलाइन नंबर 8115853156 और 884064769 पर फोन करके कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति सहायता प्राप्त कर सकता है। केंद्र का संचालन आपदा कार्य के संयोजक, प्रांत सपर्क प्रमुख अरुण प्रकाश मल्ल कर रहे हैं।

# 'लॉकडाउन' से निकलेगी उप्र सरकार, 15 से कामकाज करेंगे मंत्री-अफसर

**तैयारी** ▸ शारीरिक दूरी का पालन करते हुए प्रदेश को फिर पटरी पर लाने का प्रयास

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'जान है तो जहान है' के मंत्र पर चल रही उप्र की योगी सरकार अब प्रदेश को पटरी पर लाने के लिए 15 अप्रैल से लॉकडाउन से बाहर आने वाली है। मंत्री-अफसर शारीरिक दूरी का पालन करते हुए कामकाज संभालेंगे। वरिष्ठ मंत्रियों की छह कमेटियां कार्ययोजना बनाएंगी कि लॉकडाउन में चरमराई आर्थिक, शैक्षिक, चिकित्सीय और सामाजिक व्यवस्था को सधे कदमों के साथ कैसे आगे बढ़ाया जाए।

मुख्यमंत्री ने रविवार देर शाम सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों के साथ बैठक की। उद्देश्य यही था कि लॉकडाउन की स्थिति से कैसे निकलकर आवश्यक गतिविधियों को एहतियात के साथ सुचारु किया जाए। मुख्यमंत्री ने मंत्रियों और शासन के वरिष्ठ अधिकारियों को 15 अप्रैल से कार्यालय में बैठकर अपने-अपने विभागों के आवश्यक कामकाज निपटाने के लिए कहा है। उन्होंने यह भी साफ कर दिया कि लॉकडाउन के बारे में केंद्र सरकार के जो भी दिशा निर्देश होंगे, उनका पालन किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने शिक्षा सहित तमाम क्षेत्रों में रुके हुए कार्य को सुचारु करने के लिए छह कमेटियों का गठन किया है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ फाइल

**घर बैठ ऑनलाइन पढ़ाई, उपज की खरीद खेतों से :** गांव, गरीब और नौजवान के एजेंडे पर चलती रही योगी सरकार ने अब युवा और किसानों के लिए कदम उठाया है। मुख्यमंत्री ने उच्च शिक्षा के छात्रों की ऑनलाइन पढ़ाई के साथ किसानों की उपज खेतों से ही न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीदने के निर्देश दिए हैं। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश के लगभग सभी राज्य विश्वविद्यालयों ने ऑनलाइन पठन-पाठन शुरू कर दिया है। अनेक विषयों का ई-कंटेंट तैयार कर लगातार अपलोड किया जा रहा है, जिन्हें छात्र घर पर ही आसानी से एक्सेस कर सकते हैं।

**फसल की कटाई में नहीं होगी कोई असुविधा :** योगी ने निर्देश दिए कि किसानों को फसल कटाई के लिए आने-जाने में कोई असुविधा न होनी चाहिए। स्थानीय प्रशासन नियमों का सरलीकरण कर उनकी सहायता करे।

### धर्मगुरुओं से करें बात, घर में ही मनें सभी पर्व

मुख्यमंत्री ने कहा कि अग्रिम आदेशों तक किसी भी तरह के धार्मिक, सांस्कृतिक या सामाजिक कार्यक्रम को सार्वजनिक रूप से आयोजित न किया जाए। आमजन घर पर ही धार्मिक अनुष्ठान करें। कई महत्वपूर्ण पर्व आने वाले हैं। प्रशासन व पुलिस धर्मगुरुओं व अन्य गणमान्य व्यक्तियों से संपर्क कर सभी पर्व घर में ही मनाने अपील कराएं।

## कोरोना वायरस को झटका देगा थर्मल शॉक सिस्टम

- महामारी से जंग के लिए आइआइटी ने बनाया एक और हथियार
- डिसइंफेक्टेंट चैंबर भी बनाया, नर्सिंग होम और सेना ने की मांग
- आधुनिक तरीके से लोगों को सैनिटाइज करेंगे उपकरण

आइआइटी कानपुर फाइल फोटो

जागरण संवाददाता, कानपुर

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) कानपुर के विशेषज्ञ कोरोना वायरस से जंग में नए-नए हथियार बनाने में जुटे हुए हैं। इस कड़ी में विशेषज्ञों ने थर्मल शॉक सिस्टम तैयार किया है जो कोरोना को झटका देगा। इसके अलावा आइआइटी ने सैनिटाइजेशन के लिए डिसइंफेक्टेंट चैंबर भी तैयार किया है। सेना और शहर के दो नर्सिंग होम ने इन उपकरणों की मांग की है।

संस्थान के इंडस्ट्रियल मैनेजमेंट एंड इंजीनियरिंग (आइएमई) विभाग ने डिसइंफेक्टेंट चैंबर और थर्मल शॉक सिस्टम का प्रोटोटाइप बनाया है। ये दोनों ही उपकरण आधुनिक तरीके से लोगों को सैनिटाइज करेंगे। संस्थान की ओर से इसकी टेस्टिंग परिसर में स्थित हेल्थ सेंटर में शुरू की गई है। आइएमई के प्रो. दीपू फिलिप्स ने टीम के साथ इन दोनों उपकरणों को विकसित किया है।

उपनिदेशक प्रो. एस गणेश ने बताया कि दोनों उपकरण-अलग अलग हैं। डिसइंफेक्टेंट चैंबर में सैनिटाइज करने वाले केमिकल्स हैं। उपकरण सेंसर पर आधारित है। इसमें कुछ भी छूने की आवश्यकता नहीं है। थर्मल शॉक सिस्टम तापमान के जरिए कोरोना से बचाएगा। थर्मल शॉक 65 से 70 डिग्री सेल्सियस का रहता है मगर, शरीर को कुछ भी महसूस नहीं होता है। सेना के साथ ही स्वरूप नगर और काकादेव स्थित नर्सिंगहोम ये उपकरण चाहते हैं। संस्थान इनकी कीमत निर्धारित कर रहा है। निदेशक प्रो. अभय करंदीकर ने कहा कि संस्थान के विशेषज्ञों ने काफी बेहतर तकनीक विकसित की है। सेना इनकी मांग कर चुकी है।

## शजा व जोया मोरानी ने जीती कोरोना से जंग, घर लौटीं

मुंबई, प्रेट्र : फिल्म निर्माता करीम मोरानी की बेटियों शजा व जोया मोरानी ने कोरोना वायरस से जंग जीत ली है। दोनों का कोरोना टेस्ट निगेटिव आया है। इसके बाद उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। हालांकि, करीम मोरानी अभी अस्पताल में उपचाराधीन हैं। शजा मार्च के पहले हफ्ते में श्रीलंका से वापस आई थीं, जबकि जोया मार्च मध्य में राजस्थान से लौटी थीं। कोरोना संक्रमण की पुष्टि के बाद सात अप्रैल से दोनों अलग-अलग अस्पतालों में उपचाराधीन थीं।

जोया ने कहा कि दो बार उनकी टेस्ट रिपोर्ट निगेटिव आई है। उन्होंने खास बातचीत में कहा, 'मैं उन डॉक्टर, नर्स और अस्पताल के स्टाफ की शुक्रगुजार हूं, जिन्होंने मेरे स्वास्थ्य का पूरा खयाल रखा। आप हमेशा मेरी प्रार्थना में शामिल रहेंगे। घर लौटने की खुशी को शब्दों में नहीं बयां कर सकती। ऊपरवाला महान है।'

उन्होंने कहा कि सरकार सराहनीय कार्य कर रही है और सभी के स्वास्थ्य और सुरक्षा का पूरा ध्यान रख रही है। जोया ने कहा, 'मीडिया और सोशल मीडिया पर शुभकामना देने वालों को बहुत धन्यवाद। कृपया सुरक्षित रहें और नियमों का पालन करें, क्योंकि हमें सुरक्षित रखने के लिए बहुतों ने अपनी जिंदगी दांव पर लगा दी है। आइए, हम उनकी मदद करें।'

## शिशुओं को कोरोना से बचाने में मदद करेगा मां का दूध

- मां के दूध में होती है रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने की क्षमता
- प्रसव के बाद मां को यही जानकारी दे रही हैं स्त्री रोग विशेषज्ञ

मनीष मिश्रा, प्रयागराज

शिशुओं को कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाने में मां का दूध सर्वोत्तम आहार है। यदि शिशु मां का दूध पी रहा है तो कोविड-19 उससे दूर ही रहेगा। मां का दूध शिशु में रोग प्रतिरोधक शक्ति बढ़ाने की क्षमता रखता है। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के निर्देशन में डॉक्टर प्रसव के बाद महिलाओं को यही सीख दे रहे हैं। डॉक्टरों के मुताबिक, रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होने से शिशु में कोरोना संक्रमण का खतरा हो सकता है।

दरअसल, कोरोना वायरस का संक्रमण किसी भी उम्र के लोगों में हो सकता है। ऐसे में शिशुओं पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है। परहेज व सतर्कता से हर व्यक्ति खुद को रोग से बचाने का प्रयास कर सकता है लेकिन, शिशु ऐसा नहीं कर सकते। ऐसे में डॉक्टर सुझाव दे रहे हैं कि मां स्तनपान कराकर शिशुओं को कोरोना के संक्रमण से बचा सकती हैं।

मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज में स्त्री एवं रोग विभाग की अध्यक्ष डॉ. अमृता चौरसिया कहती हैं कि प्रसव के एक घंटे के भीतर नवजात को मां का पहला गाढ़ा पीला दूध अवश्य पिलाना चाहिए। यही पहला टीका होता है, जो कि विभिन्न संक्रमण से शिशु को बचाता है। मां के दूध में एंटीबॉडीज होते हैं, जो कि शिशु की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं। जन्म से छह माह तक बच्चे को सिर्फ मां का ही दूध देना चाहिए, वही उसका संपूर्ण आहार है। यदि मां में छींक या खांसी के लक्षण हैं तो वह मुंह पर मास्क लगाकर स्तनपान कराए और स्तनपान के बाद शिशु को परिवार के किसी अन्य सदस्य को दे दें।

बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. कुसुम कहती हैं कि छह माह से बड़े बच्चों को स्तनपान कराने के साथ पूरक आहार देना भी शुरू करना चाहिए क्योंकि यही समय होता है जब उसका शारीरिक व मानसिक विकास होता है। इस दौरान दाल, दूध व दुग्ध निर्मित पदार्थ, मौसमी फल और हरी सब्जियां भी खिलानी चाहिए।

### कोरोना का पुतला कर रहा जागरूक...

कोरोना वायरस से बचाव के प्रति जागरूकता के लिए देश में विभिन्न तरीके अपनाए जा रहे हैं। इसी क्रम में तेलंगाना में एक सड़क पर कोरोना वायरस का पुतला लगाया गया है। इस पर लोगों से घरों में ही रहने की अपील वाला संदेश लिखा गया है। एएनआइ

## 21.17 लाख ने बुक कराया टिकट, 3.38 लाख ने कराया रद

दीपक बहल, अंबाला

14 अप्रैल के बाद लॉकडाउन खत्म होने की उम्मीद पर देशभर में करीब 21 लाख 17 हजार यात्रियों ने अपना टिकट बुक कराया। इन्हें 30 अप्रैल तक यात्रा करनी है। अब जबकि लॉकडाउन का बढ़ना तय माना जा रहा है, ऐसे लोगों को निराशा हाथ लगी है। करीब तीन लाख 38 हजार यात्रियों ने तो खुद ही टिकट रद करा लिया है।

दरअसल, पिछले दिनों इस बात की चर्चा जोरों पर थी कि रेलवे ट्रेनों का परिचालन शुरू करने की तैयारी कर रहा है। यही कारण है कि बड़ी संख्या में लोगों ने अपने टिकट कराए। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि युद्ध के समय भी ट्रेनों का परिचालन नहीं रुकता, लेकिन कोरोना से बचाव का विकल्प ही घरों में रहना है। सरकार जब हरी झंडी दिखा देगी तब समय आने पर ट्रेनें चलेंगी, फिलहाल 30 अप्रैल तक ट्रेनों का चलना संभव नहीं दिख रहा। हालांकि, विभिन्न जोनों को चिह्नित किया गया है कि वहां ट्रेनें चल सकती है या नहीं।

प्रतीकात्मक

**लाखों टिकट पहले हो चुके हैं रद :** लॉकडाउन की घोषणा से पहले ही लोग टिकट रद कराने लगे थे। 15 मार्च को तीन लाख आठ सौ 70 लोगों ने अपने टिकट रद कराए, जिनका लगभग 23.54 करोड़ रुपये रिफंड किया गया। 16 मार्च को 400876 यात्रियों के टिकट रद करवाने पर 45 करोड़ 98 लाख 45 हजार 867 रुपये वापस दिए गए थे। 17 मार्च को टिकटों का रद करने का आंकड़ा 4,05,000 तक पहुंच गया है, जिसका रिफंड 46 करोड़ 82 लाख 29 हजार 428 रुपये किया गया था। इस तरह आंकड़ा बढ़ता गया था। रेलवे ने खुद भी देशहित में सैंकड़ों ट्रेनों को रद किया था।

**रखें ध्यान**

पंजाब के स्वास्थ्य विभाग ने इसे मंजूरी देने से किया इन्कार, डॉ. राज बहादुर ने कहा, सोडियम हाइपोक्लोराइट से आंख व त्वचा को नुकसान

## सैनिटाइजर चैंबर में सोडियम हाइपोक्लोराइट का प्रयोग हानिकारक

प्रदीप कुमार सिंह, फरीदकोट

कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए जगह-जगह सैनिटाइजर चैंबर लगाए जा रहे हैं, लेकिन पंजाब के स्वास्थ्य विभाग ने इसमें पानी के साथ सोडियम हाइपोक्लोराइट के इस्तेमाल को मंजूरी देने से मना कर दिया है। विभाग का कहना है यह स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक है। इससे त्वचा रोग होने के साथ ही आंखों को भी नुकसान पहुंच सकता है। विशेषज्ञ डॉक्टरों का कहना है कि लोग इसका छिड़काव सूट, चश्मा, दस्ताने व मास्क पहने बिना कर रहे हैं जो घातक हो सकता है।

राज्य के स्वास्थ्य सचिव अनुराग अग्रवाल की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय बैठक में सैनिटाइजर चैंबरों में सोडियम हाइपोक्लोराइट के इस्तेमाल पर चर्चा हुई। बैठक में शामिल बाबा फरीद मेडिकल यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. राज बहादुर ने कहा कि इस केमिकल का स्प्रे के रूप में इस्तेमाल ठीक नहीं है। यदि इसकी मात्रा कम रखी जाती है तो कोरोना वायरस पर बिल्कुल असर नहीं पड़ेगा और मात्रा ज्यादा रखी जाती है तो यह व्यक्ति की त्वचा व आंख के लिए हानिकारक है। इसीलिए मानव के ऊपर सीधे इसके स्प्रे को बैठक में मंजूरी नहीं मिली। शीघ्र ही प्रदेश सरकार इस संबंध में निर्देश जारी करेगी।

फरीदकोट में सैनिटाइजर चैंबर बनाने वाले एक कारीगर ने बताया कि पंजाब में चैंबर बनाने की तकनीक गुजरात से ली गई है। वहां के कैंसर अस्पताल में लगे सैनिटाइजर चैंबर में पानी में आइसोप्रोफाइल अल्कोहल मिलाकर छिड़काव किया जाता है, लेकिन यह महंगा पड़ता है और उसकी उपलब्धता भी कम है।

**त्वचा जल जाती है : डॉ. प्रीतपाल**

बाबा फरीद स्पेशल चिल्ड्रेन अस्पताल के प्रमुख डॉ. प्रीतपाल सिंह ने बताया कि सोडियम हाइपोक्लोराइट इतनी तेजी से रिएक्ट करता है कि इससे मेटल में भी छेद हो सकता है। कपड़े पर जहां गिरता है वहां कपड़ा जल जाता है। त्वचा भी जल जाती है और दाद जैसे निशान हो जाते हैं। आंख के लिए तो हानिकारक है ही।

प्रतीकात्मक

### सोडियम हाइपोक्लोराइट से होती है जगह की सफाई : डॉ. चन्द्रशेखर

फरीदकोट के एसएमओ डॉ. चन्द्रशेखर ने बताया कि सोडियम हाइपोक्लोराइट एक क्लोरिन यौगिक है। यह संक्रमित क्षेत्र या जगह की सफाई के लिए इस्तेमाल किया जाता है। हॉस्पिटल में कोरोना संक्रमित या क्लीनिकल एरिया में झाड़ू नहीं लगाया सकता है। झाड़ू लगाने से धूल के कणों के साथ वायरस के कहीं और पहुंचने की आशंका होती है, इसलिए पानी में सोडियम हाइपोक्लोराइट मिलाकर पोंछा लगाया जाता है।

## गरीबों को मास्क और राशन वितरित कर रही दिव्यांगों की टोली

जागरण संवाददाता, मुरादाबाद

लॉकडाउन में चप्पल और वाशिंग पाउडर बनाने का काम बंद होने पर उप्र के मुरादाबाद स्थित हमीरपुर के दिव्यांग सलमान ने अपनी टीम के साथ लोगों की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। दिव्यांगों की टोली मास्क तैयार कर गरीबों को मुफ्त में बांट रही है। घर-घर जाकर लोगों को मास्क देने के साथ ही कोरोना से जागरूकता के लिए पर्चे भी बांटे जा रहे हैं। राशन के पैकेट भी बांट रहे हैं। इसमें उनके दिव्यांग साथी मदद कर रहे हैं। अब तक 200 जरूरतमंदों को राशन पहुंचा चुके हैं। ये वही दिव्यांग सलमान खान हैं, जिन्होंने चप्पल और डिटरजेंट बनाने की फैक्ट्री डालकर 35 दिव्यांगों को रोजगार से जोड़ा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 22 फरवरी को मन की बात में सलमान के हौसले का जिक्र किया था। लॉकडाउन में चप्पल बनाने की फैक्ट्री भी बंद पड़ी है। सलमान ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुझे हिम्मत दी। उनकी प्रेरणा के बाद कोरोना से जंग में मैं पूरी टीम के साथ जुट गया हूं।

### खुद ही मास्क बनाकर स्टाफ को नि:शुल्क बांट रहीं नर्स

अलीगढ़ : मन में करने की ललक हो तो कुछ भी असंभव नही। अलीगढ़ जिला अस्पताल की सीनियर नर्स राधा रानी ने यह साबित कर दिया है। अस्पताल में मास्क की किल्लत हुई तो डॉक्टर व स्टाफ के लिए खुद सिलाई मशीन लेकर बैठ गई और 400 से ज्यादा मास्क बना डालें। अस्पताल कर्मियों, मरीजों व तीमारदारों को मुफ्त बांटे। बताया कि सुबह नौ बजे से मास्क की सिलाई शुरू कर देती हूं। सप्ताहभर में 400 से ज्यादा मास्क बन गए।

## कोरोना ने खोली वर्क फ्रॉम होम की राह

कोरोना महामारी की वजह से भारत में भी वर्क फ्रॉम होम का कल्चर तेजी से बढ़ा है। कई कंपनियों ने लॉकडाउन के पहले से ही बड़ी संख्या में अपने कर्मचारियों को वर्क फ्रॉम होम पर भेज दिया था। नतीजतन आज भी कई कंपनियों के ऐसे कामगार लॉकडाउन के बावजूद काम कर रहे हैं। उत्पादकता बनी हुई है। अभी तक कामकाज के इस नए तरीके से कतरा रही कंपनियां अब संभावनाएं तलाशने लगी हैं। लाभ का सौदा होने की बात भी कर रही हैं, खासकर आइटी-बीपीओ, टेलीकॉलिंग, डाटा क्रिएशन, एनालिसिस से जुड़ी कंपनियां। जानकारों का कहना है कि जिस तरह कंपनियां कामकाज के नए तरीकों पर फोकस कर रही हैं, वैसे ही कामगारों को भी सतर्क होना पड़ेगा। उन्हें घर पर रहकर काम करने की इस विधा में खुद के लिए कुछ बेंचमार्क तय करने होंगे। आइए, जानते हैं अपने देश में वर्क फ्रॉम होम की मौजूदा स्थिति और वे न्यूनतम मानक जिनके तहत कामगार बेहतर आउटपुट देकर अपनी सार्थकता बनाए रख सकते हैं।

हमारे यहां 13 हजार से अधिक कामगार हैं। वर्क फ्रॉम होम के तहत हमारे कर्मचारी बेहतर काम कर रहे हैं। कोरोना की वजह से एक नए रास्ते पर गंभीरता से विचार करने का मौका मिला है। एक बार स्थितियां संभले तो हम अपने 30 फीसद तक के वर्कफोर्स को वर्क फ्रॉम होम में कनवर्ट करने की सोच रहे हैं। ऐसा करने से कर्मचारियों के वेतन के डेढ़ गुना तक दफ्तर पर पड़ने वाला अतिरिक्त लोड कम हो जाएगा।

सरबवीर सिंह, सीईओ, पॉलिसी बाजार डॉट कॉम

प्रति कामगार 24 हजार डॉलर के आसपास का खर्च अभी आता है, लेकिन वर्क फ्रॉम होम करने के बाद काम की गुणवत्ता भी बढ़ेगी और खर्च भी 18-20 हजार डॉलर तक नीचे आएगा। यह एक बेहतर मौका साबित होने जा रहा है।

रोहित कपूर, सीईओ-ईएक्सएल सर्विसेज

**29** लाख : आइटी-बीपीओ कंपनियों से जुड़े लगभग इतने कामगारों ने अपनाया वर्क फ्रॉम होम

**61%** एक अध्ययन के मुताबिक भारतीय कामगार नौकरी के लिए सफर से बचना चाहते हैं ताकि बेहतर आउटपुट दे सकें

**57%** ग्लोबल रिसर्च कंपनी आइपीएसओएस ने अध्ययन में पाया कि बीच-बीच में इतने भारतीय कर्मचारी फोन से ही काम चलाते हैं जबकि इनमें से एक तिहाई अक्सर दफ्तर नहीं जाते

**16%** दुनियाभर की कंपनियां केवल वर्क फ्रॉम होम के लिए हायर करती हैं

**88%** दुनियाभर की कंपनियों ने कोरोना महामारी के बाद वर्क फ्रॉम होम को दी मंजूरी

### ऑफिस की फीलिंग जरूरी है

वर्क फ्रॉम होम को सफल बनाने के लिए जरूरी है आप हर दिन के काम की पूरी लिस्ट बनाएं और उसे शाम को चेक करें कि आपने सारे काम पूरे कर लिए हैं या नहीं। दूसरी बात यह है कि घर पर आप ऑफिस जैसा माहौल बनाएं। संभव हो तो अपने एक रूम या बालकनी या लिविंग रूम को इस तरह की शक्ल दें जिससे आपको काम करते हुए बिल्कुल ऑफिस जैसा फील हो। ऐसा करने से काम में मन लगेगा और लक्ष्य साधने में आसानी होगी।

### नौकरी कैसे मिलेगी

श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के अधीन संचालित नेशनल करियर सर्विस के पोर्टल पर वर्क फ्रॉम होम की सुविधा देने वाली नौकरियां उपलब्ध हैं। अगर आप भी जॉब नहीं कर रहे हैं या जॉब की तलाश में हैं तो आप नेशनल करियर सर्विस पर रजिस्टर कर घर बैठे रोजगार पा सकते हैं और पैसे कमा सकते हैं। इसी तरह कई निजी कंपनियों ने निजी स्तर पर भी वर्क फ्रॉम होम की सुविधा दी है।

### टीम के संपर्क में रहना भी जरूरी

अपने घर से काम करते समय भी आपको अपने सहकर्मियों के साथ संपर्क में रहना चाहिए। दूसरी बात यह है कि ऑफिस के कामकाज से संबंधित बातचीत करने के लिए डिजिटल संचार माध्यम का उपयोग करना चाहिए। ईमेल की बजाय फोन, वीडियो चैट या ग्रुप मीटिंग भी कर सकते हैं। इससे हम खुद को अलग-थलग महसूस नहीं करते और टीम स्पीरिट बनी रहेगी।

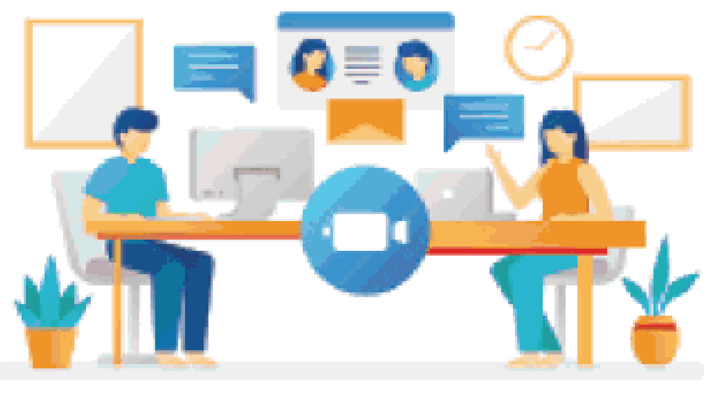

नैसडैक में लिस्टेड बीपीओ और एनालिटिक्स कंपनी ईएक्सएल के लगभग 32 हजार कर्मचारियों में से 70 फीसद घर से काम करने लगे।

भारत सरकार के निर्देश के बाद टीसीएस ने भी इस दिशा में कदम बढ़ाया और लॉकडाउन के बाद भी वर्क फ्रॉम होम का झंडा बुलंद रखने की बात कह रही हैं।

### घर से काम और घर का काम

घर से काम और घर के काम को लेकर ईमानदार होना जरूरी है। इन दोनों में जब तक भेद नहीं करेंगे, अपेक्षित रिजल्ट नहीं मिलेगा और न ही आप काम के साथ न्याय कर पाएंगे। वर्क फ्रॉम होम के दौरान आप अपने काम के समय को लेकर स्पष्ट रहें। आप ऑफिस जाने के बाद एक निर्धारित समय तक काम करते हैं, वैसे ही आप घर से भी निर्धारित समय में ही काम करें। उस काम के बीच में डिस्टर्ब न हों, न कोई और काम करें। नेशनल करियर सर्विस की सलाह तो यहां तक है कि ऑफिस के समय में केवल ऑफिस का काम करें। मतलब घर से भी काम करते समय आप ऑफिस का काम करने में गंभीरता दिखाएं उसको हल्के में बिल्कुल न लें।

# अब ड्रोन करेंगे सैनिटाइजेशन और रोबोट संभालेंगे आइसोलेशन वार्ड

**तकनीक** ▶ कोरोना वायरस से जारी लड़ाई में उतरे इनोवेटर

### आइआइटी व अन्य संस्थानों ने विकसित किए कई उपकरण

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई को मजबूती देने के लिए कई संस्थानों और स्टार्टअप्स ने प्रभावशाली उपकरणों का विकास किया है। इनमें कम कीमत वाले पोर्टेबल वेंटिलेटर से लेकर सैनिटाइजेशन का काम करने वाले ड्रोन और आइसोलेशन वार्ड में मरीजों तक खाना व दवा पहुंचाने वाले रोबोट, नकदी व खाने पीने की चीजों को सैनिटाइज करने वाले यूवी तकनीक से लैस ट्रंक शामिल हैं।

देश में कोरोना की शुरुआत के बाद से ऐसे कई आइडिया को आकार दिया जा चुका है। इनमें अस्पताल में इस्तेमाल किया जा सकने वाला संक्रमणरोधी फैब्रिक, कम कीमत वाला कोरोना वायरस टेस्टिंग किट, संक्रमित लोगों के लिए आइसोलेशन पॉड, पारंपरिक ऑक्सीजन मास्क के विकल्प के तौर पर बबल हेलमेट तथा सोशल डिस्टेंसिंग का उल्लंघन करने पर शोर मचाने वाली पायल शामिल हैं। आइआइटी और भारतीय विज्ञान संस्थान (आइआइएस) बेंगलुरु ने कई मोबाइल एप विकसित किए हैं, जिनमें गो कोरोना गो और संपर्क ओ मीटर शामिल हैं। ये एप क्वारंटाइन का उल्लंघन करने वाले का पता लगाने के साथ-साथ यह भी बता देते हैं कि उसके संपर्क में आने का खतरा कितना है।

इस समय 20 तकनीकी और विज्ञान संस्थान कोरोना वायरस की वैक्सीन बनाने में जुटे हैं। इस बीच प्रमुख भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आइआइटी) कोरोना वायरस विशेष शोध केंद्र की स्थापना कर चुके हैं। इसका उद्देश्य कोरोना वायरस से जुड़े शोधों को बढ़ावा देना है। आइआइटी गुवाहाटी के निदेशक टीजी सीताराम ने बताया, 'संस्थान के एक समूह ने जहां बड़े क्षेत्र को सैनिटाइज करने वाला ड्रोन विकसित किया है, वहीं दूसरे समूह ने इंफ्रारेड कैमरे से लैस एक अन्य ड्रोन तैयार किया है। यह ड्रोन भीड़भाड़ वाले इलाके में भी स्कैनिंग करके कोरोना संक्रमित लोगों की पहचान कर सकता है। इसमें लाउडस्पीकर भी है।'

आइआइटी रोपड़ ने ट्रंक के आकार का एक ऐसा उपकरण तैयार किया है, जिसमें अल्ट्रावायलेट जर्मिसिडल ईरैडिएशन टेक्नोलॉजी लगी हुई है। इसे दरवाजे पर रखना होगा और बाहर से आने वाली राशन सामग्री व रुपये आदि को इसके जरिये 30 मिनट में सैनिटाइज किया जा सकेगा। उत्पादन शुरू होने पर इसकी कीमत 500 रुपये से भी कम होगी। आइआइटी बांबे के स्टार्टअप ने डिजिटल स्टेथोस्कोप तैयार किया है जो दूर से ही हार्टबीट सुनकर उसे रिकॉर्ड कर लेता है। इससे मरीजों की जांच करने वाले डॉक्टरों में कोरोना संक्रमण का खतरा कम हो जाएगा।

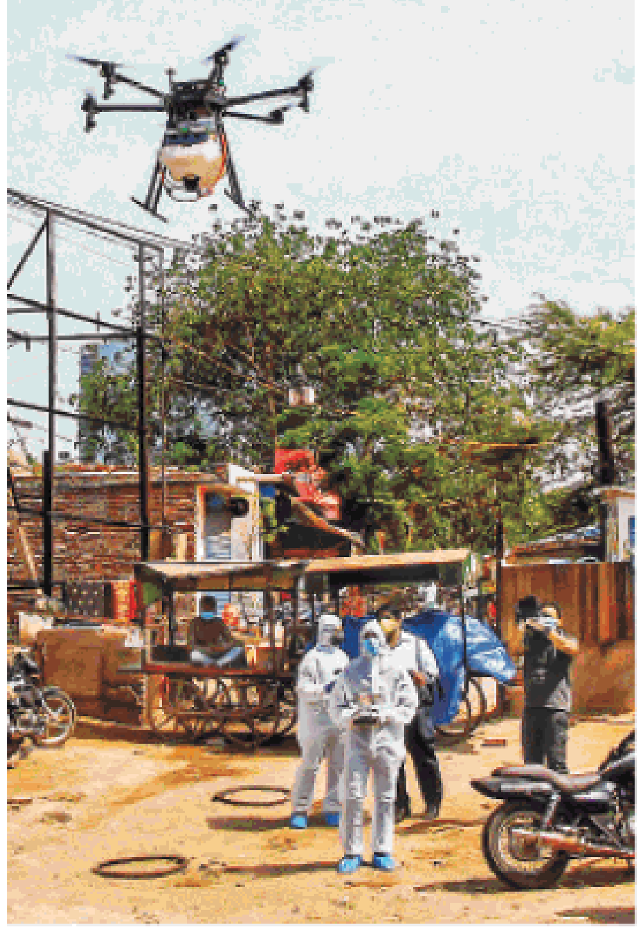

कोरोना वायरस के संक्रमण पर नियंत्रण के लिए दवाओं के छिड़काव में ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है। यह तस्वीर नोएडा के सेक्टर-16 स्थित मलिन बस्ती की है। प्रेट्र

## लॉकडाउन के दौरान भी मुस्कुराएगा लखनऊ

**जागरण संवाददाता, लखनऊ :** लॉकडाउन के दौरान लोगों में किसी तरह का मनोविकार न आए, घर पर प्रसन्न भाव से समय बिताएं, इसके लिए यूनिसेफ और राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) ने सार्थक कदम उठाए हैं। पहले चरण में मुस्कुराएगा इंडिया की तर्ज पर अब मुस्कुराएगा लखनऊ शुरू किया जाएगा। इसके बाद इस प्रयास को प्रदेशभर में अमल में लाया जाएगा।

दरअसल, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी विश्वविद्यालयों को मुस्कुराएगा इंडिया थीम पर काम करने के दिशा-निर्देश जारी किए हैं। इस प्रयास को सार्थक बनाने में यूनिसेफ और एनएसएस की भूमिका महती मानी जा रही है। संस्थाओं के प्रोग्राम अफसरों और कोऑर्डिनेटर लोगों में तनाव तथा बोरियत दूर करने के उपाय बताएंगे। इसके लिए इन प्रोग्राम कोऑर्डिनेटरों को लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के शिक्षकों की ओर से प्रशिक्षण दिया जाएगा।

**नंबर किए जाएंगे जारी :** लखनऊ विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग की शिक्षक डॉ. मानिनी श्रीवास्तव ने बताया कि इस संबंध में एनएसएस के 125 प्रोग्राम अधिकारियों और समन्वयकों की ऑनलाइन बैठक हुई है। फैसला हुआ कि लॉकडाउन के दौरान लोग कैसे तनाव रहित रहें। इन दिनों को मुस्कुराते हुए बिताएं, इन टिप्स पर उन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा।

## डॉक्टर से एक्टर बने आशीष कर रहे कोरोना मरीजों का इलाज

▶ कहा, संकट के समय कोरोना पीड़ितों का इलाज करना फर्ज

**मुंबई, प्रेट्र :** डॉक्टर से अभिनेता बने आशीष गोखले ने कोरोना की वैश्विक आपदा को देखते हुए एक निजी अस्पताल में नोवल कोरोना से संक्रमित मरीजों का इलाज करना शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि अभिनय ही उनका पहला प्यार है और वह हमेशा रहेगा, लेकिन संकट के ऐसे समय में वह कोरोना पीड़ितों का इलाज करना अपना फर्ज समझते हैं और वह ऐसा दिन-रात कर रहे हैं।

आशीष गोखले ने रविवार को बताया कि वह जुहू के एक निजी अस्पताल में नौकरी करने के साथ ही अभिनय के क्षेत्र में अपना काम जारी रखा। लॉकडाउन से पहले भी वह दिन में शूटिंग करते थे और रात में अस्पताल में काम करते थे। लेकिन अब में दिन-रात कोरोना के मरीजों की ही देखभाल कर रहा हूं। मैं लोगों की जान बचाना चाहता हूं और उन्हें इस संक्रमण से छुटकारा दिलाना चाहता हूं।

31 वर्षीय गोखले ने कहा कि संकट के इस समय में डॉक्टर ही असली हीरो हैं। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन बेहद जरूरी है, क्योंकि वायरस तभी संक्रमण फैलाता है, जब लोग एक जगह से दूसरी जगह पर जाते हैं। अगर हम कहीं जाएंगे ही नहीं तो वायरस अपने आप ही मर जाएगा। संक्रमित व्यक्ति को आइसोलेट और क्वारंटाइन करना ही इस संक्रमण को

आशीष गोखले। (फाइल)

रोकने का अकेला तरीका है। अगर हमने लॉकडाउन का पालन नहीं किया तो यह महामारी 2025 तक जारी रहेगी। आशीष ने बताया कि वे पिछले 25 मार्च से अस्पताल से घर नहीं गए हैं और लगातार डबल शिफ्ट कर रहे हैं।

टीवी सीरियल 'तारा फ्रॉम सतारा', 'कुमकुम भाग्य' में काम कर चुके आशीष ने अक्षय कुमार की फिल्म 'गब्बर इज बैक' और मराठी फिल्म 'मोगरा फुलाला' में भी काम किया है। वर्ष 2015 से पहले आशीष गोखले महाराष्ट्र के कोंकण इलाके में मेडिसिन की प्रेक्टिस करते थे। लेकिन पांच साल पहले गोखले ने अपना बेस मुंबई बना लिया और जीटीवी के कुमकुम भाग्य सीरियल से अपना डेब्यू किया।

# कोरोना संकट में वन विभाग बस्तर के जंगलों में तलाश रहा जड़ी-बूटी

**रोशन सेन, कांकेर**

▶ माकड़ी के बागबेड़ा में वैद्य के घर पहुंचे राज्य वन औषधि पादप बोर्ड के एमडी

▶ आदिवासी वन औषधियों को मानते हैं दैवीय उपकार, उपचार मुफ्त में करते हैं

छत्तीसगढ़ स्थित बस्तर के जंगलों में ऐसी वन औषधियां पाई जाती हैं जो व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता (इम्यूनिटी) बढ़ाती हैं। कोरोना संकट के दौर में अब प्रदेश का वन विभाग बस्तर की जड़ी बूटियों की खोज में जुट गया है। छत्तीसगढ़ राज्य वन औषधि पादप बोर्ड के एमडी, पीसीसीएफ जेसीएस राव खुद बस्तर के जंगलों में वनौषधियों की तलाश करा रहे हैं। वन विभाग इस काम में ऐसे आदिवासियों की मदद ले रहा है जो परंपरागत ज्ञान के आधार पर इन औषधियों से उपचार करते हैं।

कोंडगांव जिले के बागबेड़ा गांव में बबलू नेताम का परिवार पीढ़ियों से वन औषधियों से लोगों का उपचार करता आ रहा है। पूर्वजों के समय से नेताम परिवार की यह परंपरा है। आदिवासी वन औषधियों को दैवीय उपकार मानते हैं लिहाजा वह उपचार मुफ्त में करते हैं।

> बस्तर में पाई जाने वाली वन औषधियां रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में कारगर हैं। यह देखने बस्तर गया था कि वनवासी किन औषधियों का उपयोग करते हैं। वहां काफी जानकारी मिली। वन औषधियों के रोपण से स्थानीय लोगों को लाभ दिलाने की संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है।
>
> – जे सी एस राव, पीसीसीएफ, एमडी, राज्य वन औषधि पादप बोर्ड छत्तीसगढ़

**पंजाब और राजस्थान से भी इलाज कराने आते है लोग :** बबलू नेताम की ख्याति इतनी है कि दुर्लभ बीमारियों का उपचार कराने बस्तर और छत्तीसगढ़ से ही नहीं, पंजाब, राजस्थान, झारखंड और देश के अन्य राज्यों से भी लोग आते हैं। कोरोना वायरस ने दुनियाभर में कोहराम मचाया तो इससे बचने का उपाय पूछने भी उनके पास रोज लोग आ रहे हैं। उनकी ख्याति सुनकर पीसीसीएफ जेसीएस राव और कोंडागांव डीएफओ उत्तम गुप्ता भी बागबेड़ा पहुंचे। उन्होंने बबलू के साथ गांव के आसपास के जंगलों का भ्रमण किया और प्राकृतिक परिवेश में पाई जाने वाली वन औषधियों की पहचान की। उन्होंने औषधियों के उपयोग और इनकी खेती करने की संभावनाओं पर चर्चा की। बबलू नेताम ने बताया कि बस्तर की जड़ी बूटियों में दैवीय शक्ति होती है। कई औषधियां ऐसी हैं जिनका नियमित सेवन करने से बीमारी पास भी नहीं फटकती।

उन्होंने कहा कि कोरोना हो या कोई अन्य वायरस, इम्यूनिटी मजबूत होगी तो बीमारी होगी ही नहीं। वन्य जड़ी बूटियां सर्पगंधा, अश्वगंधा, हाथी कांदा, जंगली हल्दी, जंगली मूली, गिलोय, लाजवंती, हरण, शंखपुष्पी, शनिदेव झाड़, आंवला, बेहड़ा आदि वन औषधियां जंगल में मिल जाती हैं। सौंफ, अजवाइन आदि दुकान से खरीदना पड़ता है। गिलोय, लवांग, काली मिर्च, शनि देव छिलका आदि से तैयार जूस इम्यूनिटी बढ़ाने में काम आता है। इससे स्वास्थ ठीक रहता है।

## डॉ. गुलेरिया बोले, पालूत जानवरों से नहीं फैलता कोरोना

**राज्य ब्यूरो, नई दिल्ली :** अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया का कहना है कि पालूत जानवरों से कोरोना वायरस का संक्रमण होने का खास खतरा नहीं है। मौजूदा समय में ऐसा कोई अध्ययन और आंकड़ा सामने नहीं आया है, जिसमें किसी पालतू जानवर से इंसान में संक्रमण होने की बात कही गई हो।

एम्स निदेशक ने कहा कि कोरोना इंसान व जानवर दोनों में मौजूद रह सकता है। सार्स (सेवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम) व मर्स (मिडिल ईस्ट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम) कोरोना वायरस जानवरों के माध्यम से फैलता है। वहीं नोवल कोरोना वायरस ने इंसान में आने के बाद एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति को संक्रमित करने की क्षमता विकसित कर ली है। इस वजह से यह इंसान से इंसान में फैल रहा है। पालतू जानवर से संक्रमण होने की आशंका बहुत कम है।

## सांवरे तेरा ही सहारा

देशभर में जारी लॉकडाउन के बीच उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में भगवान कृष्ण की पेंटिंग से सजी दीवार के सामने से गुजरता सब्जी विक्रेता। कोरोना वायरस की महामारी से निपटने में दुनियाभर के वैज्ञानिक और डॉक्टर लगे हैं। लेकिन जब तक इलाज नही खोज लिया जाता तब तक तो भगवान का ही भरोसा है। प्रेट्र

**कवायद**

क्लीनिकल ट्रायल के बाद ही इलाज के लिए इस थेरेपी को मिल सकती है मंजूरी

# प्लाज्मा थेरेपी के ट्रायल के लिए आइसीएमआर ने किया आमंत्रित

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** इंडियन काउंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आइसीएमआर) ने इच्छुक मेडिकल इंस्टीट्यूशंस को प्लाज्मा थेरेपी के क्लीनिकल ट्रायल के लिए आमंत्रित किया है। प्लाज्मा थेरेपी इस सिद्धांत पर आधारित है कि कोरोना से ठीक हो चुके मरीज के शरीर में इस वायरस के खिलाफ एंटीबॉडी तैयार हो जाते हैं। स्वस्थ हो चुके व्यक्ति के खून से उन एंटीबॉडी को किसी अन्य मरीज के शरीर में पहुंचाया जाए, तो वे एंटीबॉडी उस मरीज के इलाज का माध्यम बन सकते हैं।

आमतौर पर किसी भी नई थेरेपी को तय प्रोटोकॉल के हिसाब से क्लीनिकल ट्रायल के बिना इलाज की संज्ञा नहीं दी जा सकती है। बिना ट्रायल के आइसीएमआर इसकी मंजूरी नहीं दे सकता है। इसे देखते हुए आइसीएमआर ने ऐसे सभी सक्षम संस्थानों को आगे आने के लिए कहा है, जहां क्लीनिकल ट्रायल की व्यवस्था हो सकती है। आइसीएमआर ने कहा है कि इच्छुक संस्थान आइसीएमआर के साथ मिलकर ट्रायल कर सकते हैं। ट्रायल में सफल पाए जाने पर इससे कोरोना के इलाज की दिशा में बड़ी कामयाबी मिल सकती है। इस बीच, आइसीएमआर के मनोज मुर्हेकर ने रविवार को बताया कि इस समय दुनियाभर में कोरोना से बचाव के लिए 40 से ज्यादा वैक्सीन पर काम चल रहा है। हालांकि अभी कोई टीका अंतिम चरण पर नहीं पहुंच पाया है। वैक्सीन तैयार करने की दिशा में काम कर रहे देशों में भारत भी शामिल है।

प्रतीकात्मक

## संक्रमितों को ब्लड प्लाज्मा देने को तैयार कोरोना वायरस को मात दे चुके लोग

**राज्य ब्यूरो, कोलकाता**

बंगाल में कोरोना वायरस को मात दे चुके कुछ लोग संक्रमितों के इलाज में मदद के लिए आगे आए हैं। ये सभी राज्य सरकार द्वारा कोरोना वायरस पॉजिटिव मरीजों के पैसिव इम्यूनाइजेशन के क्लिनिकल ट्रायल्स को मंजूरी देने के बाद सामने आए हैं। कोरोना संक्रमित मरीजों के इलाज की इस विधि में स्वस्थ हो चुके मरीजों के ब्लड प्लाज्मा में एंटीबॉडी के इस्तेमाल के जरिये पैसिव इम्यूनाइजेशन किया जाता है। इस विधि के आगे आए सभी लोग अभी इलाज के बाद होम आइसोलेशन में रह रहे हैं।

उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य मानकों के सही रहने पर वे रिसर्च प्रॉसेस में सहायता करेंगे। उत्तर 24 परगना जिले के 23 वर्षीय मोनामी बिस्वास ने कहा, मैंने इस शुरुआत के बारे में पढ़ा है और दूसरों की जिंदगी को बचाने के लिए ब्लड प्लाज्मा देने को तैयार हूं। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे ऐसा काम करने का अवसर मिल रहा है। स्कॉटलैंड में पढ़ाई करने वाली मोनामी बंगाल में कोरोना के सबसे पहले सामने आए तीन मामलों में से एक थीं। 31 मार्च को हॉस्पिटल से रिलीज होने के बाद से वह घर में क्वारंटाइन हैं। इसके साथ ही ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से पढ़ाई कर लौटे छात्र ने भी प्लाज्मा देने की पेशकश की है। वह 18 मार्च को हॉस्पिटल में भर्ती हुआ और 31 को छुट्टी दी गई। गोपीकृष्ण अग्रवाल (51) ने भी कोरोना संक्रमितों को ऐसे मदद की पेशकश की है। बता दें कि यह ट्रीटमेंट अभी कुछ देशों में अंडर ट्रायल है। कोविड-19 से स्वस्थ हो चुके मरीजों के ब्लड प्लाज्मा को 4 हफ्ते के गैप के बाद पॉजिटिव मरीजों के शरीर में इंजेक्ट किया जाएगा। इस ब्लड प्लाज्मा में एंटीबॉडी रहेगा।

## जंग-ए-कोरोना में पूरा परिवार ही लड़ाका

**बीके पांडेय, बोकारो**

झारखंड में बोकारो के सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार पाठक का परिवार कोरोना से जारी जंग में अपनी भूमिका निभा रहा है। पत्नी डॉ. अंजना झा कोल इंडिया के रांची स्थित गांधी नगर अस्पताल की मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी व कोरोना वार्ड की इंचार्ज हैं। बेटी मेजर डॉ. अदिति व उसके पति मेजर डॉ. विशाल झा लेह के सैनिक अस्पताल में कोविड-19 वार्ड में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इस परिवार में कोरोना को हराने का गजब का जुनून है। सभी ने घर छोड़ दिया है। इनके 24 घंटे मरीजों के नाम है। डॉ. पाठक कहते हैं कि कोरोना वह खतरनाक वायरस है जो संक्रमित इंसान से दूसरे इंसान में तेजी से फैलता है। इससे इतर सजगता के बल पर संक्रमण से दूरी बना चिकित्सक अपने फर्ज को पूरी शिद्दत से अंजाम दे रहे हैं। हमें इस बात की खुशी है कि हम ही नहीं, हमारा पूरा परिवार देश के विभिन्न हिस्सों में इंसान और कोरोना के बीच ढाल बनकर खड़ा है।

डॉ. पाठक के अनुसार झारखंड से पहले लेह के सैनिक अस्पताल में कोरोना मरीज पहुंचा था। एक सैनिक के पिता को कोरोना संक्रमण हुआ। पिता की सेवा में लगे सैनिक, उसकी पत्नी व बच्चे भी इसकी चपेट में आ गए। दामाद मेजर विशाल और बेटी अदिति ने दिन रात अपने फर्ज को अंजाम देकर कोरोना को हरा दिया। सैनिक के पिता का पहले सिविल अस्पताल लेह में इलाज हुआ, वहीं सैनिक व उनके परिवार का सैनिक अस्पताल में इलाज हुआ। लेह सैनिक अस्पताल आज भी कोविड अस्पताल के रूप में चिह्नित है।

झारखंड में बोकारो के सिविल सर्जन डॉ. अशोक कुमार पाठक, पत्नी डॉ. अंजना झा, बेटी डॉ. अदिति और दामाद मेजर डॉ. विशाल झा (बाएं से दाएं) के साथ। सौजन्य : डॉ. अशोक